

# The Gazette of Indi

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY 434

सं0 1]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 3, 1976 (पौष 13, 1897)

No. 1]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 3, 1976 (PAUSA 13, 1897)

इस भाग में भन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III—**ख**ण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सर्वे। आयोग, रेल विभाग आर साउत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गैक्किमधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

**अ**क्षिमडल सचिवालय (कार्षिय अर्रि प्रशासनिक सुधार विभाग) प्रवर्तन निदेशालय

न५ दिल्ली, दिनाक 30 सितम्बर 1974 फा॰ म॰ ए०-11/2/75--श्री जे॰ सी॰ मलिक, निरीक्षण, श्रायक विभाग को प्रवर्तन निदेशालय के मख्यालय कार्यालय िमांक ,19-9-75 से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन े प्रितिनियमित पर स्थानापण रूप से

> 100 1976 Jan - Mar -Pt 3 Secol

गृह मन्नालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिर्जव पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनाक 3 दिसम्बर 1975

म० म्रो० दो० 1051/72-रथापना---राष्ट्रपति, श्री म्रशोक कुमार बौहरा उप-पुलिस ग्रिधिक्षक 33 वी० बटाल्यिन केन्द्रीय रिर्जव पुलिस दल का त्यागपन्न ६-5-<del>३-9</del>75 क्रे श्रपराह्न से स्वीकार करते हैं।

दिनाक 4 दिसम्बर 1975

सं० ग्रो० टू० 74/69-ईम्ट० पाटकर- ले० नेन्नी (रिटायंड) के प्रितिनय्कि

केन्द्रीय रिजीव पुलिस राह्म को छोड़ा। ० के छ जन्भोपाध्याय, ं निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ल -110003, दिनांक 29 नवम्बर 1975

सं० ई०-17017/7/75-प्रशासन-1—श्री एल० वि० सिंह, ब्राई० पं० एस० (बिहार-1955), चीफ प्राफ सिक्यू-रिटी डिवीजन, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, दिनांक 27 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से बोकारो स्टील सिटी, बोकारो स्टील लिमिटेड, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल/उप महानिरीक्षव, की पदेन नियुक्ति पर नहीं रहें।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार मध्य प्रदेश-1

ग्वालियूर-474002, दिनांक 26 नवम्बर 🚁

संवे प्रशासन एक/401-सहालेखाकार, मध्यानियर ने निम्नांकित स्थाई समुख्य के को उनके नाम के सामने प्रशास प्राप्त के से स्थापन के सामने प्रशास प्राप्त के से स्थापन प्राप्त के सामने प्रशास के सामन

ा. अर् मार्ट सें० कल्लाके विद्योत। १८८ १-11-75

५५० एल० मलहोता, पर्के उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्याचुर्य महालेखाकार, मध्य प्रदेश-11

ग्वालिंगर-474002,दिनांक 6 म्रक्तूबर 1975

सं० प्रशासन 6/रा० ग्र० से० नि०/1333—श्री के० वी० रामानुजाचार, स्थानापन्न लेखा ग्रधिकार कार्यालय महालेखाकार मध्य प्रदेश II ग्वालयर, ग्रधिवाधिकी वय प्राप्त होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1975 अपराह्न में शासकीय सेवाश्रो से सेवा निवृत्त हुए।

ह० ग्रपठनीय, उप महालेखाकार (प्रशासन)

े रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक क्रि. २2. दिनोंक अस्तिमस्बर अस्

क्रेस पर श्राम् 29-2-1976 (अपध कर विया जाएगा श्रार निकाल दिया जाएगा।

रक्षा लेख.

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक दिसम्बर, 1975

सं० प्रशासन-12(15)-सामान्य/75--श्री एस० के० सरकार, लेखा ग्रधीक्षक को केन्द्रीय चिकित्सालय, कल्ला, ग्रासनसोल (टी० बी० विंग) के चिकित्सा ग्रधीक्षक के सचिय के रूप में तारीख 22-10-1975 (पूर्वाह्न) से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया है।

> श्चार० पी० सिन्हा, कोयला खान कल्याण श्रायुक्त धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय कार्यालय वस्त्र प्रायुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (503)—श्रीमान् राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र कन्नतूर के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (क्ष्पांकन) श्री पाडी कृष्णस्वामी प्रभाकर को 1 श्रप्रैल, 1974 के पूर्वाह्म से, श्रन्य श्रावेश होने तक, उसी कार्यालय हैं उपनिदेशक (रूपांकन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजन्द्र पाल कपूर, वन्त्र ग्रायुक्त

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

Ho. 40-1/1(1030)

दिनांक <sup>भित</sup> निपटान निदेशालय मद्रास में स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) दिनांक 30 सितम्बर, 1975 के अपराह्म से निवर्तन भायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

सं० प्र०-1/1(79)—-श्वी एस० सिंह ने उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर ग्रवनित होने पर दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1975 के ग्रपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) का पद भार छोड़ दिया।

के० एल० कोहली, उप निदेणक (प्रणासन) **कृसे** महानिदेणक पूर्ति तथा निपटान

#### नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० प्र०-1/1(992)—स्थायी प्रधानलिपिक तथा निरीक्षण निवेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री ए० एन० बोस दिनांक 31 भक्तूबर, 1975 के अपराह्म से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1/1 (930) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में प्रवर क्षेत्राधिकारी श्री भार० पी० बरेजा को दिनांक 11-11-1975 के पूर्वाह्न से तथा भ्रगामी भादेशों के जारी होने तक उसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बरेजा की सहायक निवेशक (ग्रंड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः मस्थाई तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका संख्या 739/71 के निर्णय के भाधीन होगी।

के० एस० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन)

#### (प्रशासन शाखा-6)

#### नई दिल्ली-1, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-6/247(34)/57 VI- -राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 की इन्जीनियरी माखा के ग्रेड-11 में स्थानापन्न श्री धनमाम एन० गिडवानी को दिनाक 19 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

र्श्व गिड़वानी ने दिनांक 10 नयम्बर, 1975 के श्रपराह्न से निरीक्षण स्कन्ध के मुख्यालय मे पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली मे उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पद्भार छोड़ दिया तथा 19 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से मद्रास निरीक्षण मण्डल, मद्रास में निरीक्षण निदेशक का पद्भार सम्भान लिया।

> सूर्य प्रकास, उपनिदेशक (प्रशासन) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशास्त्रय

## नेर्फ्रलिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

सं० प्र०-6/57(8)/58-IX—महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निम्निस्थित स्थानापन्न सहायक निरीक्षण प्रधिकारियों (वस्त्र) को उनके नाम के सामने दी गई तार्रख से सहायक निरीक्षण प्रधिकार (वस्त्र) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं०	नाम		स्थ	ायी होने की तारीख
1. श्री	मार० ए <b>त</b> ० गोडवोले	1	•	20-3-1963
2. श्री	वाई० पी० घेन			29-7-1966
3. श्री	र्ज० बि० प्रमाणिक			23-10-1966
4. श्री	एम० एन० वी० स्वाम	मी		1-4-1967
5. श्री	एम० वी० <b>पं</b> थ		•	10-2-1968
6. श्री	षी० <b>बी० हजैला</b>			1-4-1969
7. ৠ	सी० पी० मानन्द			3-7-19-0
8. श्री	के०सी० जैंन			25-11-137
9. श्री <sup>:</sup>	बी० जे० एम० राव			151971
10. श्री	एन० एम० दाते			1-11-1971

सूर्य प्रकाश, उपित्रशक (प्रशासन), कृते महानिदेक, पूर्ति तथा निपटान

## भाकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 4 दिसम्बर 1975

स० ए०-31014/1/74-एस०-छ. (वास०-तीन)---महानिदेशक, माकाशवाणी, निम्निखित मधिकारियो को मल रूप मे सहायक इजीनियर संवर्ग के पद पर प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि से नियुक्त करते हैं --

क्रम सं	<ul> <li>ग्रिकारी का नाम</li> </ul>				वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टिकी तिथि
1.	श्री सी० ग्रार० वैकटराव		,		उप सहायक योजना मधिकारी, माकाशवाणी महा- निदेशालय, नई दिल्ली ।	10-7-1970
2.	श्री एस० एच० जकाती				केन्द्र इजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, माकाशवाणी, श्रीनगर ।	10-7-1970
3.	श्री जी० सी० पाण्डेय .		•	-	सहायक योजना भधिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	10-7-1970
4.	श्री वी० कृष्णमूर्ति, .	•	•	•	सहायक सस्थापन इजीनियर, क्षेत्रीय इजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, माकाशवाणी, नई दिल्ली N	10-7-1970
5.	श्रीए०वी० थाटे .		-		सहायक केन्द्र इजीनियर, माकाशवाणी, पूना ।	10-9-1970
6.	श्रीजी०सी० कैंथल .	•	•		सहायक श्रनुसधान इजीनियर, श्रनुसधान विभाग, श्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	9-10-197
7.	श्री एस० मी० ग्राचार्य				्केन्द्र इंजीनियर, भाकाणवाणी, सिलीगुड़ी।	29-10-1970
8.	श्री बी० एल० भूटानी				केन्द्र इजीनियर, भाकाशवाणी, मथुरा।	25-11-1970
9	श्रीग्रार० डी० गुप्त .	•	•	٠	केन्द्र इजीनियर, सामुद्रायिक श्रवण एव    दृश्य  यो⊸ेना, स्राकाशवाणी, श्रीनगर ।	30~11-1970
10.	श्री डब्ल्यू० वी० वी० रामलिगम्				सहायक श्रनुसंधान इजीनियर, श्रनुसधान विभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	1 2-1-1 9 7 1
11.	श्रीएस०सी०मिश्रः.	,			सहायक केन्द्र इजीनियर, श्राकाणवाणी, पटना ।	8-2-1971
·12.	श्री प्रार० पार्यसारथी				उप सहायक क्षेत्रीय इजीनियर, श्रेत्नीय इजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, भ्राकाशवाणी, बम्बई ।	13-3-1971
13.	श्रीजी०डी०कार्ने.				सहायक केन्द्र इजीनियर, श्राकाशवाणी, धारवाड़ ।	17-3-1971
14.	श्री पी० सी० खरे .		•		सहायक केन्द्र इजीनियर, केन्द्र इजीनियर का कार्यालय, केन्द्रीय भड़ार, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	21-3-1971
15.	श्री एम० दोराई राज .	•	•	•	सहायक निदेशक, सामुदायिक श्रवण, ग्राकाणवाणी, महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	26-5-1971
16.	थो <b>ग्रा</b> र० षणमुगम .	•	•		उप सहायक क्षेत्रीय इजीनियर,  क्षत्रीय इजीनियर (पश्चिम) का कार्याक्षय, ग्राकाशवाणी, बम्बई ।	2-7-1971
17	श्री एम० सी० के० राजा	•			उप सहायक योजना अधिकारी, योजना व विकास एकक, ग्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	3-7-1971
18.	श्री एच० के० वेदी .		•		केन्द्र इंजीनियर, श्राकाशवाणी, इन्दौर ।	1-9-1971
19.	श्री के० बी० भ्रप्पाराव	•	٠		उप सहायक योजना श्रधिकारी, योजना व विकास एकक,श्राकाशवाणी, महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	1-9-1971
21,	श्रीमती कमला देवी	•	•	•	सहायक योजना अधिकारी,योजना व विकास एकक, श्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	20-9-1971
21.	त्री जी० पार्थसारथी .	•	•		सहायक योजना मधिकारी, योजना व विकास एकक, घ्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	27-10-1971
22.	श्री मि० ग्रार० ग्रमटेय			٠	उप सस्थापन, इंजीनियर, क्षेत्रीय इजीनियर (पश्चिम). श्राकाशवाणी, बम्बई ।	15-11-1971
23.	श्री एम <sub>े के</sub> ० सिह धूपिया		٠		उप सहायक क्षेत्रीय इजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, भ्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	16-11-1971

क्रम संब	भिकारी का नाम				वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टिकी तिथि
24.	श्री एन० एस० रामास्वामी		•		उप सहायक क्षेत्रीय इजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर	16-11-197
					(दक्षिण) का कार्यालय, माकाशवाणी, नई दिल्ली ।	
25.	श्री एन० सी० पिल्लै-1			•	केन्द्र  इंजीनियर, भ्राकाशवाणी, त्निवेन्द्रम ।	19-11-1971
26.	श्री एस० जी० रानाडे	•	•	•	उप सहायक योजना भ्रधिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-11-197
27.	श्रीपी०टी०लाखे .				सहायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व ) का कार्यालय, घ्राकाशवाणी, कलकत्ता ।	30-11-1971
28.	श्री एस० ए० सुन्दर राजन				सहायक केन्द्र इंजीनियर, भ्राकाशवाणी, भ्रहमदाबाद ।	1-12-1971
29.	श्री के० बालकृष्णन्				केन्द्र  इंजीनियर, श्राकाशवाणी, रायपुर ।	3-1-1972
30.	श्री म्रार० गणेशन्				सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्नीय इंजीनियर (पश्चिम) को कार्यालय, ग्राकाशवाणी, बम्बई ।	24-1-1972
31.	श्री ए० श्रीनिवासन् .				केन्द्र इंजीनियर, प्राकाशवाणी, भगरतला ।	10-2-197
32.	श्री म्नार० सी० दक्षिणदास	٠		•	उप सस्थापन इंजीनियर क्षेत्नीय इंजीनियर, (पश्चिम) का कार्यालय, भाकाशवाणी, बम्बई ।	11-2-197
33.	श्री के० बी० भीम राव	•	•		वरिष्ठ इंजीनियरी इंस्ट्रक्टर, कर्मचारी प्रशिक्षणालय (तकनीकी), इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, माकाशवाणी, नई दिल्ली ।	23-2-1972
34.	श्री बी० एस० धर .	•			उप संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इजीनियर (पूर्व) का कार्यालय, माकाशवाणी, कलकत्ता ।	1-3-1972
35.	श्री एम <i>०</i> ग्रार० सखूजा	-	·	•	उप सहायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, भ्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	20-4-1972
36.	श्री एम० पी० खोसला				उप सहायक योजना म्रधिकारी (टी० म्रार०), योजना व विकास एकक, म्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली।	20-5-1972
37.	श्री जी० वैद्यनाथन् .	•	•		सहायक सस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, ग्राकाशवाणी, मद्रास ।	20-5-1972
38.	श्री टी० एन० धर .	•	•		उप सहायक योजना श्रधिकारी, योजना व विकास एकक, श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972
39.	श्री एस० सत्यधुमा .				सहायक केन्द्र इंजीनियर, ग्राकाशवाणी,विजयवाड़ा ।	20-5-1972
40.	श्री एन० एम० दत्ते त्रेय	•		•	उप सहायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, म्राकाशवाणी, मद्रास ।	20-5-1972
41.	श्री रघुवंश बिहारी लाल	•	•	•	उप सहायक योजना भ्रधिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972
42.	श्री जी० ई० देशपाण्डे				सहायक केन्द्र इजीनियर, माकाशवाणी, सांगली ।	20-5-1972
43.	श्री जान म्रार्थर जोसेफ		•	-	सहायक केन्द्र   इंजीनियर, दूरदर्शन   केन्द्र, भ्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	20-5-1972
44.	श्री बी० पी० श्रीवास्तव	•	•	•	उप प्रभारी इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रषित्न, भ्राकाशवाणी, श्रलीगढ़ ।	20-5-1972
45.	श्री जो० एन० भार० हगल	•	•	٠	उर प्रभारी इजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित्ने, भ्राकाश- वाणी, किग्सवे, दिल्ली ।	20-5-1972
46.	श्री वी० बालरमण .	٠	•		उप सहायक योजना म्रधिकारी, योजना व विकास एकक, भाकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972
47.	श्री वाई० एन० भाल्मे		_		सहायक केन्द्र इंजीनियर, भाकाणवाणी, नागपुर।	20-5-1972
48.	श्री एस० राघवेन्द्र राव				उप सहायक योजना अधिकारी, योजना व विकास एकक, ग्राकाणवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972

ऋम सं	<ul> <li>भ्रधिकारी का नाम</li> </ul>				वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टिकी तिथि
49.	श्री भरत कुमार .				सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, ब्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	20-5-1972
50.	श्री एन० जे० नायर .	•		•	सहायक योजना श्रधिकारी, योजना व विकास एकक, श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972
51.	श्री एम० गोपालकृष्णन्				सहायक केन्द्र इजीनियर, प्राकाशवाणी, वंगलीर ।	20-5-1972
<b>52</b> .	श्री बी० डी० विपाठी				सहायक केन्द्र इंजीनियर, भ्राकाशवाणी, दिल्ली।	20-5-1972
53.	श्री एम० एन० बालसुब्रभण्यम्				सहायक संस्थान इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, म्राकाशवाणी, मद्रास ।	20-5-1972
54.	श्री एन० नारायणस्वामी				वरिष्ठ इंजीनियरी इस्ट्रक्टर, भ्राकाशवाणी महा~ निदेणालय, नई दिल्ली ।	20-5-1972
55.	श्री डी० एम० माधेकर				सहायक केन्द्र इंजीनियर, भाकाशवाणी इन्दौर।	20-5-1972
56.	श्री जे० सी० भार्गव .	•	•		सहायक केन्द्र इंजीनियर, केन्द्र इंजीनियर का कार्या तय, केन्द्रीय भण्डार, भाकाशवाणी, नई दिल्ली ।	20-5-1972
<b>57</b> .	श्री एच० डी० रामलाल	•	•	•	सहायक म्रनुसंधान इंजीनियर, मनुसंधान विभाग, म्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	20~5-1972
58.	श्री एल० हरीहरन् .	•		•	सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, ग्राकाशवाणी, बम्बई ।	20-5-1972
59.	श्रीके०सी०दत्ता	,		,	सहायक केन्द्र इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित्न, श्राकाशवाणी,चिनसुरा।	20-5-1972
60.	र्था भार० भार० उन्नीथन				सहायक केन्द्र इंजीनियर, भ्राकाणवाणी, त्रिवेन्द्रम ।	20-5-1972
61.	श्री टी० चन्द्रगेखरन्		,		केन्द्र इजीनियर, भ्राकाशवाणी, जेपुर।	20-5-1972
62.	श्री एल० एस० बारपालरे	•			सह।यक केन्द्र  इंजीनियर, भ्राकाशवाणी, म्रहमदाबाद ।	20-5-1972
63.	श्री के० नागराजन .		٠	•	सहायक केन्द्र  इंजीनियर, भ्राकाशवाणी, तिरूचिरा- पल्ली ।	20-5-1972
64.	श्रीके० टी० के० शर्मा				सहायक केन्द्र इंजीनियर, द्राकाशवाणी, हैदराबाद।	20-5-1972
65.	श्री एच० भ्रो० भग्रवाल	•	٠	•	श्रनुसंधान भधिकारी, क्षत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, म्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	20-5-1972
66.	श्री प्रताप सिंह .		,		सहायक केन्द्र इंजीनियर, म्राकाशवाणी, जबलपुर ।	20-5-1972
6 <b>7</b> .	श्री एन० सी० पिल्ले-II				उप सहायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, श्राकाशवाणी, मद्रास ।	20-5-1972
68.	श्रीपी० के० घोष .	•	٠		े उप सहायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर, (उत्तर) का कार्यालय, म्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	20-5-1972
69.	श्री जी० ग्रार० पार्थसारथी	•	•		सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, भ्राकाशवाणी, बम्बई।	20-5-1972
70.	श्री के० नर्रासह .				सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, म्राकाशवाणी, मद्रास ।	20-5-1972
71.	श्री के० पी० रामस्यामी	•	٠	•	केन्द्र इंजीनियर, कार्यालय केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन (उपग्रह), बेस प्रोडक्शन सेन्टर, भ्राकाणवाणी, हैदराबाद।	20-5-1972
72.	श्री बी० एल० मोइत्ना		r		सह।यक केन्द्र इंजीनियर, भ्राकाशवाणी,श्रहमदाबाद।	20-5-1972
73.	श्री एम० एन० म्रथोरलु				सहायक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, भ्राकाशवाणी, बम्बई ।	20-5-1972

क्रम संब	े श्रधिकारीकानाम ———————————————————————————————————				वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टि की तिथि
74:	श्री बी० वरदराजलु .	,			सहापक संस्थापन इंजीनियर, क्षेत्रीय इजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, ब्राकाशवाणी, बम्बई ।	20-5-197
75	श्रीबी०एम०मैध्यू			٠	सडायक केन्द्र इंजीनियर घ्राकाणवाणी, कालीकट ।	20-5-197
76.	श्री एस० घ्रार० पवनमूर्ति		•		सहायक केन्द्र इंजीनियर, श्राकाशवाणी, भद्रावती ।	20-5-197
77.	श्री के० टन्डवासई				उप सहायक क्षेत्रीय इजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व) का कार्यालय, श्राकाणवाणी, कलकत्ताः।	20-5-197
78.	श्री एन० वैकटन .	•			सहायक केन्द्र इंजीनियर, विज्ञापन प्रसारण मेवा, ग्राकाशवाणी,बंगलौर ।	20-5-197
79.	श्री ए० के० घटर्जी .	•	•	•	उप सहायक योजना घ्रधिकारी, योजना व विकास एकक, ग्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	20-5-197
80.	श्री एस० सी॰ दुवे .	,		•	सड़ायक इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित्न, किंग्सवे, ग्राकाशवाणी,दिल्ली ।	20-5-197
81.	श्री ग्रोम प्रकाश खुणू .			•	केन्द्र उंजीनियर, श्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई टिल्ली।	20-5-197
32.	श्री महेन्द्र नाथ मेहतानी			•	केन्द्र इजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, स्नाकाशवाणी, श्रीनगर।	20-5-197
33.	श्री रामादुगु मेशेया .				सहायक केन्द्र इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित्न, ग्राकाणवाणी,मलाड,बम्बई ।	20-5-197
84	श्री रविन्द्र नाथ सक्सेना	•	•	-	सहायक केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, स्राकाश— वाणी, सम्बर्द ।	20-5-197
35.	श्री एम० गणेसन् .		•	•	सहायक केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाण- वाणी, बम्बई ।	20-5-197
36.	श्री सुरजीत सिंह साहनी	•		•	उप सहायक योजना श्रधिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाणवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	29-5-197
7.	श्री बासप्पा साजन .	•	•	٠	सहायक केन्द्र इंजोनियर, दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी, बम्बई ।	16-6-197
88,	श्री विरेन्द्र विजय .	•			केन्द्र इंजीनियर, श्राकाशवाणी, गुल <b>बर्गा</b> ।	1-7-197
39.	शी हर्ष वर्धन .	٠	•	*	केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्शन रिले केन्द्र, स्राकाशवाणी, पूना ।	15-7-197
0.	श्री प्रणय कुमार चौधरी		•	•	सहायक केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्गन केन्द्र, श्राकाश∻ प्राणी, कलकत्ता ।	1-10-197
91.	श्री ग्रार० नारायणन	•	•	•	महासक केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, स्राकाश- वाणी, मद्रास ।	9-2-197
92.	श्री के० सी० सी० राजा				महायक क्षेत्रीय इंजीनियर, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व ) का कार्यालय, श्राकाशवाणी, कलकत्ता ।	6-3-197
93.	श्रीके० के० शर्मा .				सहायक केन्द्र इंजीनियर, श्राकाशवाणी महानिदेशाल नई दिल्ली ।	प, 14-4-197

कम स०	ग्रधिकारी का नाम	वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टिकी तिथि
94	श्री एम० एम० ग्रस्थाना	सहायक योजना म्रधिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	1-1-1974
95	श्री प्रेम चन्द्र	उप सहायक योजना घ्रधिकारी, योजना व विकास, एकक, घ्राकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	9-1-1974
96	श्री पी० घ्रार० सुकर्ण नायर	न्ननुसधान ग्रधिकारी, श्रनुसधान विभाग, श्राकाणवाणी, नई दिल्ली ।	11-3-1974
97	श्री एल० डी० पद्मानभन्	उप सहायक योजना श्रधिकारी, योजना व विकास एकक, ब्राकाणवाणी, महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	23 5-1974
98	श्री सतो  कुमार बिसारिया	सहायक केन्द्र इजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र श्राकाश- वाणी,नई दिल्ली।	23-5-1974
99	श्री सुरेन्द्र प्रताप सिह	सहायक केन्द्र इजीनियर, बेम प्रोडक्शन य्निट, दूरदर्शन (उपग्रह), म्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	23 5-1974
100	श्री कुलदीय चन्द्र तलवार	उप सहायक योजना श्रक्षिकारी, योजना व विकास एकक, भ्राकाशावाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	23-5-1974
101	श्री पी० के० मुखोगध्याय	सहायक केन्द्र इजोनियर, दूरदर्शन केन्द्र श्राकाण- वाणी,कलकत्ता ।	23 5 1974
102	श्री मारदा प्रसाद	सहायक केन्द्र इजोनियर, उच्च शक्ति प्रेषित्र, किग्सवे, स्राकाशवाणी, दिल्ली ।	23-5-1974
103	श्री मन्तोष कृमार सेन	सदायक केन्द्र इजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, स्राकाश- वाणी,कलकत्ता ।	23-5-1974
104	श्री बी० एस० तिवारी	श्चनुसधान अधिकारी, श्चनुसद्यान प्रधिकारी का कार्यालय, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली ।	23-5-1974
105	श्री एम० एल० केशवानी	सहायक केन्द्र इजीनियर, म्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली ।	23-5 1974
106	श्री एच० सी० पन्त	सहायक सन्धातत इजोतित्रर, क्षेत्रीय इजीतियर (उत्तर) का कार्यालय, स्राकाणयाणी, नई दिल्ली ।	23 5 1974
107.	श्रीके० बी० बी० कुष्णस्या	महायक सस्थाक्त इजीनियर, क्षेत्रीय इजीनियर (दक्षिण) का कार्यालय, ग्राकाशवाणी, मद्रास ।	1-6-1974
108	श्री श्रीनिवासन् सुन्दरम्	महायक केन्द्र उजीनियर, भ्राकाणवाणी, भ्रगरतला।	1-7-1974
109	श्रीमती रत्ता चक्रवर्ती	उर मह।यरु योजना स्रधिकारी, श्राकाशवाणी महा- निदेशालय, नई दिल्ली ।	1-11-1974
110	श्री पी० के० सुब्रह्मण्यम्-∏	केन्द्र इजीनियर, श्राकाशवाणी, शीलाग ।	1-11-1974

<sup>2</sup> इन सभी श्रधिकारियों की पुष्टि इस शर्त पर की गई है कि उन्हें किसी भी समय सार्वजनिक निगम के श्रधीन सेत्रा करने के लिए स्था-नान्तरित किया जा सकता है ग्रौर ऐसा श्रतरण होने पर उन पर वहीं सेवा शर्ते लागू होगी जोकि उस निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की जायेगी।

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० ए०-31014/1/74-ए १०-छः (बाल्यू०-तीन)—— महानिदेशक, श्राकाशवाणीः श्री के० रामासेशु, सहायक केन्द्र इंजीनियर, श्राकाशवाणीः, जो इस समय मैसर्ज भारन इलैक्ट्रानिक ि. ..े.टेड, बगलौर में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे है, को 2 ..सम्बर. 1970 से सहायक इंजीनियर, श्राकाशवाणी, लखनक के यद पर मूल रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री रामासेणु की पृष्टि इस गर्त पर की जाती है कि उन्हें किसी भी समय मार्वजिनक निगम के ग्रधीन सेवा करने के लिए स्थानान्तरित किया जा सकता है ग्रीर ऐसा ग्रंतरण होने पर उन पर वही सेवा गर्ते लागू होंगी जो उस निगम के कर्मचारियों के लिए निधारित की जाएंगी।

शान्ति लाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

#### नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीच्च--आकाशवाणी भहानिदेशक, प्राकाश-वाणी के सहायक इंजीनियर संवर्ग के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के प्रांग लिखी तारीखों से प्रप्रेतर प्रादेशों तक उनके नामों के ग्रागे उल्लिखित केन्द्रों/कार्यालयों में स्थान।पन्न पदक्षमता में नियुक्त करने हैं:---

क्रम अधिकारी का नग्म सं०	केन्द्र/कार्यालय जहां तैनात	नियुक्ति की नारीख
1. श्री गंगा राम	ब्राकाशवाणी, जोधपुर ।	3-11-75
2. श्री सुभाष चन्द्र माहु	दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी, श्रीनगर ।	4-11-75

#### दिनाक 3 दिसम्बर 1975

सं० 5 (3)/69-डी० (एस०) — इस निदेशालय की श्रधि-सूचना संख्या 5 (3)/69-डी० (एस०), दिनाक 26-12-1974 में श्रांशिक श्राशोधन करते हुए श्री पी० वी० रामाकृष्णन, महा-लेखापाल कार्यालय, मद्रास के लेखा अधिकारी को 24-9-74 (श्रपराह्न) से 24-9-76 (पूर्वाह्न) तक क्षेत्रीय इंजीनियर (दक्षिण), श्राकाशवाणी, मद्रास के कार्यालय में रुपये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में लेखा श्रधिकारी के द पर, प्रतिनियुक्त पर, नियुक्त किया जाता है।

> प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक (ई) कृते महानिदेशक।

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1975

सं० 29-7/74-सी० जी० एच० एस०-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने निम्नलिखित श्रधिकारियों को स्वास्थ्य सेवा महा--396GI/75 निदेशालय के श्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में उनके नाम के श्राग श्रंकित सारीख से श्रायुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है:——

1. डा० सूर्य प्रकाश	1	ग्रप्रैल,	1967
2. डा० (कुमारी) लिलतेश कश्यप	16	नवम्बर,	1973
<ol> <li>डा० रमाकान्त प्रग्निहोत्री .</li> </ol>	16	नवस्बर,	1973
4. डा० (श्रीमर्ता) संतोष श्ररोड़ा	16	नवम्बर,	1973
<ol> <li>डा० रवीन्द्रनाथ सिंह</li> </ol>	16	नवम्बर,	1973
<ol> <li>डा० श्रीकृष्ण दत्त शुक्ल .</li> </ol>	16	नवम्बर,	1973
<ol> <li>डा० रषुभन्दन प्रसाद साहू .</li> </ol>	1	मार्च,	1974

#### दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० 20/1 (26)/75-सी० जी० एच० एस०-1---केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से ग्रपने तथादले के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) सरोजनी निगम होम्योपैथिक चिकित्सक ने 11 ग्रक्तूबर, 1975 के ग्रपराह्म से पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 18 श्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर, में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

#### दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० 9-34/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० (श्रीमती) उर्मिला गौतम को 24 प्रश्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म से घ्रागामी घ्रावेशों तक इस निवेशालय के ध्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर, में घ्रायुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर (त्रवर्थ ग्राधार पर) श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> के० वेणुगोपाल, उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० 20/6 (2) 75 सी० जी० एच० एस०-1—-ग्रिधिसूचना सं० 20/6 (2)/75 सी० जी० एच० एस०-1, दिनांक 2 सितम्बर, 1975 में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी (तदर्थ) छ० पी० वर्मा राव के स्थान पर 'डा० पी० वैमा राव" पका जाए।

> के० वेणुगोपाल, उप निदेशक, प्रशासन कृत महानिदेशक।

#### नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० 16-42/74-मंडार-1—-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकीय चिकित्सा सामग्री मंडार डिपो, बम्बई के मंडार प्रधीक्षक, श्री एम० वी० तरूरकर को 6 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेशों तक चिकित्सा सामग्री मंडार संगठन के प्रधीन चिकित्सा सामग्री मंडार डिपो, बम्बई, में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर श्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह, उप-निदेशक, प्रशासन नई दिल्ली, दिन-क 2 दिसम्बर 1975

सं० 28-8/74-एडमिन-1—-राष्ट्रपति ने श्री एस० पी० श्रीवास्तव, को 29 श्रक्तूबर, 1975 से श्रागामी श्रादेशों तक क्षेत्रीय समन्वय संगठन, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, वड़ौदा, रूमें सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० 6-7/75-एडमिन-1--श्री मत्यपाल भंडारी ने 5 नवम्बर, 1975 के श्रपराह्म को केन्द्रीय श्रनुसन्धान संस्थान, कसौली, में लेखा श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक, प्रशासन ।

#### नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० 9-40/72-एडमिन-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पुरुषोत्तम ककरा को 1 श्रवत्वर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक राजकुमारी श्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में भौतिक शास्त्र के व्याख्याता के पद पर स्थानापन्न रूप रो नियुक्त किया है।

#### दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० 13-13/74-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने डा० बलराज सुर को 19 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक स्टाफ सर्जन (दंत चिकित्सा) (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 9-19/75-एडमिन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक ने राजकुमारी श्रमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, की क्लीनिकी श्रनुदेशिकाओं कुमारी श्रलेम्मा जौन तथा कुमारी सुजाना छोडा का सरकारी सेवा मे इस्तीफा 30 सितम्बर, 1975 के श्रपराह्म से मंजूर किया है।

मं० 1-14-70/एडमिन-1—प्रधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर श्रिखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान ग्रीर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, के समन्वय श्रिधकारी श्री एमं० ए० सम्पथकुम।रन 31 श्रक्तूबर, 1975 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 19-2/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री बी० वृष्णन् कौ 25 श्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक जवाहर-लाल स्नातकोसर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान सस्थान, पांडिचेरी में जीव-भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. जीव-भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर प्रपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री बी० कृष्णन् ने उसी संस्थान से 25 प्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न को भौतिकी के लेक्चरर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 9-33/72-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन एवं सतर्कता निदेशकः ने राजकुमारी श्रमृतकौर परि-चर्मा महाविद्यालय, नई दिल्ली, की क्लीनिकी श्रनुदेशिका श्रीमती एन० डी० तुल्ली, का सेवा से इस्तीफा 31 श्रक्तूबर, 1975 के श्रपराह्म से मंजूर किया है। स० 6-12/75-एडमिन-1—स्वारण्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय श्रनुसंघान संस्थान, कर्मोली के सहायक लेखा-श्रधिकारी श्री के० सोवरीणजुल, को उसी सरथान में श्री ए स० पी० भंडारी की छुट्टी रिक्ति में 18-8-75 से 20-9-75 तक लेखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> रवीन्द्र नाथ तिवारी, उप निदेशक, प्रशासन

## कृपि एवं सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग)

महाप्रबन्धक का कार्यालय, फरक्का बांध परियोजना फराक्का, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० पी० एफ० II/221/10911—श्री कर्मबीर सिंह को फराक्का बाध परियोजना, कृषि एवं सिचाई मंद्रालय (सिचाई विभाग) मे दिनाक 27 अगस्त, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए श्रस्थ यी सहायक अभियंता (याविव) के रूप में नियुक्त किए गए।

जे० एन० मंडल, महाप्रबन्धक फराक्का बांध परियोजना

## (ग्राम विकास विभाग) विगणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय नागपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

फा० सं० 74/15/72-विकास-I-भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा मुल्क श्रिध्सूचना सं० (1) एस० श्रार० श्रो० 3184, दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (2) 83 दिनांक 29 जुलाई, 196! (3) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 श्रोर (4) 157 दिनाक 22 जून, 1963 श्रोर बी० एस० श्रार०-904 दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त मिक्तयो का उपयोग करते हुए एतद द्वारा में ई० एस० पार्थसारथी, श्रुषि दिएणन स्ल हन्कार भारत सरकार इस निदेशालय के निम्नलिखित श्रिधकारियों को इस श्रिध्सूचना के जारी किए जाने की तारीख से सुगन्ध तेल श्रीर वनस्पित तेल, जिनका श्रेणीकरण समय-समय पर सभोधित सुगन्ध तेल श्रेणीकरण श्रीर चिह्नन नियम, 1954 श्रीर वनस्पपति तेल श्रेणीकरण श्रीर चिह्नन नियम, 1955 के उपबन्धों के श्रनुसार किया हा च्वा है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त श्रिध्सूचना के उपबन्धों के श्रिधन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिवृत्त करता है।

- (1) श्री एस० के० हलेजा, उप विश्वित विभूणन ग्रिधिकारी, अम्बर्ह।
- (2) श्री एन० पी० कांबले, सहायक विषणन ऋधिकारी, वम्बई।
- (3) श्री ए० के० शास्त्री, विषणन ग्रधिकारी, बम्बई।

ई० एम० पार्थसारथी, कृषि विषणन सलाहकार

## भाभा परमाणु श्रन्सधान केन्द्र (कामिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनाक 17 नबम्बर 1975

सं० पी० ए०/81 (123)/75-श्रार-4—भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री मधुसूदन रामचन्द्र नवरत्न को 1 श्रगरत, 1975 से श्रागामी श्रादेशो तक के लिए इसी श्रनुसन्धान केन्द्र भे वैज्ञानिक श्रधिकारी/६जीनियं श्रेणी एस० बी० नियुवत करते हैं।

#### दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० पी० ए०/81 (126)/75-आर०-4~--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी सहायक फोरमैंन और स्थानापन्न फोरमैंन श्री धीरज प्रभूभाई लाला को 1 अगस्त, 1975(पूर्वाह्म)से आगामी आदेशों तक के लिए ईसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानाएन रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर ग्रेड-(एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81 (126)/75-श्रार०-4---भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री सुभाष वासुदेव गोंगते को 1 श्रगस्त, 1975 (पूर्वाञ्च) से श्रागामी श्रादेशो तक के लिए इसी श्रनुसंधान केन्द्र मे स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इर्जान्य ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81 (128)/75-म्नार०-4--भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक म्रम्थायी ष्ट्रापटमन (ए०) मीर स्थानापन्न ड्रापटमेन (सी०) श्री परणुराम पुंडलिक सर्यंकर को 1 अगस्त, 1975 से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए उसी मनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, उप स्थापना श्रधिकारी (म०)

बम्बई-400085, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

स०14(90)/70-स्था०XIII/1046—भाभा परमाण् धनु-संधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा एक ग्रस्थायी मट्टन श्रीमती ए० चाको को भाभा परमाण् श्रनुसंधान केन्द्र मे एक मार्च, 1968 से मूल रूप से मेंट्रन के स्थायी पद पर (राजपतित श्रेणी II) नियुक्त करते हैं।

> सी० जे० जोसेफ, उप-स्थापना ग्रधिकारी।

## बम्बई-400085, दिनांक 2 दिसम्बर, 1975

सं० 5/1/75-स्वापना-5/42-भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा इस श्रनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित श्रिधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखे हुए पदो पर और कालो के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:---

ऋम	सं० नाम एवं पद		किस पद पर नियुक्त किए गए	स्थानापन्न नियुक्ति का काल	प्रायुक्ति
(	1) (2)	 	(3)	(4)	(5)
1.	कुमारी एच० बी० विजायकर प्रशासनिक स्रधिकारी-I	,	प्रणासनिक म्रधिकारी-II	18-11-74 से 18-7-75	प्रशासनिक अधिकारी-II श्री बी० पी० चोपड़ा के स्थान पर जिन्हें स्थानापन्न प्र० प्र० III/ उ०रथा० अधिकारी नियुक्त किया गया।
2.	श्री एन० जेकटपुत्रमर्शिषक सहायक कामिक स्रधिकारी	٠	प्रशासनिक श्रधिकारी-I	1 8-1 1-74 सें 1 8-7-75	कुमारी एच० बी० विज्य- कर के स्थान पर जिन्हें स्थानापन्न प्रशासनिक म्रिध- कारी-II नियुक्त किया गया।
3.	श्री गी० एम० मोकाशी श्राणुलिपिक (वरिष्ट)		सहायक कार्मिक श्रधिकारी	18-11-74 से १8-7-75	श्री वेकटसुब्रमणियन के स्थान पर जिन्हें स्थाना- पन्न प्रशासनिक श्रधि- कारी-1 नियक्त किया गया।

(1) (2)		(3)	(4)	(5)
4. श्री श्रार० एच० शण्मुखम प्रशासनिक ग्रधिकारी-I	, , .	प्रमासनिक म्रधिकारी-II	1 7-3-75 से 2 3-5-75	श्री वाई० सांबमूति प्रशा- सनिक ग्राधकारी-II के स्थान पर जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई।
5. श्री एन० एल० वेंकीटेश्वरन सहायक कार्मिक प्रधिकारी		प्रणासनिक श्रधिकारी-I	1 7-3-7 5 से 23-5-75	श्री भ्रार० एच० शण्मुखम के स्थान पर जिन्हे स्थानापन्न प्रशासनिक श्रिध- कारी-II नियुक्त किया गया।
6. श्री के <b>० एस० वाछा</b> नी सहायक		सहायक कार्मिक श्रधिकारी	20-1-75 से 23-5-75	कुमारी एस० गोपाल- कृष्णन सहायक कार्मिक श्रिधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी और श्री एन० एक० वेकी- टेग्वरन, सहायक कार्मिक श्रिधिकारी, जिन्हे स्थाना- पन्न प्रणासनिक ग्रिधिकारी- [ नियुक्त किया गया।
7. श्री पी० बी० बोर्कर सहायक		सहायक कार्मिक विधिकारी	21-7-75 सें 30-8-75	श्रो बों० बों० सहसुबुद्धे, सहायक कार्मिक ग्रीध- कारी के स्थान पर जिन्हें सचिवालय प्रशिक्षण ग्रौर प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली से चलाए गए सतर्कता पद्धति ग्रौर कार्यविधि के पंद्रहवें पाठ्यकम के
				िए नियुक्त किया गर 

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

## मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपक्कम-603102, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं 0 18 (60)/75-भर्ती-1307—- विद्युत् परियोजना इंजी-नियरी प्रभाग के निदेशक, परियोजना के श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी 0' श्री एस 0 कुमार स्वामी पेट्रो को 1 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से उसी परियोजना में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजी-नियर-ग्रेड 'एस 0 बी 0' नियुक्त करते हैं।

ए० इयप्पन, मु**क्**य प्रशासन अधिकारी

## भारी पानी परियोजनाएं बम्बई-400008, विनांक 19 नवम्बर 1975 ज्ञापन

सं भा । पा । प । स्थाप । । प्रार । -37 | 7580 — नियुक्ति पत्र सं । 05012 | 5 | 73, दिनांक 13 जून, 1973 जो उन्हें प्रेषित किया गया था, के खंड (II) की शतों के प्रनुसरण तथा ज्ञापन सं । 05000/म्रा०/37/को/तूती/396, दिनांक जुलाई, 7, 1973 का पैरा 3 भी इसके साथ पढ़ें, के म्रनुसार में इसके द्वारा श्री मृत्तु कृष्णन राजेन्त्रन, कारीगर 'सी०', भारी पानी परियोजना (तूती-कोरीन) को सूचित करता हूं कि इस नोटिस के प्राप्त होने या जिस माध्यम से भी उन्हें प्राप्त हो, के दिन से एक माह की भ्रवधि की समाप्ति पर उनकी सेवा समाप्त कर दी जायेगी।

उप स्थापना श्रधिकारी

#### दिनाक 1 दिसम्बर 1975

सं० 05000/ब्रार०-82/एच० डब्ल्यू० पी०/8070—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेषकार्य-श्रधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा नामकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थानापन्न सहायक, श्री राम निर्मलदास रामचन्दानी को नवम्बर 29, 1975 (अपराह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए, भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० भा पा प०/स्थाप०/1/सी०-5/8018—भारी पानी परियोजनाओं के, निशेष-कार्य-म्रधिकारी, भारी पानी परियोजना

्रोदा) के श्री सुधीर प्रभाकर चिद्धे, ग्रस्थायी पर्यवेशक (वास्तु)

ां, उसी परियोजना में श्रगस्त 1, 1975 (पूर्वाह्म) से ग्रागे
ादेश होने तक के लिए, वैज्ञानिक ग्रधिक री/ग्रभियता
(ग्रेड एस० बी०) की हैंसियत से ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते

सं० भा पा प०/स्थाप०/1/सी०-5/8019—भारी पानी परियोजनाम्यों के, विशेष-कार्य-म्राधिकारी, भारी पानी परियोजना बडौदा) के श्री विलास प्रभाजर कुलकर्णी, प्रस्थायी पयवेक्ष (वास्तु०) को, उसी परियोजना मे भ्रगस्त 1, 1975 (पूर्वाह्न) से ग्रागे आदेश होने तक के लिए, वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) की हैसियंत से श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति, यरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

## श्चन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्चन्तरिक्ष श्चनुसंधान संगठन अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380009, दिनाक 19 नवम्बर 1975

सं० एस क ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75— निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में आन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोपटवेयर प्रणाली ग्रुप मे श्री रमेश आर० आशेर को वैज्ञानिक/ इंजीनियर एस० बी० (फिल्म सम्पादक) के पद पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में २० 650/- प्रति मास के मूल वेतन पर दिनांक 29 सितम्बर, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक की अविध के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—निदेशक, ।।रतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में भारतीय अन्तरिक्ष उपयोग न्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० प्रस्तुति उद्घोषक) श्री लेमुअल हैरी का त्यागपत्र दिनाक 23 क्तूबर, 1975 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

#### दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-57/75—िनिदेशक, ारतीय अन्तरिक्ष अनुसधान संगठन में अन्तरिक्ष अयोग केन्द्र संचार क्षेत्र में वैज्ञानिक सहायक 'सी०' श्री डी० के० धर को दोस्नति पर इंजीनियर एस० बी० के पद पर ६० 650-30-740-5-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतनमान में ६० 680/ प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 0 अगस्त, 1975 से नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-57/75---- निदेशक, गरतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन मे अन्तरिक्ष उपयोग न्द्र के संचार क्षेत्र में वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री वी० सुकुमारन गे पदोन्नति पर इंजीनियर एस० वी० के पद पर रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान मे रु० 680/ प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 19 अक्तूबर, 1975 से नियुक्त करते हैं।

मेजर ग्रार० सी० सेमुश्रल (सेवानिवृत्त) प्रणासन श्रधिकारी-II

## पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० ई० (1) 0595—विधशालाश्रों के महानिदेशक, नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० दास को नवासी दिन की श्रवधि के लिए 17-11-1975 के पूर्वाह्म से 13-2-1976 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक्त श्री एस० के० दास 17-11-1975 के पूर्वाह्म से वेधशालाश्रों के महानिदेशक के नई दिल्ली मुख्य कार्यालय, में स्थानान्तरित किये गये हैं।

> एम० म्रार० एन० मनियन, मौसम विशेषज्ञ **कृतें** वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उन के नामों के सामने दी गई तारीखों से तथा श्रगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार सगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:——

ऋमांक	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1. श्रीर्ट		25-10-1975	ए० सी० एस०,
नटरा 2. श्री पं		(पूर्वाह्न) 1-11-1975	बम्बई। ए० सी० एस०,
मलि	-	(पूर्वाह्न)	संफदरजंग एयर-
			पोर्ट, नई दिल्ली ।
3.श्रीए	स० एस०	7-11-1975	ए० सी० एस०,
दत्त — —		(पूर्वाह्न)	कलकता। — -— — — —

विक्ष्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नगर विमानन

नई दिल्ली, दिनाक 5 दिसम्बर 1975

स० ए०-38012/1/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री टी० शिवशंकरन, क्षत्रीय नियंवक विमानक्षेत्र, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई को, उन को स्वीकृत छुट्टी की समाप्ति के पश्चात्, 20 नवम्बर, 1975 (श्रपराह्म) से मूल नियम 56 (ट) के उपबंध के श्रनुसार सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमित दी है।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 5 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/13/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० कृष्णास्वामी, सहायक सचार श्रिधकारी को श्री के० एस० कृष्णाम्त्रि की छुट्टी रिक्ति मे 29 श्रगस्त, 1975 से 15 नवम्बर, 1975 की श्रवधि के लिए क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर संचार श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

स० ए०-32013/4/75-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने तदर्थ श्राधार पर नक्तीकी अधिकारी के रूप में कार्यकर रहे निम्नलिखित सहायक तक तिकी अधिकारियों को 29 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्र) से तथा अगल आदेण होने तक रागर विभागन विभाग में नियमित श्राधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुवत किया है:—

- श्री एन० ग्रार० स्वामी
- 2. श्री एस० पी० हरदाम
- 3. थी आर० के० वर्मा
- 4. भी एस० कृष्णास्वामी
- 5. श्री जे० वी० शर्मा
- 6. भी ए० जी० नर्रासहन
- 7. 'शी ए० जगदीशन
- 8. श्री एस० जयरमण
- 9. श्री कें० कें० नारायण
- 10. श्री के० पी० बी० नायर
- 11. श्री बी० डी० गारेकर
- 12. थी एल० पी० सेमुश्रल

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

## केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा णुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 25 नवस्बर 1975

मि० सं० 11 (7) 5-स्था०/75—स्थापना मादेश सं०405/75 दिनांक 30-10-75 जो मि० स० 11(3) 43-स्था०/
75/एल०/63554-81 दिनांक 30-10-75 द्वारा पृष्ठाकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री डी० एन० गांगुली निरीक्षक (व० श्रे०), केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क को 650-30-74035-810-द० रो०-35-880-40-1000-दॅ० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भसों के गहिल के वेतनमान में प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में श्री छी० एन० गांगुली ने प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, मुगेर रेंज के रूप में दिनांक 14-11-75 के पूर्वाह्म में कार्यभार ग्रहण किया।

ह०/ (ग्रपठनीय) समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

चण्डीगढ़, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

#### सिमंदी

सं० 132—शी श्रवतार सिंह, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चण्डीगढ़, की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन कम० ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर श्रगले आदेश तक की गई है। उन्होंने अधीक्षक

श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क चण्डीगढ़ के पद का कार्यभार दिनांक 4-11-1975 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया है।

> बी० के० सेठ, समाहर्ता

## निरीक्षण निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई .दल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

मं० 15/75—केन्द्रीय उत्पाद णुल्क तम्बाकू टैरिफ समिति से वापस म्राने पर भौर 1-5-1975 से लेकर 31-7-1975 तक की म्राजित छुट्टी के समाप्ति होने पर श्री एस० एन० वर्मा ने, जिन्हें इस निदेशालय के दिनाक 29 जनवरी, 1974 के म्रादेश सं० 1041/3/71 (गोपनीय) द्वारा स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया था, दिनांक 1 म्रगस्त, 1975 से इस निदेशालय मे राहायक मुख्य लेखा अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

[फा० सं० 1040/28/73]

एम० एस० मेहता, **नि**रीक्षण निदेशक

## केन्द्रीय जल मायोग नई दिल्ली-22, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० क-32012/4/70-प्रशा०-5—इस श्रायोग की श्रधि-सूचना सं० क-32012/4/70-प्रशासन-5, दिनाक 4 जून, 1975 के कम में प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से निम्नलिखित यनुसधान सहायकों को सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन ग्रुप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल श्रायोग में ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-880-40-1000 ३० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्थ रूप में पुनः 4-11-75 रो 31-12-75 तक की श्रवधि के लिए श्रयक जब उक्त उस ग्रेड में पद नियमित श्राधार पर भरे नाएं, जो भी वहने हो, नियुवन करते हैं :—

- 1. श्री भ्रार० एस० भ्रानन्द
- 2. श्री एस० एस० सच्चर
- 3. श्री के० एन० नायर

कें० पी० त्री० मेना, पवर सचिव **कृते ग्र**ध्यक्ष, केन्द्रीय ज**ा श्रायोग**ा

प्रमुख इजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० 27-एस०/जी०(1)/69-ई० सी०-H—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित श्रधिकारी बार्बक्य की श्रायु प्राप्त

करने पर 30-11-1975 (भ्रषराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं:---

नाभ	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री	ने जिल्ला की करी
1. सी० पी० गोविल	. सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर श्रौर भूतपूर्व ग्रधीक्षक इंजीनियर, खाद्य भण्डार परिमाडल, नई दिल्ली-1 ।
2. एस० एन० मिलक	. कार्यपासक इंजीनियर, मूल्यन एकक नं० 2, ग्रायकर विभाग, कलकत्ता- 16
3. एन० जी० के० मूर्ति	. कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय सतर्कता स्रायोग में तकनीकी परीक्षक, नई दिल्ली के रूप में प्रतिनियुक्ति पर ।
4. एस० विष्वनाथन	. कार्यपालक इंजीनियर, खाद्य भण्डार म <sup>ृ</sup> डल, मद्रास ।
5. भ्रार० एस० जैन	. कायपालक इंजीनियर, (प्रशिक्षण), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली।

पी० एस० पारवानी, प्रशासन उप-निदेशक

कम्पनी कार्य विभाग कम्पनियों के रजिस्ट्।र का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रीर बेणाडु श्रम्रिकलचरल ग्रेईन कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनांक 24 नवम्बर 1975

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख ने तीन मास के श्रवसान पर वेणाडु अग्निकचरल ग्रेईन कम्पनी लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० एस० अन्वार, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल बस्पई-2, दिसांक 2 दिसम्बर 1975

कम्पनी अधितियम, 1956 ग्रीर होटल पेनेस अजटा प्रायवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 14573(560)(3)—-तम्पनी सिधितियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुभरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर होटल पेलेस अजहा आयवेट जिफिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गए। तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

दिनांक 3 दिसभ्बर 1975

कभ्पनी श्रिभिनियस 1956 एवं कोठारी निर्टण इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिसिटेड के विषय में ।

संव 14961/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदहरण सूचना दी जाती है कि कोठारी निटीग इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्ट्र से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

एस० नारायणन, कम्मनियों का श्रतिरिक्त रजिस्टार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर ईरट्रन डिस्ट्रिलारि प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं० 25225/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदहारा सूचना दी जाती है कि ईश्ट्रन डिस्ट्रिलारि प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्ट्रेंट में कार दिया गया है और उनत कम्पनी विश्वित हो गई है।

कम्पनी यधि।नयम 1956 याँ।र देशबन्दु काटल मिला कम्पनी का नाय लिमिटेड के विषय में ।

सं० 3868/560(5)—कम्पनी, अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि देणबन्दु काटन मिल्स निमटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त तम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर बेनारजी ईन्जीनियस् प्राईबेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 23723/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वेनारजी ईन्जीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिन हो गई है। कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर रोज मिनरलम एड आर्टम कं लिमिटेड के विषय में।

सं० 14669/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर रोज मिन-रलस एड श्रार्डम कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो राजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

### कम्पनी अधिनियम 1956 और वेगल वाईफान्केटेड राई-भेटम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 24996/550(3)-—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुमरण में एनद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के ग्रथसान पर बेंगल बाईफारकेटेड राईभेटम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

## कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर वेंगल रिथल पेन्ट एंड हाडवयार स्टोरा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 18746/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एदद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बेगल रिथल पेन्ट एंड हाडवयार स्टोस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

## कम्पनी श्रिधियम 1956 भ्रौर एमारेस्ट साईन कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 21820/560(5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि एमारेस्ट साईन कारपोरेमन प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी त्रिघटित हो गई है।

> एम० सि० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बगाल

मद्रास-6, दिनाक 3 दिसम्बर 1975

यत दिषण्मुग विलास्य दियेटर्स लिमिटेड 329/14 श्रंबलपुरि बजार राजा पलयम । (इन लिकुडिशन) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरीतिलेया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

श्रीर यत श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्त युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है श्रीर यह कि लेख विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छ समवता मास के लिये नहीं की गई है, ग्रत जब वम्पनी श्रधिनियम ? 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के श्रन मरण में एतदहारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन माम के श्रवमान पर दि षण्मुग विलास्प दियेटर्स लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो, रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पि० श्रन्नपूर्ना, कमानियो का रजिस्ट्र।र, मद्रास

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 स्रौर मेसर्स कोलोरेन्टेस प्राईदेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० 560/328 -- कमानी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स कोलोरेन्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, स्रहमदाबाद

संगठन श्रौर प्रबंधक सेवा निदेशालय (श्रायकर) नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1975

फ० सं० 9/808/74-सं० एवं० प्र०से०नि०/4142-संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (ग्रायकर) के कार्यालय श्रादेश संख्या 9/808/74-सं० एवं० प्रबंधक सेवा निदेशालय दिनांक 14-11-75 के श्रनुसार श्री एन० डी० बेरी ने संगठन श्रीर प्रबंधक सेवा निदेशालय (श्रायकर) नई दिल्ली में दिनांक 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह से प्रोग्रामर के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल, संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (श्रायकर) नई दिल्ली \_\_\_\_\_\_

#### प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर का कार्यालय जालन्धर दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 1408--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से श्रधिक है श्रीर जिसकी मं० जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 203, ग्रप्रैल 1975 में है तथा जो वालईम मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर-ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रधीन दिनाक भ्रप्रौल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत 'उक्त म्राधि-नियम' के म्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :—-3—396GI/75

- 1. श्री तेजा हिंस सुरुत्र प्यारा सिंह गांव बालईंग तहसील जालन्धर। (भ्रन्तरिक)
- 2. श्री पंजाब ग्राईरन ग्रौर स्टील कारपोरेशन प्राहवेट लिमिटेड गांव बालईंग तहसील जालन्धर द्वारा मेजर कृपाल सिंह (ग्रन्तिरती)
- 3. जैसा नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति, जो इस सम्पक्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे ग्रधोहस्तारी ज₁नता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूधी

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 203 प्रप्रैल, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रविन्द्र कुमार सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 17 दिसम्बर 1975। मोहर: प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०---

भामकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 1409—यतः, मुझे, रिवन्द्र कुमार, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 944, भ्रिपेल 1975 में है तथा जो चचोवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिश्ति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त ग्रिक्षिनियम' के भ्रम्बीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रब उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, भ्रषातः :--

- 1. श्रीमती लीला बती पत्नी इन्द्र सिंह जो फेर्द्र इन्द्र सिंह सुपुत्र लाल सिंह बासी चचोबाल तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मक्खन सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी रायपुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. ोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह त्यक्ति, जिन के बारे में ग्रधोहस्तारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 944, अप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> रविन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 17 दिसम्बर 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर दिन'क 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 1410---थतः, मुझे रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर का सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 945 श्रप्रैल 1975 को है तथा जो चचोबाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 190ध (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1975 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

(क) ध्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री गुरदित्त सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र शमशेर सिंह गांव चेचोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- 2. श्री बलदेव सिंह सुपुत्र जरनैल सिंह पुत्र बन्ता सिंह वासी रायपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई र्व्याक्त जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो, (वह व्यक्ति, जिन के बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को <mark>यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के</mark> लिए **कार्यवाहियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठिक नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्र्य द्वोगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूच।

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीइन्त विलेख नं० 945 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रविन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, जालन्धर।

दिनांक: 17 दिसम्बर 1975।

#### प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रापा 269-भ (1) के भ्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 1411—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भीर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 864 श्रप्रैल 1975 में है तथा जो रायपुर रस्लपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वाणत है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में 'रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल 1974 को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों), भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ध्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/यां
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्रोमती इन्द्रा गोकुल नाथ पुत्ती फेच गोलक नाथ मिशन कम्पाऊंड जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरनैक सिंह सपुत्र प्यारा सिंह सपुत्र जणमन सिंह वासी रायपुर रसूलपुर तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में स्वी रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 864 श्रप्रैल 1975 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 2975

#### प्ररूप आई० धी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 1412--यत. मुझे रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है ग्रीर जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 927 ग्रप्रैल 1975 में है तथा जो रायपुर रसूलपुर में स्थित है (श्रांर इसमे उपाबद्ध प्रनुसुची से भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तर के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:— (1) इन्द्रा गोलक नाथ पुत्री फेच गोलक नाथ मिशन कम्पाउड जालन्धर

(श्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह वासी रायपुर रस्लपुर तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 927 म्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश स० 1413--यत. मुझे रवीन्द्र कुमार द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिस की स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 444 श्रप्रैल 1975 है तथा जो रायपुर रसुलपुल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति विश्वास करने का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन करदेने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

पत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) इन्द्रो गोलक नाथ पुत्री फेय गोलकनाथ मिणन कम्पाउड जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी प्यारा सिह सपुत्र लक्ष्मन सिह वासी रायेपुर रस्लपुर तहसील जालन्धर ' (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रभाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख न० 444 श्रप्रैल 1975 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज कार्यालय जानन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 1414--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम,' कहा गया है), के ग्रधीन सक्षम 269-ख को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 377 श्रप्रैल 1975 है तथा जो वस्ती वावाखेल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध <mark>अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूत मे वर्</mark>णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल 1975 के उचित सम्पत्ति बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रोर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रश्रीत:-- (1 श्री वरिन्द्र सिंह सपुत्र चरणजीत सिंह सपुत्र नारायण सिंह वासी वस्ती बावाखेल जालन्धर

(ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्स महे लैंडस चौक ग्रड्डा होशियारपुर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (बह, व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में क्वी रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-कमें परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 377 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सून

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 1415--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 789 ग्रप्रैल 1975 में है तथा जो वस्ती दानिशमन्दा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसुची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

ग्रतः अव 'उन्त प्रधिनियम', की घारा 269-ग के ग्रन्सरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों श्रथीत :~~ (1) श्री सरवजीत सिंह सपुत्र मोहिन्द्र सिंह सपुत्र प्रेम सिंह वासी वस्ती दानणमन्दा जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स बलबन्त प्रदर्स वस्ती नौ जालन्धर (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हिया क**रता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--६ममें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रोकृत विलेख न० 789 प्राप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार मक्षम प्रश्चिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, जालन्धर

तारीखः 17 दिसम्बर 1975

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 1416—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ६० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5 श्रप्रैल 1975 में हैं तथा जो नकोदर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता गधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—396GI/75

(1) श्री चनन सिंह सपुत्र वन्ता वासीसोहस खख्द तहसील, नकोदर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल चन्द सपुत्र साधु राम वासी श्रलुक तहसील नकोदर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 17 विसम्बर 1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं ० ए-पी-1391---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भ्रोर जिस की सं० जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 982 भ्रप्रैल तथा जो जी० टी० रोड़ जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908) 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1975 को

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

म्रतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :--

- (1) श्री तिलोक चन्द सपुत्र श्री दीवान चन्द मार्फत श्री वधवामल हैब्ल्यु जी 249 इस्लामाबाद जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री विलोचन सिंह सपुत्र श्री प्रताप सिंह कपूरथला मार्फत श्री चरणजीत सिंह जी

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे हैं।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभीग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता है (वह व्यक्ति जिम के बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की ता कि से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं झर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 982 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 विसम्बर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० ए-पी०-1392--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 138 श्रप्रैल 1975 में है तथा जो मुहल्ला प्रेमगढ़ होशियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम, गा धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :--- (1) रन्जीत सिंह गुरबख्श सिंह सपुत वर्णन सिंह सैनी, मृहल्ला प्रेमगढ़, होशियारपुर

(मन्तरक)

- (2) श्रीमती गीला वती पत्नी चरण सिंह, सन्तोष सिंह सपुत्र चानन सिंह निवासी बम्बेली थाना माहिपुर, जिला होणियारपुर (श्रन्तरिती)
  - (3) जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तक्ष्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 138 म्रप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० ए० पी-1393---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, प्रायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधकारी को, यह जिम्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 650 और 771, 653 और 678, 654 और 770, 652 और 769 अप्रैल 1975 में है तथा जो आदर्श नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1975 को पूर्णिक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शेष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

प्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन भिम्मकिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री कृष्ण लाल, मदन मोहन धन्नन, हंप राज, हरबन्स लाल सपुत्र श्री महाला राम, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार, सन्तोष कुमार, सपुत्र श्री देस राज जैन, मिसिज चंचल जैन पत्नी श्री सुदर्शन कुमार श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री देम राज, 223, श्रादर्श नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हैं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 650 ग्रौर 771, 653 ग्रौर 678, 654 ग्रौर 770 ग्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एउ० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश न० ए० पी-1394--- तत मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से श्रिधिक है

मूल्य 25000/- रु० से अधिक हैं
और जिस की स० जैसा कि रजिरद्रीकृत विलेख न० 654 अप्रैल
1975 में हैं तथा जो आदर्श नगर जालन्धर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायं अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री इंस राज सपुत्र श्री महाला राम, निवासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मन्तोष कुमार सपुत्र श्री देस राज, 223, श्रादर्श नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी शरके पूर्वोश्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 654 अসल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार समक्ष श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 17 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप धाई०टी० एन० एस०----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश न० 1395---श्रत मुझे, रबीम्द्र कुमार, द्यायकर द्राधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है श्रौर जिस की स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 653 स्रप्रैल 1975 में है तथा जो ब्रादर्शनगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे अौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अप्रैल 1975 को को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **बुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण तिखिल में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

द्यतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) श्रद्योन, निम्निलिखित अ्यक्तियो अर्थात्:—

- (1) श्री मदन मोहन धवन संपुत्र श्री महाला राम, म्यू जवाहर नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती चचल कौर पत्नी सुदर्शन कुमार, न्य् जवाहर नगर जालन्धर (ग्रन्तरिती)
  - (3) जैसा कि न० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
  - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्धो धौर पदो का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 653 म्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 17 दिसम्बर 1975 मोहर . प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० ए-पी-1396--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया 269-खा के अधीन सक्षम की य**ह विश्वा**स करने का कारण है कि स्<mark>थावर सम्</mark>पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 652 ग्रप्रैल 1975 में हैं तथा जो श्रादर्श नगर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टी-कत्ती श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनु-सर्ण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-म की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

- (1) श्री हरबंस लाल मपुत्र महाला राम न्य जवाहर नगर, जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दुर्गादेवी पत्नी श्री देस राज जैन, 223, स्रादर्श नगर जालन्धर (स्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सबह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्स अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 652 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालंधर म लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्रकप आई० टी• एन• एस०----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० ए-पी-1397--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 650 भ्रप्रैल 1975 में है तथा जो भ्रादर्श नगर जालन्धर में स्थित है (भ्रीर इससे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रप्रैल 1975 को सम्पत्ति के उचित पूर्वोक्त मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, ग्रे, उक्त ग्रिधिनियम नी धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथील:—

(1) श्री कृष्ण लाल संपुत्र माहला राम धवन, स्यू जवाहर नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार जैन सपुत्र श्री देस राज, 223, श्रादर्श नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 650 प्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

तारीख: 17 विसम्बर 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० ए० पी-1398--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रधिनियम, (1961 का 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से म्रधिक है श्रौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 770 श्रप्रैल 1975 में है तथा जो श्रादर्भ नगर जालन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपायद धनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहमितिशत ग्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :---- 5--396GI/76

(1) श्री हंसराज धवन सपुत्र माहला राम, न्यू जवाहर नगर जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सन्तोष कुमार सपुत्र देस राज, ब्रादर्श नगर, जालन्धर (ब्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं॰ 2 में हैं (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिन रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भिधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 770 ग्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निवेश नं० ए० पी-1399--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त (1961 का 43) ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 769 भ्रप्रैल 1975 में है तथा जो भ्रादर्श नगर जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख भ्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-व की उपबारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्री हरवंश लाल सपुत्र माहला राम, निवासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गा देवी विधवा श्री देस राज, निवासी 223 श्रादर्श नगर, जालन्धर

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्वोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख न० 769 श्रप्रैल 1975 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख 17 दिसम्बर 1975 मोहर : प्ररूप प्राई∘ टी० एन० एस०----

भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश न० ए० पी---1400---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, 26**9ख** यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-% से श्रधिक है ग्रौर जिस की स० जैमा कि रजिस्द्रीकृत विलेख न० 771 अप्रैल 1975 में है तथा जो ग्रादर्श नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्री-कत्ती श्रधिकारी के कार्यालय,जालन्धर मे र्राजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्त्रविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम,' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपप्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीतृ:—— (1) श्री कृष्ण लाल सपुत्र श्री माहल राम जैन स्राफ न्यू जवाहर नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार संपुत्र श्री देस राज, 223, श्रादर्श नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन्य की भ्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ फिसी अन्य ब्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सके।

स्यब्दीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 771 अप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

36

#### मारत सरकार

## कार्यालय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० ए० पी~1401--यतः मुझे रबीन्द्र कुमार भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे **'उक्**स अधिनियम' इसमें इसके प्रभात गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्पए से श्रधिक है भ्रौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 678 श्रप्रैल 1975 में है तथा जो ग्रादर्श नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं ), रजिस्ट्री-कर्ता भाधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की चपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री कृष्ण लाल, हंस राज, मदन मोहन धवन व हरबन्स लाल सपुत थी महाला राम, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार जैन, सन्तोष कुमार सपुक्त श्री देस राज, श्रीमती घचल जैन पत्नी श्री सुदर्णन कुमार 223 श्रादर्ण नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति, संपत्ति में रचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है ) यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :-

लिए कार्यवाहियाँ करता हूं ।

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 煮1

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 678 श्रप्रैल 1975 को रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रबीन्द्र कुमार सक्षम अधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज, जालन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

ਰੇ :---

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, जालन्धर

निदेश सं० ए० पी०-1402--यत: मुझे, रवीन्द्र कुमार,

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

ध्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रोर जिस की स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०905, 948 भन्नील 1975, 1220 भीर1258 मई-1975 में है तथा जो शक्ति नगर जालन्धर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्दीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, मई 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (ध्रन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, भर्यात: — (1) श्री राजेन्द्र सिंह सपुत श्री अमर सिंह, कोठी तं० 196, शक्ति नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री किशन चन्द, रमेश चन्द्र, सुभाष चन्द्र सपुत्र श्री शिवां दिता मल, 196 शिक्त नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि न ० 2 में है। (वह न्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति केश्वर्णन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अन्सृची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 905, 948 श्रप्रैल 75 श्रौर 1220, 1258 मई---1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 17 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1402--- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000*∤*- रु० से म्रधिक **है** भौर जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 905 मप्रैल 1975 में हैं तथा शक्ति नगर जालन्धर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध भ्रनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारी**ख श्रप्रै**ल 1975 पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से म्रधिक है मीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से <del>उक्त ग्रन्तरण</del> लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही कियागया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री राजेन्द्र सिंह सपुत्र श्री श्रमर सिंह, 196, शक्ति नगर, जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री किशन चन्द सपुत्राश्वी शिवादिता मल, 21, श्राली मृहल्ला, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति मे रुचि रखता है (वह श्यक्ति, जिसकें बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त गब्दो श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 905 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा हु।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

सारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निक्षेंग सं० ए० पी०-1404--यतः मझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिस की सं० जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 948 ग्रप्रैल 1975 में है तथा जो ग्राली मौहल्ला जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उगावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक(अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के उायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: ग्रव उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित ब्यक्तियों, ग्रथीत :--- (1) श्री राजेन्द्र पिंह मुपुत श्री ग्रामर सिंह 196, शक्ति नगर जालन्धर

(श्रन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र सुपुत्र श्री शिवा दिता मल 21 माली मुहल्ला, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जसाकि नं० 2 ह

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त ग्रिश्वितयम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 948 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज जालैन्धर

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०-1405---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र०से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1220 मई 1975 में है तथा जो शक्ति नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता **ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1975 को के उचित बाजार सम्पत्ति मुख्य से कम पूर्वोक्त के लिए धन्तरित की गई दुक्यमान प्रतिफल है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है:---

- (क) अग्लरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्मिक्तियों भ्रयति:— (1) राजेन्द्र सिंह् सपुत्र श्री धमर सिंह्, 196 गक्ति नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र सपुत्र श्री शिवा दित्ता मल, 196 शक्ति नगर, जालन्धर

(ध्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं )

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1220 मई 1975 को राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 17-12-1975

(भन्तरिती)

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निर्देश नं ० 1406---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1258 मई 1975 में है तथा जो शक्ति नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्र**भिकारी के कार्यालय, जालैक्धर में रजिस्ट्रीकरण** श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास भरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा भ्रकट नहीं किया ग्याथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-हरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 6—396GI/75

- (1) श्री राजेन्द्र सिंह सपुत्र सरदार ग्रमर सिंह, 196 शक्ति नगर, जालन्धर (ग्रन्तरक) (2) श्री शाम लाल सपुत्र शिवा दित्ता मल, 196 शक्ति नगर, जालन्धर।
  - (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की म्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की म्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1258 मई 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रश्विकारी जालन्छर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर ।

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रुषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, जासन्धर

जालन्धर, तारीख 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०-1407---यतः मुझे रबीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1903 मई 1975 में है तथा जो कपूर पिन्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भिध-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः भव उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-परण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रर्शित :--- (1) श्री महिन्द्र सिंह संपुत्र श्री वेवा सिंह निवासी कपूर पिन्ड, जालन्धर

(मन्तरफ)

(2) श्री मलिकयत सिंह सपुत्र बलवन्त सिंह निवासी कपूर पिन्छ, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, खो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम, के श्रव्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 1903 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 17 दिसम्बर 1975

प्रसप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रमतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निदेश नं अमृतसर/ए० पी०-621/73-74--यतः मुझे वी० आर० सगर बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-स्त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका ्याजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो चमरंग रोड़ श्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुक्तसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई 1973 को पुर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिकल का पस्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप मे फवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अस उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्घात:—

- (1) श्री रतन सिंह, सोहन सिंह, हरनाम सिंह सपुत्न केहर सिंह तथा बसंत कौर पत्नी गुलजार सिंह, बकशीश सिंह सपुत्न श्री तेजा सिंह सपुत्न नारायण सिंह वासी तुंगपाई। (श्रम्तरक)
- (2) श्री जगीर सिंह सपुत्र बुरत सिंह, गुरबचन सिंह, हरदयाल सिंह सपुत्रान हरभजन सिंह, कोट बाबा दीप सिंह, श्रमृतसर। (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में हैं तथा जैसे एनेक्सचर 'ग्र' में हैं (पार्टी सम्मिलित)

#### एनेक्सचर 'ग्र'

- (1) श्री जयदीप सिंह सपुत्र रिजन्द्र सिंह, महीद भगत सिंह रोड़, प्रमृतसर।
- (2) श्री मनमोहन सिंह सपुत्र सुन्दर सिंह, णहीद भगत सिंह रोड़, श्रमुतसर ।
- (3) श्री जसबीर सिंह सपुत्र सुन्दर सिंह, शहीद भगत सिंह रोड़, श्रमृतसर।
- (4) श्री सुरबीर सिंह सपुत्र सुन्दर सिंह, शहीद भगत सिंह रोड़, श्रमृतसर।
- (5) श्रीमती कौणल्या वन्ती पत्नी सुन्दर सिंह, शहीद भगत सिंह रोष्ट्र, श्रमृतसर ।
- (6) श्री मनजीत सिंह सपुत्र भजन सिंह, 130 ग्रीन एवेन्यू, श्रम्तसर।
- (7) श्री प्रवीण सिंह सपुत्र भजन सिंह द्वारा गाडियन भजन सिंह, 130 ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर।
- (8) श्री श्ररिबन्द सिंह सपुत्र भजन सिंह द्वारा गार्डियन भजन सिंह, 130 ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर।
- (9) मैं सर्स नीलगरी टी कम्पनी द्वारा श्री हरदयाल सिह् भागीदार फर्म, कब्रिस्तान रोड़ बाहर घी मण्डी, श्रमृतसर (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को **धह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. उमरा सम्पत्तिके सम्बन्ध में कोई भी फ्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्होकरण:--इममे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

भूमि का प्लाट जैसा कि राजिस्ट्रीवृत विलेख न० 1373 जुलाई 1973 की राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रमृतसर में हैं।

बी० भ्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रमृतसर

तारीख: 15-11-1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए-5/ नासिक/ जुलैं 75/257/75-76—
यतः मुझे, एष० एस० औलख
धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
श्रौर जिसकी सं० गट नं० 103 है तथा जो गोवर्धन, जि० नासिक
में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत
ह, रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नासिक में, रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
5-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शेख उस्मान ग्रब्दुल रहिमान घ० क० 2500, पिंजारघाट, नासिक

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री दिलीप शशीकान्त ठक्कर (2) श्रीमती भानुमती हरिदास ठक्कर 'प्रभुवाडी', सेन्ट्रल बैंक के पास, भिवंडी, जि॰ थाना (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्र**र्जन** के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

बागायत शेत जमीन गट कि 103, गोबर्धन, त० नासिक, जि० नासिक क्षेत्रफल हैं० ग्रार० 2 65

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 10306 दि० 5-7-75 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा है)

> एच० एस० श्रोलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 19-12-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

मायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एल डी एच/सी/1331/75-76—यत: मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक हैं और जिसकी सं० बी-V/825 (पुराना नं० बी IV/1258) है तथा जो गंजी छप्पड़ो, लुधियाना में स्थित हैं(और इससे उपावद प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, श्रप्रल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना का खिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्त भविनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भविनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथांतः--

- (1) श्री जसवंत कुमार श्रहूजा, पुत्र डा० राम लाल श्रहूजा पलैट नं० 3, पहली मंजिल, हाईवे रोज सोसायटी प्राईवेट लिमिटेड, दीक्षत रोड़, विलेपारले ईस्ट, बाम्बे 57 (श्रन्तरक)
- (2) श्री कस्तूरी लाल मल्होत्ना मारफत मैं० के० एल० मल्होत्ना बेट गंज, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/3 भाग सम्पति नं० बी-V/825 (पुराना नं० बी-[V/1258) गंजी छप्पड़ी, लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 138 श्रप्रैल, 1975 की सब-रजिस्ट्रार लुधियाना (सी) के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, वण्डीगढ

सारीख: 15-12-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भा(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एल डी एच/सी/1332/75-76—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, चण्डीगढ़

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं बी०-V/825 (पुराना नं बी०IV/1258) ह तथा जो गंजी छपड़ी लुधियाना में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिकं है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रम 'उन्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उन्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-च की उपधारा के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- (1) श्री बिशम कुमार श्रहजा पुत्र डा॰ राम लाल भ्रह्नजा, 5/1, मिशन कम्पाउंड, झांसी रोड, लुधियाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री कस्तूरी लाल मलहोता मारफत मैं के एल मलहोता होजरी, बेट गंज, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त मन्दों भ्रौर पदों का, जो 'उन्त ग्रिधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/3 भाग सम्पत्ति नं बी-V/825 (पुराना नं बी-IV/1258) गंजी छपश्री, लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 139, मप्रैल 1975 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकास मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 15-12-1975

प्ररूप भ्राई०टी उएन०एस०---

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० एल० की०एच०/सी०/1333/75-76— श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं॰ बी-V/825 (पुराना नं॰ बी-IV/1258 है तथा जो गंजी छप्पड़ी लुधियाना, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1975 को

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रेल 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमीत्:---

- (1) श्री हरीश चन्द्र ग्रहूजा पुत्र डा॰ राम लाल श्रहूजा 5/1, मिशन कम्पाऊंड बेगम ब्रिज रोड़ मेरठ (यू॰पी॰) (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० एल० मलहोत्रा मारफत मै०के०एल० मलहोत्रा वेट गंज, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधम सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 भाग सम्पत्ती नं० बी-V/825 (पुराना नं० बी-IV/1258), गंजी छप्पड़ी लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 140 म्रप्रैल, 1975 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा हैं।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीय : 15-12-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० ध्रार० ए० सी० 207/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामण,

**प्रायकर** प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/ इ० से अधिक है और जिस की स० (गैंड्यूल में दी गई है) जो बुख्धी रेडी पालम और तुबुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुची रेडी पालम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्पेल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या पन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः धव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, 'उक्त धिधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के धिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- (1) श्री पोन्नालूर ऊषामा G. P. A. holder पी० कोडंडारामा रेडी बुच्ची रेडी पालम

(ग्रन्तरक)

(2) के० श्यामलमा पत्नी पुरुषोत्तम रेडी सन्यानालयाग एवेन्यू, मद्रास-28।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घ्रोर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची -

एस स्रोडी स्थल एस० नं० 80 सूखा 0.74 एकड़ एस० नं० 80 कच्चा 2 • 00 एकड एस० नं० 76/1वी सूखा 1.01 एकड़ एस० नं ० 76/1बी कच्चा 1.08 एकड़ बुची रेडी एस० नं० 82 सूखा 2.48 एकड पालम गांव में 82 सुख्या /टी० जे० 25 एकड 292 कच्चा 2.98 एकड़ एस० नं० 83/1 श्रीर 86 सूखा 1.00 एकड़ (दुबुर गाव में)

> के० एस० वेंकटरामण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 16/12/1975

प्ररूप आई०टी०एन० एस०---

न्नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेण सं० ए० सी० क्यू० 23-1-612(246)/1-1/75-76
---यश: मुझे, जे० क्यूरिया, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० सर्वे नं० 224, प्लाट नं० 100 है, जो जामनगर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
9-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त प्रिविषम की घारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 7—396GI/75

- (1) श्री पुरुषोत्तम दास वंश्लमराम पटेल 13, ब्रह्मक्षत्रीय सोसायटी, पालड़ी, श्रह्मदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) (i) जयाबेन वन्लभभाई, धोरा जी
  - (ii) जयाबेन सवजीभाई, जामनगर हाथी कालोनी
  - (iii) हंसराज श्रम्बाभाई, जामनग्र

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसू**ची**

एक भ्रचल सम्पत्ति जिस का सर्वे नं० 224, तथा प्लाट नं० 100 है, और जिसका क्षेत्रफल 6240 वर्ग फुट है, भ्रौर ो जामनगर में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 18-12-1975 मोहर: प्रकृप आई० टी० एन० एस०⊸

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली−1
4/14-ए० श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली−1, दिनांक 9 धिसम्बर, 1975

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2152(951)/75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एस० प्रग्रवाल, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1-1026, गली तेलिग्रन, फाटक हवाण खान, खारी बावली, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रीर इसबसे उपावश ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन 18-6-75 को प्रवीवत सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के

कां। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पापा गया प्रतिफल, निम्न-जिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीय निम्नलिखित व्यक्तियों श्रवीत्:—

- श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री राम देव, निवासी 114-डी, कमला नगर, दिल्ली-1 (श्रन्तरक)
- श्रीमती सुशीला गगराना, पत्नी श्री सुरेश चन्द्र गगराना, निवासी 1026, गली तेलिश्चन, फाटक हवाश खान, दिल्ली~1 (श्रन्तरिती)
- 3. मैं श्रवरण ट्रेंडिंग कं० (2) श्री शिक्ष राम (3) श्री मन-मोहन सारूप विजय कुमारी (4) मैं ० हिमालयास डाईस कारपोरेशन, सभी निवासी 1026, फाटक हबाण खान, खारी बावली, दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी खन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्र**नुसूची**

1 1/2 मंजिला मकान 103 वर्ग गज पर बना है स्रौर नं० 1/2-1026 (प्राइवेट नं० 12) है तथा जोकि गली तेलिस्नन, फाटक हबाश खान, खारी बावली, वार्ड नं० 3, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वः रोड् पश्चिमः गली।

उत्तर: दिवार तथा घ्रन्य जायदाद। दक्षिण: श्री सुरेण चन्द की जायदाद।

> एस० एन० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर झायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 9 दिसम्बर, 1975 मोहर:

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़ नई दिल्ली। नई दिल्ली-1, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निर्वेष सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/11/2163(950)/75-76-यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 2659, वार्ड नं० 12 है, जो बस्ती पंजाबीश्रन सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जोध सिंह कोहली, सुपुत्र चौ० जैय सिंह, निवासी 2659, बस्ती पंजाबिग्रन, सब्जी मंडी, दिल्ली-1 (धन्तरक)
- 2. श्री सालेक चन्द जैन, सुपुन्न श्री बारू मल, निवासी 2659, बस्ती पंजाबियन, सब्जी मंत्री, दिस्ली-1 (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उदत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: - इसमें प्रयुक्त शन्दों झौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो कि 220 वर्ग गज जमीन पर बना है ग्रीर नं० 2659, वार्ड नं० 12 है तथा जोकि बस्ती पंजाबिश्रन सब्जी मंडी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: जायवाद नं० 2660 तथा गली।

पश्चिम : जायदाद नं० 2658

उत्तरः जायदाद नं० 2659 का बाकी बचा भाग।

दक्षिण: जायदाव नं० 2657।

एस० एस० एस० अग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 9 दिसम्बर, 1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंजं 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975 निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/11/2066(949)/ 75-76---यतः मुझे एस० एन० एल० भ्रग्रवाल म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक श्रीर जिसकी सं० 10/1562 है, जो सूईवालन, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन 31-5-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गर्या है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- "(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- ् अति: ग्रेंब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. श्री मुख्य राज, सुपुत्र श्री रूप चन्द, निवासी 3285, दिल्ली गेट, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री नासीरुद्दीन (2) जाहीरुद्दीन (3) हाजीजूद्दीन
   (4) राहीसुद्दीन (5) रिम्नाजूद्दीन, सारे निवासी 1562, सूई-वालान, दिल्ली-1 (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रंविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 60 वर्ग गज पर बना है और नं० 10/1562 है तथा जोकि सूईवालन, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 9 दिसम्बर, 1975

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1 4/14-ए म्रासफ म्रली रोड नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/11/1962(945)/ 75-76-यत., मुझे, एस० एन० एल० श्रप्रवाल श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं 17 का 1/2 भाग है, जो मोतिया खान, उम्प स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है गौर यह कि भन्तरक (ग्रन्तरको) और भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत् :--

- श्री पी० ग्रार० लूथरा, सुपुत्र श्री हािकम राय, निवासी
   3994, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (जरनल ग्रटारनी)
   श्री पी० सी० खन्ना, सुपुत्र श्री राय बहादुर देवी चन्द खन्ना, नं०
   17, मोतिया खान, नई दिल्ली।
   (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० लख्नमन सिंह हरनाम सिंह, श्री हरनाम सिंह (हिस्से-दार के द्वारा) (2) मैं० जगत सिंह गुरचरण सिंह, श्री जगत सिंह (हिस्सेदार के द्वारा) निवासी 17, मोतिया खान, डम्प स्कीम, नई दिल्ली-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यचाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की धारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ढ़ाई मंजिला बिल्डिंग का 1/2 भाग जोकि 256.22 वर्ग गज पर बना है (कुल क्षेत्रफल 512.44 वर्ग गज) है श्रीर न० 17 है, तथा जोकि मोतिया खान में डम्प स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है.—-

पूर्व: प्लाट् नं० 16-ए,

पश्चिम: रोड़ 20' उत्तर: प्लाट नं० 18 दक्षिण: रोड़ 30'

> एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9 दिसम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस---

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड्, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निर्बोश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० /11/1962 (944)/75-76--यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है प्रौर जिसकी सं वं 17 का 1/2 भाग है, जो मोतिया खान, उम्प स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री पी० भार० लूबरा, सुपुत्र श्री हाकिम राय, निवासी 3994, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (जरनल भटारनी) श्री पी० सी० खन्ना, सुपुत्र श्री राय बहादुर देवी चन्द खन्ना, नं० 17, मोतिया खान, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- 2. श्री चरण सिंह, सुपुत्र श्री साधू सिंह, निवासी-टी०-5151,गुकतेग बहादुर नगर, मोतिया खान, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, ो उस ग्रध्याय-में दिया गया है।

# वनुसूची

ढ़ाई मंजिला बिल्डिंग का 1/2 भाग 256.22 वर्ग गज पर बना है (कुल क्षेत्रफल 512.44 वर्ग गज) है और नं० 17, है तथा जोकि मोतिया खान, उम्प स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: प्लाट नं० 16-ए, पश्चिम: रोड़ 20' उत्तर: प्लाट नं 18 दक्षिण: रोड़ 30'

एस० एन एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन, रेंज 1, दिल्ली-1
4/14-ए, भ्रासफ मली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० बाई० ए० सी०/एक्यू०/11/1970(943)/75-76-यत:, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 857 तथा 858 (नया) है, जो शीश महल, बहादुरगढ़ रोड़, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और यह कि वन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयशर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना भादिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मत 'उन्त मिविनयम' भी वारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिविनयम की वारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित न्यक्तियों, मर्यात :---

- 1. श्री खेम चन्द, सुपुत्र श्री तोपन दास, बाटला, निषासी 857, शीश महल, बहाबुरगढ़ रोड़, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री वैश बराहसैनी समा, दिल्ली 7/6, सिंह सभा रोड़, सब्जी मंडी, दिल्ली-1 श्री सुनहरी लाल ग्प्ता, सुपुत्त श्री जैय शंकर के द्वारा, निवासी 7/6, सिंह समा रोड़, सब्जी मंड़ी, दिल्ली (प्रेजी-डेन्ट) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ख्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत श्रीक्षितयम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्च होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बुमंजिला मकान जिसका पुराना नं० 955, 956 है श्रौर नया नं० 857 तथा 858 है जिसका क्षेत्रफल 177 वर्ग गज के करीब है तथा जोकि गली शीश महल, बहादुरगढ़ रोड़, वार्ड नं० 13 दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: मकान नं० 855 तथा 856

पश्चिम: मकान नं० 859

उत्तर: जायदाद नं० 851 तथा 853

वक्षिण: गली शीश महल।

एस० एन० एल० अग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

विनांक 9 दिसम्बर, 1975 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनाक 9 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1881(942)/ 75-76--यत: मुझे, एस० एन० एल० म्राग्रवाल,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1203 तथा 1205 है, जो शीश महल, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 5-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत ग्रिश्वित्यम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उंससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:--

- अी चमन लालं, सुपुत्र चाटू मल, निवासी 757, शीश
   महल, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सरवन कुमार श्रजवानी, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल अजवानी, निवासी 8/28, रामेश नगर, नई दिल्ली-15 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पों का, जो उक्त ग्रिश्चित्यम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है!

### अनुसूची

तीन दुकाने जिनके नं० 1203 से 1205 है जोकि निम्न मंजिल पर बनी है तथा जिनका क्षेत्रफल 55 वर्ग गज है तथा जोकि शीश महल, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : जायदाद नं० 1202। पश्चिम : जायदाद नं० 1206। इत्तर : जायदाद नं० 757 से 759।

विक्षण: अहादुर गढ़ रीड़

एस० एन० एल० श्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विस्ली,

तारीख: 9 दिसम्बर, 1975

## प्ररूप० प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्प्० ।/एक्प० ध्रार० 3/ध्रप्रैल-1 /705(29)/75-76--यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते ध्रायकर घ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 श्रुख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० ने घ्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० सी-33 है, जो निजामुद्दीन (पूर्व) नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावख ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत

ग्रौर जिसकी सं० सी-33 है, जो निजामुद्दीन (पूर्व) नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च।हिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—— 8--396 GI/75

- श्री सत प्रकाश सूद पुत्र श्री रूप लाल सूद निवासी 11
   लोबर व्लैट कालेज रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० ज ० भ्राई० हार्किन कपट्स द्वारा मैनेजिग सहायक श्रीमती राजिन्दर एस सिंह पत्नी श्री शमशोर सिंह निवासी सी-33 निजामुद्दीन, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

सभी खरीदारी के श्रिधिकारो सहित जमीन का प्लाट नं० सी-33 ईस्ट निजामुद्दीन नई दिल्ली में जो कि 200 वर्ग गज जमीन पर एकमंजिला बना है श्रीर सभी प्रकार के साज सामान सहित है।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,

दिनांक 17 दिसम्बर, 1975 मोहर: प्रकप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीय रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनाक 16 दिसम्बर 1975

निर्देश सं श्राई ०ए० सी ० | एक्यू ० | 11 | 2007 | 970 | 75-76 यत:, मुझ, एस० एन० एल० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 64 गोखले मार्किट, है, जो तीस हजारी

भ्रोर जिसकी सं दुकान नं ० ६4गोखले मार्किट, है, जो तीस हजारी कोर्ट के पीछे, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित न न किया गया है .--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबन जक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अनः, अब उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथति :--

- 1. श्री सतनाम सिंह, सुपृत्न श्री हरनाम सिंह, निवासी 300-ए, एम० सी० दिल्ली, श्रलवर रोड़, गुड़गांव कैंन्ट (2) श्री हरनाम सिंह, सुपुत्न श्री हरी सिंह, निवासी 300-ए, एम० सी० दिल्ली, श्रलवर रोड़, गुड़गांव कैंन्ट ा (श्रन्तरक)
- 2. श्री साधू सिंह, (2) पूरण सिंह, सुपुन्न श्री हजूरा सिंह, 596/35, सुभाष नगर, गान्धी नगर, दिल्ली 31 (श्रन्तरिती) को यह सूचना श्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्झ में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे ।

स्मन्दीकरण: ---इसमे प्रयुक्त गक्यों और पदों का जो उक्त स्रिधि-नियम के स्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रन्युची

दुकान नं० 64, जोिक गोखले मार्किट, यू कोर्ट, तीस हजारी के पीछे, दिल्ली मे बनी है जिसका क्षेत्रफल 563 वर्ग फुट है, दसमें से 2/3 भाग निम्न मंजिल का है तथा 1/3 भाग पहली मजिल का है ग्रीर जोिक निम्न प्रकार से घिरा है।

पूर्वः दुकानं न० 63

पश्चिम : एम० सी० डी० का खुला मैदान । दक्षिण : एम० सी० डी० का खुला मैदान ।

उत्तर: रोड़।

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---आवभर अधिनियस, 1961 (1961 ना 48) की द्यारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 11/969/75-76--यत: मझे, एस० एन० एल० भ्रग्नवाल,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० टी/907-8 है, जो ग्रार्य नगर, किशन गंज, दिस्ती में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भन् सुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-5-1975

को पृत्रोंमस सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इण्यमान प्रतिफल के पन्द्रइ प्रतिमात से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने मे सुविधाके लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हे भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 軒 11) या उनत अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए षा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयीत :---

- 1. श्रीमती ग्यान देवी, पत्नी श्री राम चन्द, टी-907-8, श्रार्या नगर, किशन गंज, बाग राश्रोजी, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राम प्यारी, पत्नी श्री नन्द लाल, 8952/14, शीदीपूरा, करौल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम् सी

एक मजिला सकान जोकि प्लाट की भूमि पर बना हम्रा है जिसका क्षेत्रफल 101 वर्ग गज है श्रीर जोकि टी-907-8, श्राया नगर, किशन गंज, विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : जायदाद नं० टी० 905--6 पश्चिम: आयदाद नं० टी 909

उत्तर: रास्ता

दक्षिण: डी० सी० एम० की दीवार

एस० एन० एल० भ्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 दिसम्बर, 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1976(968)/75-76--यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 5 है, जो बेला रोड़, सिविल लाइन्स दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंथ उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:—

- 1. श्री एस० के० बर्मन, सुपुत्र श्री जगन्न नाथ दास वर्मन, जोिक श्रीमती गोिबन्दो देवी के जनरल एटारनी है, पत्नी श्री स्व० श्री जगन्न नाथ दास बर्मन, निवासी 27/80, मातेश्वरी धाम, दुर्ग कुन्द, वाराणकी (यू० गी०) (अन्तरक)
- श्री चून्नी लाल, सुपुत्र श्री मुकंदी लाल, 460-461, चांदनी चौक, दिल्ली-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

कोठी नं० 5, जिसका क्षेत्रफल 1760 वर्ग गज है तथा जोकि बेला रोड़, सिविल लाइन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:—— पूर्व: मन्दिर तथा ग्राश्रम।

... पश्चिम : सर्विस लेन उत्तर : कोठी नं० 3 दक्षिण : कोठी नं० 7

> एस० एन० एन० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज~1, दिल्ली, नई दिल्ली~1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत गरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 दिसम्बर, 1975

निर्देश स० श्राई० ए० सीं०/एक्यु०/11/1947 (967)/75-76---यतः मृझे, एस० एन० एल० अप्रवाल, आयकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है श्रीर जिसकी स० 1546 वार्ड न० 10 है, जो सूईवाला, बाजार चितली कबर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रति-गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त श्रिधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे चवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:—

- श्री मनोहर लाल, सुपुत्र एल० राम लाल, नित्रासी 1546, बार्ड नं० 10, मोहला मूईवाला, बाजार चितली कवर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुनील कुमार भाड, स्पुत्न श्री सोम नाथ भाड, निवासी 1546, वार्ड नं० 10, सूईवाला, बाजार चितली कबर, दिल्ली। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओ।:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों को जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दमजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर बना हुआ। ह जि त्का अल्लाट र 195 वर्ग गज है और म्यूनिसिपल नं व 1546, बाई नं व 10 है तथा जोकि गली कोटाना, सूईवाला मोहल्ला, बाजार चितली कबर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: जायदाद न० 1545

पश्चिम: जायदाद नं० 1558⊷1559 उत्तर---जायदाद नं० 1545-1560 दक्षिण: जायदाद नं० 1548-1555

> एस० एन० एल० प्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 15 दिसम्बर, 1975 मोहर त्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज−2, दिल्ली−1 4/14-ए, भ्रासफ म्रली रोड, नई दिल्ली ।

म् 14-ए, आस्तु असा राउ, गर् प्रस्ता । नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1975

निदेम संज्याई० ए० सी०/एक्यू०/11/3222/966/75-76
---यतः मुझे, एस० एन० एल० मग्रकाल
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ६० से प्रधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 424 है, जो धारोली गांव, शाहदरा

ग्रौर जिसकी सं वसरा न 424 है, जो धाराला गाव, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन भर्मेल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रघीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भाषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अन उकत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री चैत राम (2) पिल्लो राम (3) लिखी राम, सुपुत श्री भीखन, निवासी घारोली गाव, इलाका माहदरा, दिल्ली-32 (भन्तरक)
- 2. श्री कंवर अनिल कुमार खुराना, सुपुत्र श्री भनन्त राम खुराना, निवासी 36, दरिया गंज, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा तथा 18 बिसव है, खसरानं० 424 है तथा ओकि घारौली गाव, इलाका शाहदरा दिल्ली—32 में स्थित है।

> एस० एन० एल० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीख**: 15 दिसम्बर, 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए, श्रासफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1975(965)/ 75-76--यत: मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्रवाल, ग्रधिनियम, (1961 का 43) 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 4125 तथा 4129 का 1/4 भाग है, जो बुरु बसशान रोड़, (शरदानन्द मार्ग), दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 30-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से माभित नही किया गमा है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मै उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत :---

- 1. श्री सोहन सिंह जोली, मुपुत्र स्व॰ श्री एल॰ मलीक राम जौली, 1, मल्का गंज, दिल्ली--7। (श्रन्तरक)
- मै० न्यू सूरज ट्रान्सपोर्ट कं० (प्रा०) लि०, 4126, बुरु बसणन रोङ, (णरदानन्द मार्ग) नया बाजार, दिल्ली-6 (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यका-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ढ़ाई मंजिला मकान का 1/4 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्रफल 176 वर्ग गज है पर बना है स्नौर नं० 3/4125 तथा 4149 (न्यू) है स्नौर जोकि बुरु बसमन रोड़, मरदानन्द मार्ग, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व : बाजार पश्चिम : रोड़

उत्तर: जायदाद न ० 3/4126

दक्षिण: जायदाद

एस० एन० एन० ग्रमशाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-2, दिल्ली-1

4/14ण, श्रासफ अली रोड केन्द्रीय राजस्त्र भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु० /11/1884/964/75--76——यतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्नवाल,

भायकर भ्रधिनियम्, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० 6, रोड न० 52 का 1/2 भाग है, जो पजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 3-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रबति :—

- श्री चमन लाल, मृपुत्र श्री दरगाए दास, 1/13, पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय श्री सुजान सिंह, विरक्षी, द्वारा 52/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—- उसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रांर पदो का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही भ्रष्टें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

श्रीधा श्रिवभाजित भाग जोकि फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर है जिसका प्लाट न० 6, रोड न० 52 है श्रीर जोकि क्लास 'बी' में हैं, कुल क्षत्रफल 1054 7 वर्ग गज (1/2 भाग का क्षेत्रफल 527.37 वर्ग गज) है तथा जोकि पजाबी बाग, दिल्ली क्षेत्र के गाव बसाए दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लाट न० ४9-ए पण्चिम: जायदाद न० 8 उत्तर: रोड न० 52 दक्षिण: सर्विस लेन।

> एम० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 दिसम्बर, 1975

हर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-2 दिल्ली-1
4/14ए, भ्रासफ भ्रली रोड नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1887/963/75-76-यतः मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6, रोड़ नं० 52 का 1/2 भाग है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1075 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम, के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर झिंबिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंबिनयम, या धन कर झिंबिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रतः अब उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्यात् :— 9—396GI/75

- 1. श्री राम प्रकाश, सुपुत्त श्री दरगाए दास, निवासी दुकान नं० 185 (तीसरी मंजिल), कोची मार्किट (मंडी), काबुल (ग्रफगानिस्तान), इनके जनरल पावर ग्राफ ग्रटारनी श्री घमन लाल, सुपुत्त श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, पुराना रजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी स्व० श्री सुजान सिंह विरधी, द्वारा 52/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्राधा प्रविभाजित भाग जोकि फ्रीहोल्ड प्लाट की भूमि पर है जिसका प्लाट नं० 6, रोड़ नं० 52 है ग्रीर जोकि क्लास (बी०' में है, कुल क्षेत्रफल 1054.7 वर्ग गज (1/2 भाग का क्षत्रफल 527.37 वर्ग गज) है तथा जोकि पंजाबी बाग, दिल्ली क्षेत्र के गांव बसाए दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं॰ 49-ए पश्चिम : जायदाद नं॰ 8 उत्तर : रोड़ नं॰ 52ी दक्षिण : सर्विस लेन।

> एस० एन० एल० श्रमवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 15 दिसम्बर, 1975 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14ए, श्रासप श्रली रोड नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2000(954)/75-76--यतः मुझे, एस० एन० एन० श्रग्रवाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू० से श्रीधक है और जिसकी सं० 30-वी/78 का 1/2 भाग है, जो पंजाबी वाग, दल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीक्ती श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार धन्तरित की गई है श्रीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (धन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिएतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या भ्रनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ना के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ना की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-

- 1. श्री मदन लाल खन्ना, सुपुत्र श्री लाल चन्द खन्ना, 74/2, जनपथ, नई दिल्ली (एच० यू० एफ० का करता) (श्रन्तरक)
- 2. श्री मानासिंह, सुपुत्न श्री जवाहर सिंह (2) एस० सुन्दर मिंह (3) एस० गुरुवछ्श सिंह, सभी सुपुत्न श्री एस० माना सिंह, सभी निवासी ए-7/5, राना प्रताप वाग, दिल्ली। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़िन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/2 स्रविभाजित भाग जिसका प्लाट नं० 30-वी/78 है स्प्रौर 1/2 भाग का क्षेत्रफल 2255.55 वर्ग गज है तथा जोकि पंजाबी बाग, नई दिल्ली, बसाए दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : प्लाट नं० 30 ए पश्चिम : प्लाट नं० 30-सी उत्तर : मुख्य सड़क न० 78 दक्षिण : सर्विस लेन।

> एस० एन० एन० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ताराख: 15 दिसम्बर, 1975

प्ररूप--आई० टी० एन० एस०---

न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1
4/14ए, श्रासफ ग्रली रोड नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1975

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एवपू०/11/2093/961/75—76—यत: मुझे, एस० एन० एल० अप्रवाल, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिसकी सं० एफ-27 का 1/2 भाग है, जो वाली नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-6-1975

के उचित को पूर्वोक्त सम्पत्ति वाजार प्रतिफल के लिए अन्तरित कम के दुश्यमान गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक हैं। श्रीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम,' या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उन्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उन्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:-

- 1. श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, एम-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश मोहन कापुर, सुपुत्र श्री दोलत राम, बी-56, डबल स्टोरी, रामेश नगर, नजफ़गढ़ रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान का आधा पिश्चिम भाग जोकि प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० 'एफ' पर बना हुआ है, श्रोर जोकि वाली नगर कालांनी, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली मेहै तथा क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

पूर्व: एफ-27 का बाकी भाग। पश्चिम: प्लाट न० एफ-28

उत्तर: रोड़

दक्षिण: सर्विस लेन।

एस० एन० एल० श्रम्भवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीख: 15 दिसम्बर, 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर श्रिधनियम, 196 1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 4/14-ए, आसफ श्रली रोड, नई दिल्ली (नई दिल्ली,, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

निर्दोश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०/11/2093/960/75--76/ यतः मुझे, एस० एन०एल० धग्रवाल,

ग्रधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से ध्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० एफ 27 का 1/2 भाग है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनयम, या धनकर मिधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भयीन, निम्निसिति व्यक्तियों, भर्यात् :---

- 1. श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, एम-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश मोहन कापुर, सुपुत श्री दौलत राम, वी--56, डबल स्टोरी, रामेश नगर, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान का ग्राधा पूर्वी भाग जोकि प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० एफ पर बना हुआ है, भीर जोकि बाली नगर कालोनी, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य ,दिल्ली में है तथा क्षेत्र-फल 200 वर्ग गज है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

पूर्व: प्लाट नं० एफ 26 पश्चिम: प्लाट नं० एफ 27

उत्तरः रोड़ ४क्षिणः सर्विस लेन।

> एस० एन० एस० अभ्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 15 दिसम्बर, 1975 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन• एस•----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज -2, दिल्ली-1

4/14ए, ग्रासफ भ्रली रोड, केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/11/2105/957/75-76-यतः मुझे, एस० एन० एल० भ्रग्नवाल म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 42-ए/78 का 1/5 भाग है, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के भ्रधीन,

10-5-1975

पूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफ़ृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: मन 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उन्त प्रधिनियम,' की घारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:

- 1. श्री भ्रशोक कुमार कक्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, राजिन्द्र नगर, दिल्ली (स्थयं के लिए तथा अपने भाई के लिए जरनल पावर माफ मटारनी श्री सुरेश कुमार कवकर, सुपुन्न श्री वरगाए दास, निवासी 183/5, कोसी मार्कीट, काबुल (भ्रफगानि-
- 2. श्री हरी सिंह सुपूज श्री संत सिंह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय यथापरिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्याय में विया गया है।

## अनुसूची

1/5 भाग फ्रीहोस्ड भूमि का जिसका न० 42-ए रोड़ नं० 78 है भीर जोकि क्लास 'ए' में है भीर जिसका क्षेत्रफल 2072.22 वर्ग गज है तथा जोिक पंजाबी बाग कालोनी बसाए दारापुर गांब, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :--

पूर्वे:प्लाटनं० 42 । पश्चिम: प्लाट नं० 4.4

उत्तर: रोड़ नं० 78

प्रक्षिण: सर्विस लेन।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1 4/14ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनाक 16 दिसम्बर, 1975

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2100/958/75-76-यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया

है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी स॰ 42-ए/78 का 1/5 भाग जो पजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिम्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औं मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- 1. श्री श्रणोक कुमार कश्कर सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, राजिन्द्र नगर, दिल्ली (स्वय के लिए तथा श्रपने भाई के लिए जनरल पावर श्राफ एटार्नी श्री सुरेश कुमार कक्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 183/5 की जी मार्कीट काबुल (श्रफ-गानिस्तान) (श्रन्तरक)
- श्री करतार सिंह, मुपुत्र श्री संत सिंह, निवासी एच-67 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में 'प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपध्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग फीहोल्ड भूमि का जिसका नं० 42-ए, रोड़ नं० 78 है और जोकि क्लास 'ए' में है और जिसका क्षेत्रफल 2072:22 वर्ग गज है तथा जोकि पजाबी बाग कालौनी बसाए दारापुर गाव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: प्लाट नं० 42 पश्चिम: प्लाट नं० 44 उत्तर:रोडनं० 78 दक्षिण: सर्विस लेन।

> एस० एन० एन० श्रम्भवान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2099/959/75-76--यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

श्रायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

धौर जिसकी सं० 42-v/78 का 1/5 भाग हैं जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, 10-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उपत श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उपत श्रविनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित, व्यक्तियों श्रवीत्:-

- 1. श्री श्रशोक कुमार कक्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, राजिन्द्र नगर, दिल्ली (स्वय के लिए तथा श्रपने भाई के लिए जनरल पावर श्राफ एटार्नी)श्री सुरेश कुमार कक्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 183/5 कोसी मार्कीट, काबूल (श्रफगानिस्तान),
- 2. श्री हरी सिंह (2) करतार मिह (3) एस० श्रमरजीत मिह (4) एस० बलबीर सिंह, सुपुत्र श्री मंत सिंह, निवासी एच- 67, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/5 भाग फ्रीहोल्ड भूमि का जिसका नं० 42-ए, रोड़ नं० 78 है जो क्लास 'ए' में है भीर जिसका क्षेत्रफल 2072. 22 वर्ग गज है तथा जोकि पंजाबी बाग, कालोनी बसाए, दारापुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निस्त प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: प्लाट नं० 42 पश्चिम: प्लाट नं० 44 उत्तर: रोड नं० 78 दक्षिण: सर्विस लेन।

> एस० एन० एन० श्रग्नवाल सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विल्ली-1 4/14-ए, श्रासक श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2098/955/75-76- यतः मुझे एस एन० एल० भ्रम्भवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 42-ए/78 का 1/5 भाग है जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, 10-5-1975 को पुर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के जिए;

प्रतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रधीतः ---

- 1. श्री श्रशोक कुम।र कन्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, राजिन्द्र नगर, दिल्ली (स्वयं के लिए तथा अपने भाई के लिए जनरल पावर श्राफ एटानीं श्री सुरेश कुमार कन्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 183/5, कोची मार्कीट, काबुल (श्रफ-गानिस्तान) (श्रन्सरक)
- 2. श्री बलबीर सिंह, सुपुत्र श्री संत्र सिंह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग फीहोल्ड भूमि जिसका नं० 42-ए, रोड़ नं० 78 है श्रीर जोकि क्लास 'ए' में है जिसका क्षेत्रफल 2072.22 वर्ग गज है तथा जोकि पंजाबी बाग, कालोनी, बसाए दारापुर, गांव, विस्ली राज्य, विस्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: फ्लाट नं० 42 पश्चिम: फ्लाट नं० 44 उत्तर: रोड़ नं० 78 दक्षिण: सर्विस लेन।

> एस० एन० एल० घग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
म्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1
4/14-ए, म्रासफ म्रली रोड़, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यू०/11/2098/956/75-76 ---यत: मझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 42-ए/78 का 1/5 भाग है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन :——
10—396GI/75

- 1. श्री श्रशोक कुमार कक्कर, सुपुत श्री दरगाए दास, निवासी 1/13, राजिन्द्र नगर, दिल्ली (स्वयं के लिए तथा ग्रपने भाई के लिए जनरल पावर श्राफ एटानीं श्री सुरेश कुमार कक्कर, सुपुत्र श्री दरगाए दास, निवासी 183/5, कोची मार्कीट, काबुल (ग्रफगानिस्तान)
- 2. श्री ग्रमरजीत सिंह, मुपूत श्री सत मिह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग फीहोल्ड भूकि जिसका नं० 42-ए रोड़ नं० 78 है तथा जोकि क्लास 'ए' में है जिसका क्षेत्रफल 2072. 22 वर्ग गज है तथा जोकि पंजाबी बाग, कालोनी, बसाए दारापूर, भाव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः प्लाट नं० 42 पश्चिम: प्लाट नं०44: उत्तर: रोड नं० 78 दक्षिण: मर्बिस लेन।

> एस० एन० एस० अग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 दिसम्बर, 1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . (269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदश सं० मि० श्राप्त० 62/3984/75-76—यतः **मुझे** श्राप्त कृष्णमृति

न्नापकर श्रविनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिस की सं० सर्वे 156/2 है तथा जो डोड्डबांगूर, गांव बिगूर होब्ली, बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बैंगलूर सौत तालुक में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दस्तावेज नं 91/75-26 ता 4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुम्यमान पतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्र ह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रत्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्सरक के दायिस्य में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/स
- (ख) ऐसी विशी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:— सर्वशी

- 1. 1. बी० एल० रामस्वामी
  - 2. बी० ग्रार० वासुदेव
  - वी० ग्रार० समपतकुमार
  - 4. वी० ग्रार् वेनुगोपाल
  - 5. बी० सुनिल प्रवयस्क द्वारा समरक्षक बी० श्रार० वास्देव

र्म० 61, III ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० वेनगक राजू पुत्र लेट रना राजू मारेनहल्ली, Vब्लाक, जयनगर बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उदत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यद्या-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

(दस्टावेज सं० 91/75-67 ता 4-4-75)

जमीन सर्वे नं० 156/2-7 एकड़ 4 गुन्टे जो डोडुबोगूर, गांव, बेगूर होब्ली, बैगलूर सौत तालुक में स्थित है।

सीमाः पूर्व: सर्वे नं० 101

पश्चिम : सर्वे नं० 100

उत्तर : सर्वे नं० 90

दक्षिण : सर्वे नं० 156/ (नं० 156 का बचा

भाग)

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगसूर

तारीख 10-11-75 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बैंगलूर

बगलूर, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निवश सं० सि० प्रार० 62/3986/75-76—यतः मुझे प्रार० कृष्णमूर्ति

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

स्रीर जिस की सं० 102/3 श्रीर 151 है तथा जो डोडुतोगूर, गांव बेगूर होड्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बगलूर सीत तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय बगलूर सीत तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय बगलूर 16) के श्रिधीन दस्तावेज नं० 93/75-76 तारीख 4-4-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से प्रतिशत श्रीधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :---

- (1) (1) श्री बी० एस० रामस्वामी,
  - (2) श्री बी० ग्रार० वासुदेव
  - (3) श्री बी० ग्रार० समपतकुमार
  - (4) श्री बी० भार० पनुगोपाल
  - (5) श्री बी॰ मुनिल श्रष्यस्क द्वारा समरक्षक बी॰ श्रार॰ वासुदेव

नं० 61, III ब्लाक, जयनगर, बैगलूर-11 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें ॰ डामोदरा राजू पुत्न बी ॰ केशत्र राजू 2918, VIII व्लाक, जयनगर, वैगलूर-11।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

(दस्तावंज सं० 93/75-76 ता० 4-4-1975) जमीन सर्वे नं० 102/3 श्रौर 151 में 6 एकर 16 गुन्द श्रौर 4 एकर 18 गुन्दे जो डोड्डतोगूर, गांव, बेगूर, होब्ली बैंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

सीमा---सर्वे नं० 102/3

पूर्व : सर्वे नं ० 102/2

पश्चिम: सर्वे नं० 103

उत्तर्ाः सर्वे नं० 151 दक्षिण : हुलिमनगला गाव

सीमा**⊢–सर्वे न**० 151

पूर्व : सर्वे नं० 100

पश्चिमः सर्वे नं० 152 उत्तर: सर्वे नं० 150

दक्षिण: सर्वे नं ० 102/3

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगसुर

तारीख 19-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैगलूर

बैगलुर दिनाक 27 नवम्बर 1975

निदश सं० सि० आर० 62/4095/75-76--यत:, मुझे न्नार० कृष्णमूर्ति,

भ्रायकर भ्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुय 25.000/-रु० से भ्रधिक है

भ्रौर जिस की स० 49 है तथा जो सौराष्ट्र पेट रोड़, बैगलूर-53 में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय गान्धी नगर, बैंगलूर मे रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दस्तायेज नं० 145 ता० 9-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो को, ंजिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उस्त **अधि**मियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकटनही किया गया या या कियाजाना छिपाने में सुविधा के निए; चाह्निए या,

उभरा अधिनियम ग्रब की घारा 2.69–ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिक्त व्यक्तियो, अर्थात्:--

- (1)श्रीमती एम० जे० रन्गनायकी पुत्री पी० बी० गोपाल भ्रय्यनगर, 49, सौराष्ट्रपेट रोड, बैंगल् र-53 (भ्रन्तरक)
- (2) दी एलकट्रिकल मरचन्टस ग्रसोसिएशन द्वारा श्री एच० जी० मेहता "शनकरा बिलडिन्गस" चकपेट बैगलूर-53

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जी उस प्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 145/75-76 ता० 9-4-1975) इमारत नं० 49, सौराष्ट्रपट रोड़, बैंगलूर-53 क्षेत्रफल पू०प० 66' 2111 वर्गफीट उ० द० 31<sup>1</sup>′ ∫

सीमा

पूर्व: सौराष्ट्रपेट रोड़

पश्चिम : रोड़

उत्तर: एम० जे० राम प्रसाद की सम्पत्ति न० 50 स्त्रीर 50/1 दक्षिण : सी० नागेन्द्रस्या ग्रीर उनके भाई का भिकान

> ग्रार० कृष्णमृति प्राधिकारी सक्षम सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीय: 27-11-1975

प्ररूप० भाई० टी० एन० एस०-

ग्नायकर ग्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बैंगलूर कार्यालय

बैंगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निदश स० सि० श्रार० 62/4111/75-76— -यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिस की स० 50/ए-2 है तथा जो प्यालस रोड, बैगलूर-1 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 495/75-76 तारीख 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उनत आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) ग्रसोसिएटेड ट्रेडिंग कार्पीरेशन द्वारा भागीदार (1) सिराजोद्दीन (2) सादात ग्रलि खान (3) मोहम्मद हुसेन,

14, इब्राहीम साहेब स्ट्रीट, बैंगलूर-1

(4) जक्रुरिया आणिम, नं० 11, एडवर्ड रोड, बैगनूर-1। (श्रन्तरक)

(2)श्री बावर पाशा पुत्र ए० एच० हबीबुल्ला काफी प्तान्टर, होसमने, चिकमगलूर । (ग्रन्तरिती)

(4) 1. सिराजोद्दीन
 2 सादात ग्रली खान
 3 मोहम्मद हुमेन

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त. शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसू ची

(दस्तावेज सं० 495/75-76 ता० 30-4-75) न० 14/56 में सैट नं० 50/ए-2, प्यालस रोड़, बंगलर-1

क्षेत्रफल :  $\frac{92'+106'}{2}$   $\times$  60'=5940 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 50/ए-1 पश्चिम : सैट न० 50/ए-3

उत्तर : भ्रार० एन० मानड्रे की सम्पत्ति

दक्षिण : रास्ता

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 10-11-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०→--

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बैंगलूर

बेंगलूर, तारीख 13 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० ग्राप् 62/4178/75-76---यतः, मुझे श्राप् कृष्णमृति,

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिवत बाजार मूल्य- 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 71/26 है तथा जो लाल बाग ईस्ट लेन वैंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बैंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दस्तावेज नं० 65/75-76 तारीख 3-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम,
   के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के सनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :— (1) श्रीमती जमरिक्ससा पत्नी शेक ग्रब्दुल्ला नं० 42, सुदामा नगर बैंगलूर सिटी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मक्तबूल जान पत्नी नजीर खान नं० 71/27, लालबाग ईस्ट लेन सुदामानगर, बैंगलूर-27

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमती (1) मोहम्भद जफुल्ला 2. नजीर खान

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

(दस्तावेज सं० 65/75-76 तारीख 3-4-75) मकान नं० 71/27, लाल बाग ईस्ट लेन, सुदामानगर,

बैंगलूर-27

क्षेत्रफल पू० प० 35′ } उ० द० 30′ }

1050 वर्गं फीट

सीमा

पूर्व: नागराज गौडा की सैट

पश्चिम : रोड़ उत्तर: सैट नं० 5 दक्षिण : सैट नं० 7

> श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 13-11-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर कार्यालय

बगलूर, तारीख 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/4182/75-76--यतः मुझे श्रार० कृष्णमृति **भ्रायकर भ्रधिनियम**, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम म्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रीर जिस की सं० 42 से 45 तक है तथा जो सर्वेथरस स्ट्रीट, बसवनगुडि, बैंगलूर -4 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वसवनगुडि, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 159/75-76 तारीख 14-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—-

- (1) श्रीमती जमुना बाई पत्नी श्री नारायण निकम "अलन्दी" 62/ए, प्यालस अप्पर भ्राचंडीस, बैंगलूर-6 । (ग्रन्तरक)
- (2) कुभारी बी० सुगरना माने अवयस्क पृत्नी एन० धूमा-नन्द माने (समरक्षक भी) नं० 69, सर्वेयर स्ट्रीट, बसवनगुडि वैगलूर-4 । (अन्तरिती)
- (3) 1. श्री एस० एम० मुनिस्वामी
   2. श्री लक्ष्मीनारायण ।
   (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किमी अयक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किमी श्रन्य ब्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

(दस्ताबेज मं० 159/75-76 ता० 14-4-75)

मकान नं॰ 42 से 45 तक, सर्वेयरस स्ट्रीट, बसवनगुडि, बैंगलूर-4

्क्षेत्रफल पू० प० 55 $^\prime imes$ उ० द०  $110^\prime\!=\!6050$  वर्ग फीट इमारत  $9^{1\over2}$  वर्ग

सीमा :

पूर्व : शकुन्तला माने की सम्पत्ति

पश्चिमः भक्तवतसल गुप्त की भम्पत्ति

उत्तर : सर्वेयर स्ट्रीट दक्षिण: कवजरवेनसी लेन

> ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बैंगलुर

तारीख : 10-11-1975

प्ररूप साई० टो० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 19 नवम्बर 1975

निदश सं० सि० ग्रार० 62/4184/75-**7**6—यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

ध्रायकर श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीधक है

ग्रीर जिस की सं० 17 (पुराना नं० 89/2) है तथा जो II कास II ब्लाक जयनगर, बगलूर -11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वसननगुडि, बैंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तस्तावेज नं० 183/75-76 ता० 16-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों
  को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या 'जक्त ग्रिधिनियम', या
  धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  सुविधा के लिए

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री जी० दोरैंस्वामी, 89/2, II कास, II क्लाक जयनगर, बैंगलूर-11

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री एन० राजगोपालचार 208, IV क्रास, II ब्लाक, जयनगर वगलूर-II (ग्रन्तरक)
- (3) 1. श्री पी० एन० सत्यानारायण
  - 2. डी० एस० शनकरनारायण राव

3. गनेश भट

(वह व्यक्ति जिस के ग्रिधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 183/75-76 ता० 16-4-75) मकान नं० 89/2 नया नं० 17, IIकास, II ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 कार्पोरेशन डिविजन नं० 35

क्षेत्रफल : पू० प० 25′ उ० ब० 33′-- 825 वर्गफीट सीमा :

पूर्व : सैट नं० 89/1 श्रीर मकान पश्चिम : सैट नं० 89/3 श्रीर मकान

उत्तर: कार्परिशन रोड

दक्षिण : सैट नं० 922 श्रीर मकान

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैगलूर

तारीख 19-11-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०\_\_\_\_

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैगलूर तारीख 11, नवम्बर 1975

निर्देश सं० सि० घ्रार० 62/4370/75-76—-यतः मुझे घ्रार० कृष्णमूर्ति घ्रायकर घ्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिस की सं० 14/6 (पुराना नं० 12) है तथा जो रत्नविलास रोड वसवनगुडि, वैंगलूर-4 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वसवनगुडि, बैंगलूर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 550/75-76 ता० 9-5-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ये कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——
11—396 GI/75

- (1) (1) श्री ए० क्रिष्णमूर्ति, नं० 19, IX मैन रोड,ब्लाक जयनगर, बैंगलुर-11
  - (2) श्री के० सुब्रमनयम, 100, IV मैन रोड, शास्वतिनगर हैदराबाद
  - (3) श्री के० स्वामिनाथन, डिप्टी कमिश्नर आफ कर्माशयल स्थाक्सस, नेल्लूर, ए० पी० ।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री बी० एम० विजयमूर्ति (2) श्री बी० एम० किष्णमूर्ति नं० 15, 10 कास, कब्बनपेट, बैंगलूर-2 (अन्तरिती)
- (3) 1. पोस्टल एण्ड टेलिग्राफ्स डिपार्टमेट
  - श्री टी० एस० कन्नपिरान
     (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

(वस्तावेज सं० 550/75-76 ता० 9-5-1975)

मकान न० 12 नया नं० 14/6, रत्नविलास रोड, बसवन-गुडि, बैंगलूर-4

क्षेत्रफल : पू० प० 96'

1958। वर्ग फीट

उ० द० 227′

सीमा :

पूर्व : शेशगिरि राव का घर पश्चिम : दूसरों की सम्पत्ति

उत्तर : रत्नविलास रोड दक्षिण : कनजरवेनसी रोड

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 11-11-1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगल्र

बैंगलूर, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 62/4309/75-76/एक्य/बी---यत: मझे भ्रार० श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **'उक्त श्रंधिनियम'** कहा गया पश्चात् की धारा 269-घ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, श्रौर जिम की स० 125/2 और 183 मुनि० नं० 2008/1618 है तथा जो बंगारपेट, कोलार जिला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगारपेट, कोलार जिला में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26-4-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा क लिए; श्रौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख़ित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- (1) सर्वश्री (i) के० मुनिस्वामी चेट्टी
  - (ii) के० नारायण चेट्टी स्रौर
  - (iii) के० रामचन्द्र चेट्टी श्री के० सुब्बन्न चेट्टी के पुत्र जमीनदार, कोंगारपल्ली गांव, कुष्पम तालूका, चित्तूर जिला, श्रान्ध प्रदेश में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

2. (i) श्री डी० ए० लक्ष्मीनारायण चेट्टी, बी० ई०(मेकेनिक)
(ii)श्री डी० ए० मुरलीकृष्ण (छोटा) संरक्षक भाई
श्री डी० ए० लक्ष्मीनारायण चेट्टी।
श्री डी० के० श्रक्ष्यथनारायण चेट्टी, व्यापारी, रामकुप्पम, पलमानेर तालूका, चिन्नूर जिला (श्रान्ध प्रदेश)।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:--

- (क) इ.स. सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 396/75-76 ता० 26-4-1975)

कारखाना मकान—एक एकड़ बीस गुण्टास—सर्वे न० 125/2 व 183, मुनिसिपल नं० 2008/1618 जो बंगारपेट शहर में स्थित हैं—सारे यन्त्र सामग्रियों के साथ—-सीमाएं:—

्र पूर्व : बंगलूर से कोलार की तरफ जानेवाली रेल ।

पश्चिम : गंगम्मापालय पंचायत कुंग्रा व जमीन सरकार से ली गई हैं ।

उत्तर : कुम्हार भ्रप्पया की जमीन । दक्षिण : गंगम्मापालय को जानेवाली सड़क ।

> श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बैंगलुर

तारीख: 16-12-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अछीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज 11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 18 दिसम्बर 1975

निदेश स० 1604/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अर्घान सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी स० है तथा जो, 38 बी, श्रोयिटस रोड़, मद्रास में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिग्लकेन डाकुमेण्ट सं० 351/75) मे, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अल्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रथीत्:--- (1) श्रीमती ए० शियामला देवी पेट्रो ग्राँर र्श्नः ए० रामनारायण पेट्रो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० शातिमल नाहर

(अन्तरिती)

(3) तिमलनाडु एक्ट्रिसटी बोर्ड (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सपित्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के श्रायाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

मद्रास, ग्रोयिटस रोड, डोर स० 38 बी में दो ग्राउण्ड ग्रौर 780 स्कुयार फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, II मद्रास

तारीख: 18-12-1975

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

ि निदेश सं० एफ 2459/75-76—–यतः मुझे, जी० वी० आबक

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रौर जिस की सं० टी० एस० 631/1 श्रौर 633 है तथा जो टी० एस्टेट काम्पौण्ड, रेस कोर्स राङ, कोध्यपत्र में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से श्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार I, कोयम्पत्र (डाकुमेण्ट 1507/75) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न- लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) सन्तरण सङ्गई किसी धाप की बावत उक्त प्रधिनियम त धर्धान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) एस) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मै, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की (उपधारा 1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:-- (1) श्री बी॰ जयरामन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० बालगोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी स्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन का तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो उक्त श्रधित्यम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोयम्पतूर, रेस कोर्स रोड़, टी० एस्टेट नगम्पीण्ड मे 7711 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के माथ) (प्लाट सं० 23 का भाग; टी० एस० स० 631/1 ग्रौर 633)

> जी० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 15-12-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 11 मद्रास

मद्रास, दिनाक 15 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 2459/75-76——यतः मुझे जी० वी० झ।बक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु०से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० टी० एस० 631/1 ग्रार० 633 है तथा जो टी० एस्टेट काम्पीण्ड, रेस कोर्स रोड़, कोयम्पतूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० I, कोयम्पतूर 'डाकुमेण्ट 1508/75 में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 10-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देग्य से अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम,' के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रेव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :--- (1)श्री वी० जयरामन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० बालगोपाल

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्पतूर, रेस कोर्स रोड़, टी० एस्टेट काम्पौण्ड में 15620 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) प्लाट सं० 23 का भाग; टी० एस० स० 631/1 श्रौर 633)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज II मद्रास

तारीख: 15-12-1975

प्ररूप भाई०टी०एम०एस०---

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रिधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 3309/75-76---यतः मुझे जी० बी० झावक श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), प्राधिकारी को, की धारा 269-घ के ग्रधीम सक्षम यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है है तथा जो रेड्डियार पालयम गाव श्रौर जिस की सं० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रोलुगरै (डाकुमेण्ट स० 441/75 में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भ्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरको) और ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम क श्रधीम कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
- (ाव) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंव उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रंथीत :-- (1) श्री टी० वी० एन० वीस्वनाथ मुदलियार श्री एस० क्वश्नासामि मुदलियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० सुन्दरि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहम्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जा उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

रेड्डियारपालयम गाव मे 35 कुलि की भूमि (मकान के साथ) (कदास्तर स० 1, भ्रार० एस० सं० 175/3; पैमाश सं० 5984 से 5987 तक)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II मद्रास

तारीख . 15-12-1975 मोहर प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, तारीख 15 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 3309/75-76---यतः मझे जी० वी० झाबक

श्रधिनियम, 1961 (1961 新 43) ग्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिस की सं० ---है तथा जो रेड्डियारपालयम गांव में स्थित है ग्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रोलुगरै (डाकुमेण्ट सं० 442/75, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अप्रेल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर धन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नॉलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उम्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात (1) श्री टी० वी० एन० विस्वनाथ मुदलियारश्री एस० क्रश्नसामि मुदलियार ।(श्रन्तरक)

(2) श्री वेन्कटेसन (मनर)। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषे होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रेड्डियारपालयम गांव 35 कुलि की भूमि (मकान के साथ) (कदास्तर सं० 1, श्रार० एस० सं० 175/3, पैमाईश सं० 5984 से 5987 तक) ।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख 15-12-1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, तारीख दिसम्बर 1975

निदेश सं० 3309/75-76---यत. मुझे, जी० वी० झाबक श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उषत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक हैं भ्रौर जिस की सं० --- है तथा जो रेड्डियारपालयम गांव मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ग्रोलुगरे (डाकुमेण्ट सं० 443/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान लिए ग्रन्तरित है भ्रीर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे का उचित प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक **भन्त**रिती ग्रीर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:--- (1) श्री टी० वी० एन० विस्वनाथ मृदलियार श्री एस० कृश्नसामि मृदलियार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० श्रहमुगम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

रेश्चियारपालयम गांव म 41 कुलि की भूमि (मकान के साथ) (कदास्तर सं० 1, ग्रार० एस० सं० 175/3, पैमाइश सं० 5984 से 5987 तक) ।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 15-12-1975 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एसं०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख विसम्बर 1975

निदेश सं० 3309/75-76--यतः मुझे, जी० वी० झाबक भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है श्रौर जिस की सं० --- है तथा जो रेड्डियार पालयम गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकधा प्रधिकारी के कार्यालय, भौलुगर (डाकुमण्ट सं० 444/75 में 'रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को के प्रधीन 15-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मुझे यह विश्वास श्रन्तरित की गई है ग्रीर करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से ग्रधिक है भौर श्रन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किंसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी अभिय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः थ्रब उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1). के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— 12—396GI/75 (1) श्री टी० वी० एन० विस्वनाथ मुदलियार श्री एस० कृष्णसामि मुदलियार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० नारयनसामि ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसुची

रेड्डियारपालयम गांव मे 41 कुलि की भूमि (मकान के साथ) (कतास्तर सं० 1; फ्रार० एस० सं० ∶ 175/3, पैमाश सं०: 5984 से 5987 तक)।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, महास

तारीखं: 15-12-1975

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 15-12-1975

निर्वेश सं० 1589/75-76--यतः मुझे, जी० वी० झाबक धायकर ध्रिधनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मुख्य 25,000/- रू० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 27, चेमियर्स रोड, मद्रास में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकुमण्ट सं० 568/75) में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 10-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रस्तरक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :— (1) श्री एस० के० श्रीदर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कें एम इसड फासिया बीवि के एम इसड मेह एक्सिसा; श्रौर के एम इसङ स्लामत नाचिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास, चेमियर्स रोड, डोर सं० 27 में दो ग्राउण्ड की भूमि (मकान के साथ) श्रार० एस० सं० 3879 भाग।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 15-12-1975

प्ररूप भाई० टी ०एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, तारीख 15-12-1975

निदेश सं० 1643/75-76—⊢यतः मुझे, जी०वी० झाबक भ्रायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14, तीसरा स्ट्रीट सी० प्राई०टी० नगर एक्सटेण्यान मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० प्रार० ग्री० मद्रास, (डाकुमेण्ट सं० 2820/75 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1975 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रतु-सरण, में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धून्सा 269व की उन्नारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति:— (1) रोलण्ड मोनरत्स एकस्पोर्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० दामोदर रेड्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी
  श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास 35, सी० श्राई० टी० नगर एकस्टेनशन तीसरा स्ट्रीट, डोर सं० 14 म एक ग्राउण्ड ग्रौर 1905 स्क्रुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 15-12-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

थायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज II मद्रास

मद्रास, तारीख 15-12-1975

निर्देश सं० 1650/75-76--यतः मुझे, जी० वी० झाबक म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्तः ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से म्रधिक है भौर जिसकी सं० 189 ग्रीर 190, द्रिप्लिकेन हाई रोड, मद्रास-5 में स्थित है (फ्रौर इससे उपाधन अनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० श्रो० मद्रास (डाकुमेण्ट 3174/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:— (1) श्री एम० बी० प्रताप ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बशीर मोहम्मद ग्रीर श्रीमती दिलारा बेगम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

### अनुपूची

मद्रास, ट्रिप्लिकेन हाई रोड, डोर सं० 189 और 190(भाग) में तीन ग्राउण्ड और 2200 स्कुयार फीट की भूमि (मकान के साथ) (री० सर्व सं० 2770/1)

> जी० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, II मद्रास

ता**रीक्ष**ें भेड़े भेड़े भेड़ भेड़ भ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, II मद्रास

मद्रास, तारीख 15-12-1975

निवेश सं० 1790/75-76—यतः मुझे जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्रुत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है भौर जिस की सं० आर० एस० सं० 567/9 (भाग) है तथा जो नुष्कम्पाककम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० मद्रास (डाकुमेण्ट 2913) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्रिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) कोतारी (मद्रास) लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेमा सीताराम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

### <u>अनुसुची</u>

मद्रास, नुष्कम्पाककम में 2 ग्राउण्ट ग्रीर 750 स्कुयर फीट की भूमि जिसका श्रार० एस० सं० 567/9 (भाग) (प्लाट सं० "जी")।

> जी० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II महास

तारी**ख** 15-12-1975 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

भ्रर्जन रज, I मद्रास

मद्रास, तारीख 12 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/1/6/75-76--यत. मुझे, जी० रामनाथन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से ग्रधिक है भ्रीर जिस की स० डीर नम्बर 75 है, जो मेयर सत्यमूर्ति रोड़ चेतपट, मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास-I मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16 प्रप्रैल 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्स ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात :—

 (1) श्री एन० हरी द्वारकनाथ, पाडरग का पुत्र एन० गोपीचद (मैनर) के लिए एन० पाडरग 4 वेकटस्सामी नायडू स्ट्रीट पचवटी ऐग्मोर, मद्रास ।

(भ्रन्तरक)

- (2) (मैनरस) एस० वरदराजन ग्रीर (2) एस० कीर्ति के लिए राजलकक्ष्मी ग्रम्माला, सौरि राजूलू की पत्नी, ऐनानगुडि गाव निनलम तालुक तंजाबूर जिल्ला। (ग्रन्तरिती)
- (3) (1) ईडियन काफी बोर्ड (2) मादव नायर, 75, मैयर सत्यमूर्ति रोड चेतपट मद्रास । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सब्धी व्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रदिन श्रादा भाग श्रादि मकान में, ग्राउण्ड ग्रौर श्रब, नम्बर 75, मैंयर सत्यमूर्ति रोड़ चत्राट, मद्राप्त, ऐकडा क्षेत्रफल——2 ग्राउण्ड ग्रौर 100 स्कुयर फीट ।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज 1, महास

तारीख 12-12-1975 मोहर

#### प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, तारीख 12-12-1975

निदेश सं IX/1/7/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं उोर नंम्बर 75 है, जो मेयर सत्यमूर्ति रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 श्रप्रैल 1975 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथातु:—

- (1) श्रीमती कुणुम कुमारी, बास्कर राव का बेटी, (2) एन० सायनान राव, (3) एन० कन्नन श्रौर एन० बालाणी एन० बास्कर राव का पुत्री (4) बेंकट स्वामी नायडू स्ट्रीट पंचविड, एकमोर, मद्रास (श्रन्तरक)
- (2) मैनर एस० बरदराजन, श्रौर (2) एस० कीर्ति केलिस (गेडियन राजलक्ष्मी श्रममलि, सौरि, राजूलू का पत्नी, ऐनांगुडि गांव नलिलम तालूक, तंजाबर जिला। (श्रन्तरिती)
- (3) इंडिया काफी बोर्ड (2) मादव नायर 75, मेयर सत्यमूर्ति रोड़ चेतपट मद्दास । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हमाज्दीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

ग्रदिन भ्राधा भाग ग्रादि मकान में, ग्राउण्ड भ्रौर सब, नम्बर 75, मेयर सत्यमूर्ति रोड चेतपट, मद्रास ऐकडा 1 क्षेत्रफल →2 ग्राउण्ड, श्रौर स्कृयर फीट।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-12-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, I मद्रास मद्रास, तारीख 12-12-1975

निदेश सं० IX/6/15/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रधिक है भ्रौर जिस की सं० सर्वें नंम्बर 5/1बी पार्ट 6/(पार्ट) भ्रौर 4 पार्ट है, जो सेवियम गांव नंबर 6*7,* मद्रास में स्थित है (भ्रौर) इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सेवियम मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 अप्रेल 1975 को उचित पर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई ह ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित काजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या -धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :→ » (1) श्री बी॰ बी॰ मनी, वर्गीस का पुत्र 145, गोडीया मट रोड़ रायेपेट्टा मद्रास-14

(भ्रन्तरक)

(2) श्रार्थरडावस सर्विस सेन्टर के लिए पी० पामस 21/22 स्ट्रिगेंस स्ट्री, मद्रास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्धीक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

खाली भूमि, सर्वे नम्बर 5/1बी'—पार्ट 6(पार्ट) 4 पार्ट ऐकड़ 1 क्षेत्रफल:——3 ग्राउण्डस 2312 स्कवेयर फीट सेवियम गांव में मद्रास ।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I मद्रास

तारी**ख** 12-12-1975 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज I मद्रास

मद्रास, तारीख 12-12-1975

में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सेंवियम, मद्राध में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5 श्रप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त म्रधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---13--39601/75

- (1) श्री बी॰ बी॰ मनी, वर्गीस का पुत्र, 145 गोडीया मट रोड़, रायपेट्टा, मद्रास । (धन्तरक)
- (2) भार्य जाक्स सर्विस सेन्टर के लिए पी० एम० (रिव) तामस, 21/22, स्ट्रिगर्स स्ट्रीट, महास-1 (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खाली भूमि सर्वे नंबर 5/1वी पार्ट 6(पार्ट) ग्रीर 4(पार्ट) क्षेत्रफल:— 7 ग्राउण्डस 1194 स्क्लेयर फीट, सेंबियम गांव में महास ।

> जी० रामना**थ**न सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज I मद्रास

तारीख 12-12-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंघ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15-12-1975

निर्देश सं० 382/श्रर्जन/वेहरादून/75-76/2263—श्रतः मुझे, विजय भागेष

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संश्र प्रमुची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित ह (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अवितः

- (1) श्रीमती अनार देवी विधवा बाबू सिंह (2) देवेन्द्र सिंह (3) भरत सिंह (4) रचुबीर सिंह पुन्नान बाबू सिंह (5) नरेन्द्र कुमार उपनाम नरेन्द्र सिंह पुत्र सुलताम सिंह माकिन जस्सीवाला परगना पछवा, जिला देहराहुम । (अन्तरक)
- (2) श्री विरेन्द्र सिंह चिष्ट पुत्र श्री रुद्र सिंह विष्ट, निवासी 10-ए कानवेष्ट रोड, देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्तिं के अर्जन के संबंध में कोई भी आंक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रास्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'सक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बंही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला सम्पूर्ण सम्मक्ति नं० 19-1 श्रौर 19-व जो लक्क्बी भाग देहरादून में स्थित है, 58,000 रुपये मूल्य में हस्तोतरित की गई है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-12-1975

## प्ररूप माई० टी० एन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यापय, महायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 16-12-1975

निदेश स॰ 369/ग्रर्जन/कानपुर/75-76/2264—अतः मुझे, विजय भार्गव

ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और ग्रीर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- '(1) श्री नयन सिंह पुत्र ठाकुर शंकर सिंह निवासी 15/271 सिविल लाईन, कानपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीपुरुषोत्तम लास भगत पुत्र स्व० केदार नाथ भगत निवासी 26/50 बिरहाना रोड़, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति प्लाट न० 31 ब्लाक ईस्ट स्कीम 26 र**स्**बा 12**42 वर्ग गज** जो विशनुपुरी कानपुर में स्थित हैं, 96,876 क० मुख्य में हस्तान्तरित की गई हैं।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रोंज कानपुर

तारीख 16-12-1975 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 299-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रॉज, कानपुर

कानपुर, तारीख 15-12-1975

निर्देश सं० 361/कानपुर/75-76/2265--- मतः मुझ विजय भार्गव प्रधिनियम, मायकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-75

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्यारेलाल भरतिया (एच० यू० एफ०) मार्फत भुराजमल प्यारेलाल, 56/57, काहूकोठी, कानपुर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला रानी सिंघल पत्नी जे० पी० सिंघल, हिन्दुस्तान कामसियल बैंक, विरहाना रोड़, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, का जो उन्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट सहित मकान नं० 3/36, जिस की माप 847, वर्ग गज है जो विशनुपुरी कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 1,17000 रु० में किया गया है।

> विजय भागेष सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-12-1975

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 15-12-1975

निदेश सं० 77/ग्रर्जन/देहरादून/75-76/2261---ग्रतः मुझे, विजय भागेव,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए मृल्य प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिष्ठिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) 'ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविध्य के लिए;

ग्रतः **घव**, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:——

- (1) श्री दिनेश कुमार जैन पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार जैन नि॰ गांधी रोड़, देहरादून। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम शंकर खण्डेलवाल पुत्र श्याम सुन्धर लाल नि० सुधीर सदन कालागढ़ पर० पछवादून, देहरादून । (श्रन्तरिती)
- (3) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल निवासी 9-बी नई मण्डी, मृजफ्फर नगर। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास सिक्तिस में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पवों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसकी नाप 12.5 एकड़ जो खसरा नं० 887/9 में है जो ग्राम सेन्ट्रल होप टाउन पछवादून जिला देहरादून में स्थित है जिसका हस्तान्तरण 65,000 रुपये में किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-12-1975

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • —

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

य़र्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 2-12-1975

निर्बेश सं० 259/प्रक्यूजीशन/श्रलीगढ़/75-76/2191—श्रतः मझे, एफ० जे० बहादुर,

प्राप्त प्रवाप पर पहारु, प्राप्त पर पहारु, प्राप्त प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है और जिस की सं० अनुसची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भाषीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती श्यामा रानी सिंह विधवा श्री कुंबर रिवन्त्र सिंह एडवोकेट (2) श्री प्रधीप कुमार ग्रप्रवाल उपनाम शिमलू पुत्र स्व० कुंबर रिवन्त्र सिंह निवासी 10 स्ट्रेची रोड़, कोठी बी० एन० भ्रस्थाना एडवोकेट, इलाहाबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रयाग नारायण श्रप्रवाल पुत्र श्री उदित नारायण श्रप्रवाल , निवासी साहाबाद, मथुरा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस युचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति एक किता कोठी जिसका क्षेत्रफल लगभग 550 वर्ग गज है श्रीर जो भारती नगर अलीगढ़ में स्थित है, 80,000 रु० मृत्य में हस्तान्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज कानपुर

तारीख: 2-12-75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० --

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 5-12-1975

निर्वेश स० 92/ग्रन्यूजीशन/कानपुर/75-76/2192— अत मुझे, एफ० जे० बहादुर

स्रायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुस्ची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसची के श्रनुसार में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसची में श्रीर पूर्ण खप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए

मतः अत्र, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपमारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचितः---

- (1) श्री सुरेश बिहारी मिश्रा निवासी बीटिया हाता गोरखपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम प्रकाश भाटिया एन० क्लाक, काकादेव, कानपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 117/99 (सी०-9)जो सरबोदय नगर कानपुर में स्थित है, 98,000 रु० मृल्य में हस्तान्तरण किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-12-1975

मोहरं: '

## प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 5-12-1975

निर्बेश स० 107/अक्यूजीशन/गाजियाबाद/75-76/2193— अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 24-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के घ्रधीम कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के खिए;

भतः, अन, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, 'उन्त अधिनियम' की भारा 269-च की उप-भारा (1) के अभीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री म्रानन्द प्रकाश पुत्र श्री मदन गोपाल निवासी 1, 9 जी० टी० रोड, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी सरदार गुरबख्श सिंह निवासी 520 धर्जुन नगर गाजियाबाद । (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत अधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

### वपुसुची

ध्रयल सम्पत्ति प्लाट नं० 5 जिस का क्षेत्रफल 800 वर्गगज है ग्रीर जो गांधीनगर गाजियाबाद में स्थित है, 60,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, कानपुर

तारीष: 5-12-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ी घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन नेज कानपुर

कानपुर, दिनाक 6-12-1975

निदेश न० 235/श्रक्यूजीशन/ म० नगर/74-75/219 !— श्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर
आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है
और जिसकी स० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुमूची के
श्रनुसार स्थित है (श्रीर रमसे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप
मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय, मुजपप रनगर
मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 वा 16) के श्रधीन,
तारीख 12-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अभने मे सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्र∙तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात्:— 14—396GI/75

- (1) दी ग्रेन चैम्बर लिमिटेड, नई मन्धी मुजफ्फरनगर शराधी बीरेन्द्र गोपाल सकल एडबोकेट। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती त्रिबणी देवी धर्मपत्नी श्री विच्छा राम साकिन 21-ए, नई मन्डी, मुजफ्फरनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील क्रे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति एक प्लाट बी, जिस की मकात्यत पर न०  $18,\ 18/1$  और 18/2 घेर खितयान जो नई मन्डी मुजक्फरनगर में स्थित है, 47,000 ६० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एप० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 6-12-1975

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6-12-1975

निदेश नं० 381/प्रक्यूजीशन/देहरादून/75-76/2195— श्रतः मुक्षे, एफ० जे० बहादुर,

ध्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की ध्रारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है श्रीर जिसकी स० धनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण

अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिय रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है ौर मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रावीन:—

- (1) श्री भ्रमर सिंह पुत्र श्री गण्डा सिंह निवासी 15/2 दिलाराम बाजार देहरादून। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रान नाथ खोसला पुत्र श्री किशोर चन्द खोसला (2) श्रीमनी कमला रानी पन्नी श्री मदन गोपाल खोसला साकिनान 15/2, दिलाराम बाजार, देहरादून (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं 1.5/2 जो दिलाराम बाजार देहरादून में स्थित हैं, 68,000 रु मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, कानपुर

तारीखा: 6-12-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 6-12-1975

निदेश नं० 451/श्रक्यूजीशन/कानपुर/75-76/2196---श्रतः मुझे, एफ० ज० बहादुर,

ष्रायकर ष्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ठ० से अधिक हैं भौर जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 17-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∫या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात :---

(1) मैसर्स पी० सी० भन्डारी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 45, गोल्फ लिन्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री लाल चन्द पुत्र श्री टील्लू सिंह नियासी 105/ 206, चमनगंज, कानपुर ।

2 श्रो शिवल दास पुन्न श्री वाधूमल निवासी 104-ए/

232, रामबाग कानपुर।

3. श्री म्राणोक कुमार पुत्र श्री माधव दास निवासी 105/206, चमनगंज, कानपुर ।

4. श्री हीरा नन्द पुत्र श्री चौथ राम निवासी 85/ 148, चमन गज, कानपुर।

5. श्री हस्सानन्द पुत्र श्री साधू सिंह निवासी 108/ 107, गांधीनगर, कानपुर ।

107, गाधानगर, कानपुर। 6. श्री नन्दी राम पुत्र श्री जोधा राम निवासी 105/

216, चमन गज, कानपुर।

7. श्री परस राम पुत्र श्री चूहरमल निवासी 109/ 125, ए, जवाहर नगर, कानपुर।

8 गुरमुख दास पुत्र श्री मगूमल निवासी 142 बी1.13, गोबिन्द नगर, कानपुर।

9. श्री बीरूमल पुत्न श्री वरन्दमल निवासी 88/525, प्रेम नगर, कानपुर ।

10 श्री सुन्दर दास पुत्र श्री वाधूमल निवासी 104-ए/232, राम बाग, कानपुर।

11. श्री बाल चन्द पुत्र श्री बाधूमल निवासी 104/ 232, राम बाग, कानपुर।

12. श्री अरहत मल पुत्र श्री बाधूमल निवासी 88/

525, प्रेमनगर, कानपुर । 13. श्री देवी चन्द्र पत्र श्री जीवनमल निवासी 88/

13. श्री देवी चन्द पुत्र श्री जीबतमल निवासी 88/ 525, प्रेमनगर, कानपुर ।

14. श्री मुरलीधर पुत्न श्री नारायण दास निवासी 105/268, श्री नगर, कानपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रवल सम्पत्ति नं० 84/104 श्रीर 84/104 ए, जिसका क्षेत्रफल 6417 वर्गगज प्लाट 33 ब्लाक डब्ल्यू जो फैक्ट्री एरिया जी०टी० रोड़, कानपुर में स्थित है श्रीर जो कि 3,00,000 ६० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज, कानपुर

तारीख 6-12-1975 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

मायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 10-12-1975

निदेश न० 151म्पर्जन/हापुड/75-76/2201—म्प्रत मुझे, एफ० जे० बहादूर,

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से म्रधिक है

ग्रीर जिसकी स॰ ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के ग्रनुसार स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हापुड मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी द्याय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या द्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय द्र्यायकर द्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत ~-

- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र लाला परणादी लाल निवासी दादावाडी गढ देहली रोड, हापुड, जिला मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री कृपा शकर निवासी, भीलागज देहली गढ रोड, हापुड, जिला मेरठ। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सबधी ध्यक्तियो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति पूरी सम्पत्ति का 1/6 भाग 1575 धर्गगज मय 14 दुकानात, गोडाउन्स, मिल श्रौर मशीनरी, शैंड श्रौर रिहाशी भाग प्रथन खण्ड पर, जो भोला गज गढ़ रोड, हापुड़ जिला मेरठ में स्थित हैं, 30,000 ह० मूल्य में हस्तातरित किया गया हैं।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधु<del>र</del>त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज कानपुर

तारीख 10-12-1975 मोहर प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज कानपूर

कानपुर दिनांक 10-12-1975

निदेश नं ० 152/म्रर्जन/हापुड़ | 75-76 | 2202--म्प्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क् से श्रधिक है श्रीर

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1975

#### को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, ग्रधीत :---

- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र परशादी लाल जी निवासी दाहा-बाडी गढ़ देहली रोड़ हापुड़, जिला, मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मीना देवी पत्नी लाला विलोक चन्द निवामी भीला गंज देहली गढ़ रोड़, हापुड़ जिला, मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

श्रवल सम्पत्ति पूरी सम्पत्ति का 1/6 भाग 1575 वर्गगज मय 14 दुकानात, गोडाउन्स, मिल श्रीर मशीनरी शैंड श्रीर रिहाणी भाग प्रथम खण्ड पर जो भीजा गंज गढ़ रोड हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 10-12-1975 मोहर :

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 9-12-1975

निदेश नं० 358/ग्रर्जन/भेरठ/75-76/2199---ग्रतः, मुझे एफ० जे० बहादुर, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रोर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किये;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री नत्यू पुत्र नवल (2) श्रीमती माया देवी पत्नी नत्यू सैनी साकिन कल्याण नगर नौचन्दी ग्राउन्ड जिला मेरठ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ठाकर दास पुत्र लाला हीरा राम साकिन गीला कुत्रां, शौराबगेट, मेरठ। [(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

श्रवल सम्पत्ति 1/4 हिस्सा श्रज एक मकान पुस्ता एक मंजिला नं 65/38 मय पैवस्ता पांच दुकानात नं 65/38 ए० बी० सी० डी० श्रीर ई बाके श्राजाद रोड़ शहर मेरठ जिसका हस्तान्तरण 20,000 रु० मूल्य में किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9 दिसम्बर, 1975 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

### भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 5-12-1975

निदेश सं० 357/म्रर्जन/मेरठ/75-76/2200—म्प्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार हैं तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31-5-1975 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- (1) श्री नत्थू पिसर नवल (2) श्रीमती माया देवी पत्नी नत्थू सैनी साकिनान कल्याण नगर नौचन्दी ग्राउन्ड शहर मेरठ, (श्रन्तरक)
  - (2) श्री तिलक राज पुत्र लाला ठाकर दास साकिन गालेक कुंश्रां शोराबगेट, मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुमूची

भ्रवल सम्पत्ति 1/4 हिस्सा भ्रज एक मकान पुखता एक मजिला नं 65/38 मय पैबस्ता पाच दुकानात न ् 65/38ए, बी शी शी शी भीर ई० बाक भाजाद रोड शहर मेरठ जिस का हुस्तान्तरण 20,000 रु० मूल्य में किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण धर्जन रेज, कानपुर

तारी**ख** 5-12-1975 मोहर:— प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेज कानपुर

कानपूर, तारीख 20-12-1975

निदेश सं० 117/ग्रर्जन/देहरादून/75-76—⊷ग्रतः मुझे विजय भागेवा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है है तथा जो ग्रौर जिस की सं० में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वरने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:—

- श्री लाला राजा राम पुत्र लाला सरनीमल निवासी
   राजा रोड़, देहरादून \ (श्रन्तरक)
- (2) श्री जय किशोर नाबालिंग पुत्र श्री जयन्ती प्रसाद श्रपने पिता श्री जयन्ती प्रसाद पुत्र श्री देवी राम की संरक्षता में निवासी ग्राम रायपुर परगना परबादून, जिला देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति खसरा नम्बरान 485, 1 व 490 व 491, व 492 व 488 कुल क्षेत्रफल 3 31 एकड व इस के श्रितिरिक्त कुल मकानात व उगाड़ पक्के टीनपोग व गेट व सहन व खिलयान व इन की भूमि का क्षेत्रफल 0.57 एकड़ है श्रीर जो ग्राम रायपुर परगना परबादून जिला देहरादून में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरण किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 20-12-1975 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जानपुर

कानपुर, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

मिर्बेश नं० 117/म्रर्जन/देहरादून/75-76—2284— म्रतः मुझे, विजय भागवा,

प्रायकर ग्रिंघितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिंधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिंधकारी के कार्यालय, देहरादून, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रंधीन तारीख 21-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब 'उक्त मधिनियम' की घारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात:-

(1) श्री लाला राजा राम पुत्र लाला सरनीमल निवासी 7, राजा रोड़, देहरादून,

(अन्तरक)

(2) श्री जय किणोर पुत्र श्री जयन्ती प्रसाद (2) श्री जयन्ती प्रसाद निवासी मौजा रायपुर, परबादून, जिला देहरादून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पढों को, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही ग्रथें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनु सूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि खसरा नं० 485 श्रौर 490 इत्यादि जो मौजा रायपुर में कच्चे मकानों के साथ परबादून, जिला देहरादून में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गेदा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :19-12-1975

मोहर:

5-396GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 383/म्रर्जन/कानपुर/75-76/2286—स्मतः मुझे विजय भार्गवा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

भौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपक्षारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रर्णात:--- (1)श्री बद्रीनारायण श्रीवास्तव, 8/113 भ्रार्य नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कुमार अग्रवाल (2) श्री राधा कृष्ण अग्रवाल 112/243, स्वरूप नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस त्तवना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्षश्वीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपण्डीकरण. -- इसमें प्रपृक्त गन्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

ग्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० 115 (पार्ट) ब्लाक 'ए' स्कीम 7 गुटटया जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है, 77,750 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख 18-12-1975 मोहर :— प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजन रेंज III, दिल्ली-1 4/14-ए, भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 17-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एसआर-II/जुलाई/943/(22)/75-76—यतः मुझे, एस० सी० परोजा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० सी-10 हैं, जो कृष्ण पार्क, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिर्मियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत:—

- (1) मैं विश्ली, हाउसिंग एण्ड फाइनेन्स कारपोरेशन, 2, पार्क व्यु, करौल बाग, नई दिल्ली द्वारा जनरल एटारनी श्री कृष्ण कुमार, सुपुत्र श्री उमा चरण (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ता खोसला, पत्नी श्री एस० पी० खोसला, जे-3/140, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फी होल्ड प्लाट की भूमि जिसका नं ० 10, ब्लाक नं ० 'सी' है श्रीर क्षेत्रफल 506. 3 वर्ग गज है तथा जोकि कृष्ण पार्क, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : सर्विस लेन, पश्चिम : रोड 45' चौड़ी उत्तर: प्लाट नं० सी-11 दक्षण : सर्विस लेन

> एस० सी० परोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ) ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 विसम्बर: 1975

मोहर:---

#### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० प्रार-III/जून/ 313/(9)/ 75-76--- यतः, मुझे एस० सी० परीजा आयकर घधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उक्ति बाजार मूल्य 25,000√- रु० से अधिक है न्नौर्र जिसकी सं० जायदाद नं० 15/2358 का 1/2 भाग है, जो चुना मण्डी, राजगुरु रोड, पहाड़गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 9-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है मौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उम्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) श्रन्तरण से हुई किसी प्राय की वाबन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कथित नहीं किया गया है:---

(क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:— (1) श्री राम नाथ ग्रानन्द, सुपुत्र श्री ठाकुर दास, 17, बाबर रोड, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह, सुपुत्र श्री नानक सिंह, 2208, चूना मण्डी पहाष्ट्रगंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(3) (1) बाटा शू कं० (2) श्री मोहिन्दर सिंह तथा सुरिन्दर सिंह, (3) मैं० पोलसन ड्राई क्लीनरम, सभी निवासी 15/2358, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली (वह ब्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविद्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तिरिख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद नं० 15/2358 का 1/2 भाग जोकि लोजहोत्ड प्लाट की भूमि पा बना हुआ जिसका क्षेत्रफल कुल एरिया 417 वर्ग गज है तथा जोकि चूना मण्डी, पहाड्गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा है :—

पूर्व: श्री पारस राम तथा सुखा का मकान पश्चिम: राजगुरु रोड़ तथा चूना मण्डी

उत्तर: जायदाद नं० 15/2358 का बाकी बचा भाग दक्षिण : श्रीमती धर्म कौर का मकान, पत्नी श्री गुरबक्स सिंह

> एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज-III, बिल्ली, नई बिल्ली

तारीख : दिसम्बर 1975

मोहर:

#### CABINET SECRETARIAT

### (DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 30 h September 1975

No. A-11/2/75.—Shri J. C. Malık, Inspecto<sub>1</sub> of Income-Tax has been appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Hqrs. office of this Directorate, w.e f 19-9-75 and until further orders.

> NRIPEN BAKSI Deputy Director (Admr.)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

December 1975

No. N-2/65-AD-V.—Shi N. N. Tuli relinquished charge of the office of Deputy Supdt. of Police in the Cabinet Bureau of Investigation on the afternoon of 4-9-1975. His services were placed back at the disposal of Inspector General of Police Delhi with effect from the afternoon of 4-9-1975.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 31d December 1975

No. O.II-1051/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Ashok Kumar Vohra, Dy. S.P of 33rd Bn. CRPF, with effect from the afternoon of 9-5-1975.

#### The 4th December 1975

No. O.II-74/69-Estt.Pt.II.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the C.R.P. Force, Lt. Col. T. R. Jaitly (Retd.) relinquished the charge of the post of DIGP CRPF Ajmer on the afternoon of 1st November. 1975.

No. O.II-19/74-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRP Force, Brig G. S. Sidhu (Retd.) relinquished the charge of the post of Wireless Adviser, Dte. Genl., CRPF on the afternoon of the 7th November. 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th November 1975

No. E-17017/7/75-Ad.I.—Shri LV Singh, IPS (Bihar-1955), Chief of Security Division, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, ceased to hold the ex-officio appointment of Dy Inspector General/Central Industrial Security Force, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City with effect from the Forenoon of 27th November, 1975.

L. S. BISHT Inspector General

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH-I

Gwalior-474002, the 26th November 1975

No. Admn.1/401.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I has been pleased to appoint the following permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity from the date mentioned against his name.

 Shri R. C. Kulshrestha (02/0188), 1-11-1975 (Forenoon.

> S. L. MALHOTRA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH-II

Gwalioi-474002, the 6th October 1975

No. OE-VI/GOs-RTD/1333.—Shri K. V. Ramanuja Chari officiating Accounts Officer in the Office of the A.G.M.P. II, Gwalior, retired from Government Service w.e f 30-9-1975 (Afternoon) on attaining the age of Superannuation.

M. M. NARSINGHANI Deputy Accountant General (Admn.)

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 31d December 1975

No. 18241/AN.II.—On attaining the age of 58 years Shri Debtosh Goswami, Dy. Controller of Defence Accounts will be transferred to pension establishment and struck off he strength of the Department w.e.f. 29-2-1976 (A.N.).

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

#### MINISTRY OF LABOUR

#### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the December 1975

No. Admn.12(15)-Genl/75.—Shri S. K. Sarkal, officiating Superintendent of Accounts has been appointed as Secretary to the Medical Superintendent, of Accounts has Central Hospital (T.B. Wing), Kalla, Asansol on ad-hoc basis w c f. 22-10-1975 (forenoon).

R. P. SINHA, Coal Mines Welfare Commissioner. Dhanbad

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 1st December 1975

No. EST.I-2(503).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 'he 1st April 1974 and until further orders Shu P. K. Prabhakar, Assistant Director, Gr. I (Designs) in the Weavers' Service Centre, Cannanore as Deputy Director (Designs) in the same centre.

R. P. KAPOOR Textile Commissioner

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 28th November 1975

No. A-1/1(1030).—This Dte. General notification of even number dated 21s October, 1975 may be amended to read as under:—

"The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri J. G. I. Jacob, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate as Assistant Director (Admn.)(Gr. II) in the Dte. of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the foreneon of 22nd August, 1975 and un'il further orders.

No A-1/1(329).—Shri K. S. Pattabhiraman permanent Junior Progress Officer and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Dte, of Supplies & Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(79).—On his reversion to the post of Deputy Director (Grade II of Indian Supply Service) Shri M, Singh relinquished charge of the office Director of Supplies (Grade

I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 31st October, 1975.

No. A-1/1(992).—Shri A. N. Bosc, permanent Head Clerk and officiating as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection (Mct.), Jamshedpur retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-I/1(930).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. B. Breja, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals. New Delhi to officiate as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 11th November, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri R. B. Breja as Assistant Direc or (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. Br. A-6)

New Delhi, the 3rd December 1975

No. A-6/247(34)/57-VI.—The President has been pleased to appoint Shri Ghansham N. Gidwani, officiating in Grade II of the Engineering Branch of Indian Inspection Service.

Class I to officiate in Grade I of the Service from the forenoon of 19th November 1975.

Shri Gidwani relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Headquarters office of the Inspection Wing in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi in the afternoon of the 10th November 1975 and assumed charge of the post of Director of Inspection, Madras Inspection Circle, Madras in the forenoon of the 19th November 1975.

No. A6/57(8)/58.1X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officiating Assistant Inspecting Officers (Textiles) substantively against the permanent posts of Assistant Inspecting Officer (Textiles) with effect from the dates noted against each:

- S. No., Name and Date of confirmation.
  - 1. Shri R. S. Godbole-20-3-1962.
  - 2. Shri Y. P. Gham-29-7-1966.
  - 3. Shri G. B. Pramanick-23-10-1966.
  - 4. Shri M. N. N. Swami-1-4-1967.
  - Shri M. V. Pant—10-2-968,
  - 6. Shri V. B. Hajela-1-4-1969.
  - 7. Shri C. P. Anand-1-7-1970.
  - 8. Shri K. C. Jain-25-11-1970,
  - 9, Shri V. J. M. Rao-15-7-1971.
  - Shri N. M. Date—1-11-1971.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th December 1975

No. A-31014/1/14-SVI (Vol. III).—The Director General All India Radio is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio with effect from the dates indicated against each:—

S. Name of the office No.			er			Date of confirmation					
1	2									3	4
1. Shri C	C. R. Venkta Ra	o	•	,						Dy. Assistant Planning Officer Directorate General All India Radio, New Delhi,	10-7-70
2. Shri S	S. H. Jakati	•			•	•	•		•	Station Engineer, TV Centre, All India Radio,	10-7-70
3. Shri e	G. C. Pandey		٠	•	•	•	•	·		Srinagar. Asstt. Plannning Officer P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	10-7-74
4. Shri V	/. Krishnamurth	У	•	•	•	•	-	•		Asstt. Installation Engineer, Office of the Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi.	10-7-70
5. Shri A	A. V. Thate	•		٠			•	•		Asstt. Station Engineer, All India Radio, Poona.	10-9-70
6. Shri (	3. C. Kalthal		•	•	•	٠	•	•		Asstt. Research Engineer, Research Department, All India Radio, New Delhi.	9-10-70
7. Shri S	S. C. Acharya			•	-			•		Station Engineer, All India Radio, Siliguri.	29-10-70
8. Shri I	3. L. Bhutani	•			-			•	•	Station Engineer, All India Radio, Mathura.	25-11-70
	R. D. Gupta	•	٠	•	-	٠	•	•	•	Station Engineer, Community Listening Scheme and Viewing Scheme, All India Radio, Srinagar.	30-11-70 g
10. Shri v	W. V. B. Ramali	ngam		• ,	•	•	•	•	•	Asstt. Research Engineer, Research Department, All India Radio, New Delhi.	12-1-71

1	2							3	4
						,	. ~		
11. Shri S. C. Mishra.	•	•	•	•	•		٠	Asstt. Station Engineer, All India, Radio, Patna.	8-2-71
12. Shri R, Parthasarthi .	•	•	•	•	•	•		Dy. Assistant Regional Engineer. Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.	13-3-71
13. Shri G. D. Kane .	•		٠	•		٠		Asstt, Station Engineer, All India Radio, Dharwar.	17-3-71
14. Shri P. C. Khare	•	•	•	•	•	•	٠	Asstt. Station Engineer, Office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi.	21-3-71
15. Shri M. Dorai Raj .	-	•	•	ě	-	٠	•	Asstt. Director, Community Listening, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	26-5-71
16. Shri R. Shanmugam	٠	•	•	•	•	•	٠	Dy. Assistant Regional Engineer, Office of the Regional Engineer (West)., All India Radio, Bombay.	2-7-71
17. Shri M. C. K. Raja			•	•	•		-	Dy. Assistant Planning Officer, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	3-7-71
18. Shri H. K. Vedi	•		•	•	٠	•		Staion Engineer, All India Radio, Indore.	1-9-71
19. Shri K. V. Apparao .	•	٠		•	,		•	Dy, Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	1-9-71
20. Smt. Kamla Devi	٠	٠	•	•	٠	•		Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-9-71
21. Shri G. Parthasarthy .	٠	•	•	•	٠			Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	27-10-71
22. Shri M. R. Amtey .	•	٠	•	•	٠		•	Dy. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.	15-1-71
23. Shri H. K. Singh Dhupia	•	·	•		٠	•		Dy. Assistant Regional Engineer, Office of the Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi.	16-11-71
24. Shri N. S. Ramaswamy,	•		•	•	•	•	•	Dy. Assistant Regional Engineer, Office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras.	16-11-71
25. Shri N. C. Pillai-I .	•	•	•	٠	•		•	Station Engineer, All India Radio, Trivandrum.	19-11-71
26. Shri S. G. Ranade		•		•	•			Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-11-71
27. Shri P. T. Lakhe	•	•	•	•	•	•	•	Asstt. Regional Engineer, Office of the Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta.	30-11-71
28. Shri S. A. Sundra Rajan	ı	•	•	•			•	Asstt. Station Engineer, All India Radio, Ahmedabad.	1-12-71
29. Shri K. Balakrishnan	•		•	•	•	٠		Station Englneer, All India Radio, Raipur.	3-1-72
30. Shri R. Ganesan	٠	•	•	•	•	٠	•	Asstt. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.	24-1-72
31. Shri A. Sreeniyasan		•	•	•	•	•	•	Station Engineer, All India Radio, Agartalu,	10-2-72
32. Shri R. C. Dakshindas,		•	•	•	•		•	Dy. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (West) All India Radio, Bombay.	11-2-72
33. Shri K. V. Bhima Rao .				•		•		Senior Engineering Instructor, Staff Training Institute, (Technical) Indraprastha Estate, All India Radio, New Delhi.	23-2-72
33. Shri B, S, Dhar	•	•	•	•	•		٠	Dy. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (East) All India Radio, Calcutta.	1-3-72
35. Shri M. R. Sakhuja	•	•	•	•	٠	•		Dy. Assistant Regional Engineer, Office of Regional Engineer (North) All India Radio, Ne w Delhi.	20-4-72
36. Shri M. P. Khosla	•	٠	•	٠		•	•	Dy. Assistant Planning Officer (TR) P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-5-72

1	2							3	4
37. Shri G. Vaidyanathan			•		,			Assistant Installation Engineer, Office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras.	20-5-72
38. Shri T. N. Dhar		•	٠			•	•	Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-5-72
39. Shri S, Satyabhama .						,		Assistant Station Engineer, All India Radio, Vijayawada.	20-5-72
40. Shri N. M. Dattetraya		•	•					Dy. Assistant Regional Engineer, Office of Regional Engineer (South)	20-5-72
41. Shri Raghuvansh Behari L	.a1			٠				All India Radio, Madras.  Dy. Assistant Planning Officer,  P&D Unit, Directorate General,  All India Radio, New Delhi.	20 -5-72
42. Shri G. E. Deshpande .								Asstt. Station Engineer, All India Radio, Sangli.	20-5-72
43. Shri John Arthur Joseph								Asstt. Station Engineer, TV Centre, All India Radio, New Delhi.	20-5-72
44. Shri B. P. Srivastava .		•			•	•	•	Dy. Engineer-in-Charg, High Power Transmitters, All India Radio, Aligarh.	20-5-72
45. Shrì G. N. R. Hangal .		•			•	•	٠	Dy, Engineer-in-Charge, High Power Transmitters, All India Radio, Kingsway, Delhi.	20-5-72
46. Shri V. Balaraman .								Dy. Assistant Planning officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-5-72
47. Shri Y. N. Bhalme	٠			•	•	•	•	Asstt. Station Engineer, All India Radio, Nagpur.	20-5-72
48. Shri S. Raghvendra Rao			٠		•			Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi,	20-5-72
49. Shri Bharat Kumar .	٠	•	•				•	Assistant Installation Engineer, Office of the Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi,	20-5-72
50. Shri N. J. Nair	•		•		•	•	•	Asstt. Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20 -5-72
51. Shri M. Gopalakrishnan	•	•	•	•	٠	٠	-	Asstt. Station Engineer,, All India Radio, Bangalore.	20-5-72
52. Shri B. D. Tripathi .	٠				•			Assistant Station Engineer, All India Radio, Delhi.	20-5-72
53. Shri M. N. Balasubraman	ian	٠		•		•		Asstt. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras.	20-5-72
54. Shri N. Narayanaswamy		٠	٠	٠	•	•		Senior Engineering Instructor, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	20-5-72
55. Shri D. M. Madhekar					٠			Assistant Station Engineer, All India Radio, Indore.	20-5-72
56, Shri J. C. Bhargava		•				•		Assistant Station Engineer, Office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi.	20-5-72
57. Shri H. D. Ramlal				•				Astt. Research Engineer, Research Department, All India Radio, New Delhi,	20-5-72
58. Shri L. Hariharan			٠	٠		•	-	Asstt. Installation Engineer, Office of Regional Engineer (West), All India Radio, Bombay.	20-5-72
59. Shri K. C. Datta		٠	•		•		•	Asstt, Station Engineer. High Power Transmitters, All India Radio, Chinsurah.	20-5-72
60. Shri R. R. Unnithan .			•	•		•		Asstt. Station Engineer, All India Radio, Trivandrum.	20-5-72
61. Shri T. Chandrasekharan			•	•	•		•	Station Engineer, All India Radio, Jeypore.	20-5-72

1	2	3	4
62 Shri I	S Barapaire	Asstt Station Engineer, All India Radio Ahmedabad	20-5-7
3 Shri l	€ Nagarajan	Assit Station Engineer, All India Radio Tiruchitapalli	20-5-7
4 Shri I	CT K Sarma	Asset Station Engineer All India Radio, Hyderabad	20-5-7
5 Shri F	I O Agarwal	Research Officer, Office of Regional Engineer (North),	20-5-7
56 Shru	Pratap Singh	All India Radio, New Delhi Assit Station Engineer,	20-5-7
67 Shri N	N C Pillal-II	All India Radio, Jab doui  Dy Assistant Regional Engineer,	20-5-7
8 Shri F	N. Ghosh	Office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras  Dy Assistant Regional Engineer  Office of Regional Engineer (North)	20-5-
9 Shri (	G R Parthasarthy	Office of Regional Engineer (North) All India Radio New Delhi Asst Installation Engineer  Office set the Regional Engineer (West)	20-5-7
10 CL I	E M 1 =	Office of the Regional Engineer (West) All India Radio Bombay	20.5.5
U Shrif	( Narsimah in	Assit Installation Engineer Office of Regional Engineer (South) All India Radio, Madras	20-5-7
1 Shrik	ΣP Rumaswusay	Station Engineer Office of Station Director, TV Sattelite Base Production Centre All India Radio Hyderabad	20-5-7
2 Shri B	L Moltra	Asset Station Engineer All India Radio, Ahmedabad	20-5
3 Shri N	1 N Athoralu	Asst Installation Engineer, Office of Regional Engineer (West) All India Radio, Bombay	20-5
4 Shri V	Varadarajalu	Assit Installation Engineer Office of Regional Engineer (West) All India Radio, Bombay	20 5
5 Shri B	N Mathew	Asstt Station Engineer All India Radio Calcut	20-5-
5 ShriS	R Pavanamurthy	Assistant Station Engineer, All India Radio, Bhadrayati	20-5-
7 Shri K	C Tandavasai	Dy Assistant Regional Enginneer Office of Regional Engineer (East) All India Radio, Calcutta	20-5-
3 Shti N	Venkattan	Asstt Station Engineer Commercial Broadcasting Service All India Radio, Bangalore,	20-5-7
9 Shri A	K Chatterjee	Dy Assistant Planning Officer P&D Unit Directorate General All India Radio New Delhi	20-5-
Shri S	C Dubey	Assistant Engineer, High Power Transmitters, All India Radio Kingsway Delhi	20 5
Shti O	m Prakash Khushu	Station Engineer Directorate General, All India Radio, New Delfi	20-5-1
2 Shri N	Iahe⊓dra Nath Mehtanı	Station Engineer, TV Centra All India Radio, Srinagur	20 5-7
3 Shti F	Ramadugu Sheshayya	Asstt Station Engineer High Power Transmitters All India Radio, Malad, Bombay	20-5-7
4 Shri R	tavınder Nath Saxena	_	20-5-7
5 Shri N	1 Ganesan	Asstt Station Engineer TV Centre All India Radio Bombay	20-5-7
Shri S	urjit Singh Swani	Dy Assistant Planning Officer P&D Unit Directorate General All India Radio New Delhi	29-5-7
Shri B	asappa Sajan	Asstt Station Engineer, TV Centre, All India Radio Bombay	16-6-7
3 Shri V	ireadra Vija <b>y</b>	Station Engineer All India Radio, Gulbarga	1-7-72

1 2								3	_ <del></del>
89. Shri Harsh Vardhan ,								Station Engineer, TV Relay Centre,	15-7-72
90. Shri Pranab Kumar Choud	hury	•						All India Radio, Poona.  Asstt. Station Engineer, TV Centre, All India Radio, Calcutta.	1-10-72
91. Shri R. Narayanan .		•	•	•	•			Asstt. Station Engineer, TV Centre, All India Radio, Madras.	9-2-73
92, Shri K. C. C. Raja .	•		•			•	•	Asstt. Regional Engineer, Office of Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta.	6-3-73
93. Shri K. K. Sharma .	•		•	•	•	•	•	Asstt. Station Engineer, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	14-4-73
94. Shri M. M. Asthana .								Asstt. Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi,	1-1-74
95. Shri Prem Chandra .		•				,	•	Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate, General, All India Radio, New Delhi.	9-1-74
96, Shri P. R. Sankaran Nair	•	•	•	٠		•		Research Officer, Research Department, All India Radio, New Delhi.	11-3-74
97. Shri L. D. Padmanabhan	•	•	٠	•	•			Dy. Asstt. Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	2?-5 74
93. Shri Santosh Kumar Bisarla		•	•	•	•	•	٠	Assistant Station Engineer, TV Centre, All India Radio, New Delhi.	23-5-74
99. Shri Surendra Pratap Singh	ī	-	•	•	•	•	•	Asstt. Station Engineer, Base Production Unit, TV Sattelite, All India Radio, New Delhi.	23-5-74
100. Shri Kuldip Chander Talwai	Г	•	•	•	•	•	٠	Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	23-5-74
101. Shri P.K. Mukhopadhyay	•	Ū	•	•	٠	٠	٠	Assistant Station Engineer, TV Centre, All India Radio, Calcutta.	23-5-74
102. Shri Sharda Prasad .		•	•	٠	•	•	•	Assistant Station Engineer, High Power Transmitters, All India Radio, Kingsway, Delhi.	23-5-74
103. Shri Santosh Kumar Sen	•	•	•	-	•	•	٠	Asstt. Statlon Engineer, TV Centre, All India Radio, Calcutta.	23-5-74
104. Shri V. S. Tiwari , .	•	•	•	-	•	•	•	Research Officer, Office of the Research Engineer, All India Radio, New Delhi.	23-5-74
105. Shri M.L. Keshwani	•		•	•	•	٠		Asstt. Station Engineer, Directorate General, All India Radio, New Dolhi.	23-5-74
106. Shri H. C. Pant	٠	•	•	-	•	•	•	Asstt. Installation Enginer, Office of Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi.	23-5-74
107. Shri K. V. V. Krlshnaiah	•	-	•	٠	•		•	Office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras.	1-6-74
108. Shri Srinivatan Sundram	•			٠	•	•	•	Asstt. Station Engineer, All India Radio, Agartala.	1-7-74
109. Smt. Ratna Chakarborty				•	·	٠	-	Dy. Assistant Planning Officer, P&D Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.	1-11-74
110. Shri P. K. Subramanlan-II	•	•	•	٠	٠	٠	•	Station Engineer, All India Radio, Shillong.	1-11-74

<sup>2.</sup> The confirmation of all the officers mentioned above is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to serve under a Public Corporation, if formed and that on such transfer they will be liable to the conditions of Service laid down for the employees of that Corporation.

#### New Delhi, the 4th December 1975

No. A-31014/1/74-SVI(Vol.III).—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Ramaseshu. Assistant Station Engineer, All India Radio at present on deputation with M/S Bharat Electronics Ltd. Bangalore substantively in the post of Assistant Engineer, All India Radio, Lucknow with effect from the 2nd December, 1970.

2. The confirmation of Shri Ramaseshu is subject to the condition that he will be liable to transfer at any time to serve under a Public Corporation, if formed, and on such transfer he will be liable to the conditions of service laid down for the employees of that Corporation.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General

#### New Delhi, the 28th November 1975

No. 2/4/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following officers in the Cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officialing capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the dates mentioned against each until further orders.—

S. No., Name of officer, Office/Station where posted and Date of appointment.

- 1. Shri Ganga Ram, All India Radio, Jodhpur-3-11-75.
- Shri Subhash Chand Sahu, TV Centre, AIR, Srinagar—4-11-75.

#### (PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT

New Delhi, the 3rd December 1975

No. 5(3)/69-D()S.—In partial modification of this Directorate's Notification No. 5(3)/69-D()S, dated 26-12-1974, Shri P. V. Ramakrishnan, Accounts Officer, in the office of Accountant General, Tamil Nadu, Madras has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the office of Regional Engineer (South), All India Radio, Madras with effect from 24-9-1974 (A.N.) upto 24-9-1976 (F.N.).

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th November 1975

No. F.29-7/74-CGHSL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following officers to the posts of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme under the Directorate General of Health Services substantively with effect from the date indicated against each:—

- 1. Dr. Surya Prakash-1st April, 1967.
- Dr. (Kum.) Lalitesh Kashyap—16th November, 1973.
- 3. Dr. Rama Kant Agnihotri-16th November, 1973.
- 4. Dr. (Smt.) Santosh Arora-16th November, 1973.
- 5. Dr. Ravindra Nath Singh-16th November, 1973.
- Dr. Shri Krishan Dutt Shukla—16th November, 1973.
- 7. Dr. Raghunandan Prasad Sahu-1st March, 1974.

#### The 4th December 1975

No. 20/1(26)/75-CGHSI.—Consequent on her transfer from Central Govt. Health Scheme, Delhi Dr. (Smt) Sarojini Nigam, Homoeopathic Physician relinquished the charge of post on the afternoon of 11th October, 1975 and assumed duty of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Kanpur on the forenoon of the 18th October, 1975.

#### The 5th December 1975

No. 9-34/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Urmila Gautam to the post of Ayurvedic Physician (on ad hoc basis) in the Central Govt. Health Scheme Nagpur under this Directorate with effect from the forenoon of the 24th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL, Deputy Director Administration (CGHS)

#### New Delhi, the 1st December 1975

#### Corrigendum

No. 20/6(2)75(CGHS I.—Name of Junior Medical Officer (ad hoc) may be read as "Dr. P. Vema Rao" instead of "Dr. P. Verma Rao" as indicated in Notification No. 20/6(2)75 CGHS.I dated 2-9-75

K. VENUGOPAL,
Dy. Director of Administration
for Director General of Health Services

#### New Delhi, the 1st December 1975

No. 16-42/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. V. Narurkar, Stores Supdt., Govt. Medical Store Depot, Bombay as Assistant Depot Manager, in the Medical Store Organisation, on temporary basis with effect from 6th November, 1975 (foremonn) at the Medical Store Depot, Bombay until further orders.

SANGAT SINGH.

Dy. Director Administration (Stores)

for Director General of Health Services

#### New Delhi, the 2nd December 1975

No. 28-8/74-Admn, I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava to the post of Assistant Director (Ent.) at Regional Coordination Organisation, National Malaria Eradication Programme, Baroda with effect from the 29th October, 1975 on an ad hoc basis and until further orders.

No. 6-7/75-Admn.I.—Shri Satya Pal Bhandari relinquished charge of the post of Accounts Officer, Central Research Institute, Kasauli on the afternoon of 5th November, 1975.

S. P. JINDAL Deputy Director Administration

#### New Delhi, the 2nd December 1975

No. 9-40/72-Admn.-I.—The Director General of Hetlth Services is pleased to appoint Shri Purushottam Kakra to the post of Lecturer in Physics at the Rajkumari Amrit College of Nursing, New Delhi with effect from the foremon of the 1st October, 1975 in an officiating capacity and until further orders.

#### The 4th December 1975

No. 13-13/74-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Dr. Balraj Sur in the post of Staff Surgeon (Dental) (C.G.H.S.) with effect from the forenoon of the 19th November, 1975 in an officiating capacity and until further orders.

No. 9-19/75-Admn.I.—The Director of Adminissitration & Vigilance, Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from Government Service of Kumari Aloyamma John and Kumari Suzana Dodda, Clinical Instructors at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 30th September, 1975.

No. 1-14/70-Admn -I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. A. Sampathkumaran, Co-ordinating officer, All India Institute of Hygiene and Public Health Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of the 31st October, 1975.

No. 19-2/75-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Shri B. Krishnan to the post of Asstt. Professor of Bio-physics at the Jawahailal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry on an ad hoc basis with effect from forenoon of 25th October, 1975 and until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Assit. Professor of Biophysics, Shri B. Krishnan relinquished charge of the post of Lecturer in Physics at the same Institute on the forenoon of the 25th October, 1975.

No. 9-33/72-Admn.l.—The Director Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Smt. N. D Iully, Clinical Instructor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 31st October, 1975.

No. 6-12/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Sowrirajulu, Assistant Accounts Officer, Central Research Institute, Kasauli as Accounts Officer at the same Institute in the leave vacancy of Shri S. P. Bhandari, from 18-8-1975 to 20-9-1975.

R. N. TEWARI, Deputy Director Administration

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF IRRIGATION)

### OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 2nd December 1975

No. PF-II/221/10911.—Sr<sub>1</sub> Karm Bir Singh is appointed as Assistant Engineer (Mechanical) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Agriculture & Irrigation, (Department of Irrigation) in a temporary capacity with effect from the 27th August 1975 afternoon and until further order.

J. N. MONDAL, General Manager, Farakka Batrage Project

## (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 5th December 1975

No. F. 74/15/72-D1.—I. F. S. Partha Sarathy, Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December, 1956, (2)

83 dated the 29th July 1961 (3) 3752 dated the h26t December, 1955 and (4) 157 dated the 22nd June, 1963 and GSR-904 dt 27-6-64 hereby authorise the following officers of this Directorate to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Essential Oils and Vegetable Oils which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and marking Rules, 1954 and Vegetable Oils Grading and Marking Rules, 1955 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

- Shri S. K. Hajela, Dy. Senior Marketing Officer, Bombay.
- (2) Shri N. P. Kamble, Asstt. Marketing Officer,
- (3) Shri A. K. Shastry, Marketing Officer, Bombay.

E. S. PARTHASARATHY, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 17th November 1975

No. PA/81(123)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Madhusudan Ramachandra Navarttna, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

#### The 20th November 1975

No. PA/81(126)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dhiraj Prabhubhai Lalla, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(126)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Subhash Vasudeo Gogate, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same research Centre as an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further olders.

No. PA/81(128)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Parshuram Pundlik Mayekar, a permanent Draughtsman (A) and officiating Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

#### Bombay-400085, the 2nd December 1975

No. 14(90)/70-Eatt. XIII/1406.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Smt. A. Chako, a temporary Matron in a substantive capacity against the permanent post of Matron (Gazetted Class II) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from March 1, 1968.

C. J. JOSEPH, Dy. Establishment Officer

#### Bombay-85 the 2nd December 1975.

Ref. 5/1/75/Estt. V./42— The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officials in this Research Centre to officiate against the posts and for the period indicated against each :-

S. Name & Designation No.	ation			Post to wheih appointed	Duration of the offg. appointment	Remarks
1. Kum. H.B. Vijayakar Administrative Officer-I			-	Administrative Officer-II	18-11-74 to 18-7-75	Vice Shri V. P. Chopra, AO II appointed to officiate as AO III/DEO.
2. Shri N. Venkatasubramani Asstt. Personnel Officer	an,	·	٠	Admn. Officer-I	18-11-74 to 18-7-75	Vice Kum. H.B. Vijayakar appointed to officiate as AO II
3. Shri P. S. Mokhasi . Stenographer (St.)	•		,	. Asstt. Personnel Officer	1811-74 to 18-7-75	Vice N. Venkatasubramanian appointed to officiate as AO1.
4. Shri R. H. Shanmukham Administrative Officer-I				. Administrative Officer-II	17-3-75 to 23-5-75	Vice Shri Y. Sambamurti AO II, granted leave.
5. Shri N. L. Venkiteswaran, Asstt. Personnel Officer	•		•	, Administrative Officer-I	17-3-75 to 23-5-75	Vice Shri R. H. Shanmukham appointed to officiate as AO II.
6. Shr K. S. Vachhani Assistant			-	Asstt. Perasonnel Officer	20-1-75 to 23-5-75	Vice Kum. S. Goplala Krishr ar. APO granted leave and Shri N.L. Venkiteswaran, APO. appointed to officiate as AO 1.
7. Shri P. T. Borkar, . Assistant				. Asstt. Personnel Officer	21-7-75 to 30-8-75	Vice Shri V. V. Sahasrabudhe, APO, deputed to undergo the 15th course in Vigilar ce Methods and Procedure conducted by the Institute of Secretariat Training & Management, New Delhi.

V. P. CHOPRA, Dy. Establishment Officer.

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT Kalpakkam-603102, the 26th November 1975

No. 18(60)/75-Rectt - Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri S. Kumar Swamy Patro, temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975.

A. EAPPEN, General Administrative Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS Bombay-400008, the 19th November 1975

MEMORANDUM

Ref, HWP/Estt/1/R-37/7580.—In pursuance of clause (ii) of the terms and condition of appointment communicate to him vide letter No. 05012/5163 dated June 13, 1973 read with para 3 of Memorandum No. 05000/R/37/CO/TUT/396 dated July 7, 1973, I hereby give notice to Shri Muthukrishnan Rajendran, Tradesman 'C', Heavy Water Project (Tutcorin) that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him

#### The 1st December 1975

05000/R.12/HWP/8070.—Officer-on-Special Heavy Water Projects, appoints Shri Ram Nirmaldas Ram-chandani, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant of Nuclear Fuel Complex, to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), in a temporary capacity, with effect from November, 29, 1975 (A.N.), until further orders.

#### The 4th December 1975

No. HWPs/Estt /1/C-5/8018.—Officer-on-Special Heavy Water Projects, appoints Shir Sudbir Prabhakar Chitre, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Baroda), as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the foreneous of August 1 1975, until further orders. forenoon of August 1, 1975, until further orders,

HWPs/Estt./1/K-16/8019.—Officer-on-Special Heavy Water Projects, appoints Shri Vilas Prabhakar Kul-karni, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Baioda), as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

T. C. SATHYAKKEERTHY, Senior Administrative Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE

### INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 19th November 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased appoint Shri Ramesh R. Asher as Scientist/Engineer SB (Film Editor) on a basic pay of Rs. 650/per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35— 880—401—1000—EB—40—1200/- in the Systems Group of the Space Applications Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from September 29, 1975 for a period upto July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to accept the resignation of Shri Lamuel Henry, Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Olganisation with effect from the afternoon of October 23, 1975.

#### The 28th November 1975

No. SAC/ESI/1.1.57/75—The Director is pleased to appoint on Promotion Shri D. K. Dhar, Scientific Assistant 'C' as Engineer SB on a basic pay of Rs. 680/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—140—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Communications Area of the Space Applications Centre, of the Indian Space Research Organisation with effect from August 30, 1975.

No. SAC/EST/1.1.57/75.—The Director is pleased to appoint on Promotion Shri V. Sukumaran, Scientific Assistant 'C' as Engineer SB on a basic pay of Rs. 680/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Communications

Area of the Space Applications Centre, of the Indian Space Research Organisation with effect from October 19, 1975.

> Major R. C. SAMUEL (Retd) Administrative Officer-II

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 4th December 1975

No. E(1)05195.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Das, Prof. Asstt, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from 'he forenoon of 17-11-1975 to 13-2-1976.

Shri S. K. Das, Officiating Assistant Meteorologist has been transferred to the H.Q. office of the Director General of Observatories, New Delhi with effect from forenoon of 17-11-1975.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th, December 1975.

No. A 32014/2/74-EC:—The Director General of Civil Aviation is please to appoint the undermentioned Communication Assistants in the Assonautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officer in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their names.

S. Na No.	ame									Date from which appointed	Station to which posted.		
1	2								 	3	4		
1. Shri T. V. Natrajan								4		25-10-1975 (FN)	A.C.S. Bombay,		
2. Shri P. N. Malik .		-	•	-	•					1-11-1975 (FN)	A.C.S., Safdarjung. Airport, N. Delhi.		
3. Shri S. S. Dutta		•	•			•				7-11-1975 (FN)	A. C. S., Calcutta.		

V. V. JOHRI, Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 5th December 1975

No. A 38012/1/75-EA.—The President has been pleased to permit Shri T. Sivasankaran, Regional Controller of Aerodromes, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay, to retire from Government Service in terms of the provision of FR 56(k), with effect from the 20th November, 1975 aftersoon after expiry of the leove granted to him.

V. V. JOHRI, Asstt. Director of Administration

#### New Delhi, the 5th December 1975

No. A.32013/13/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishnaswamy, Assistant Communication Officer, as Communication Officer in the Office of the Regional Director, Madras, for the period from 29th August, 1975 to 15th November, 1975, on an ad hoc basis in the leave vacancy of Shri K. S. Krishnamurthy.

No. A.32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers, working as Technical Officer on an ad hoc basis, as Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with

effect from 29th October, 1975 (forenoon) and until further orders .—

- 1. Shri N. R. Swamy,
- 2. Shri S. P. Hardas.
- 3. Shri R. K. Verma.
- 4. Shri S. Krishnaswamy,
- 5. Shri J. V. Sarma.
- 6. Shri A. G. Narsimhan.
- 7. Shri A. Jagdesan.
- 8. Shri S. Jayaraman.
- 9. Shri K. K. Narayana.
- 10. Shri K. P. B. Nair. 11. Shri B. D. Garekar.
- 12 Shri I. P. Samuel.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

#### COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

#### Patna, the 25th November 1975

C. No. II(7)5-ET/75/12441.—In pursuance of this office Estl. Order No. 405/75 dated 30-10-75 issued under endt. II(3)43-ET/73/1/63554-81 dated 30-10-75, appointing Sri D. N. Ganguli, Inspector (S.G.) of Central Excise and

Customs to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rule, Sri D. N. Ganguli assumed charge as Superintendent Central Excise Monghyr Range in the forenoon on 14-11-75.

H. N. SAHU, Collector Central Excise, Patna

#### Chandigarh, the 4th December 1975

#### ESTABLISHMENT

No. 132.—Shri Avtar Singh, Inspector (DG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-. Shri Avtar Singh took over the charge of the post of Superintendent of Central Excise Class II at Collectorate Hqrs. Office, Chandigarh in the forenon of the 4th November, 1975.

B. K. SETHI, Collector

## DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 1st December 1975

No. 15/75.—On reversion from the Central Excise Tobacco Excise Tariff Committee and on expiry of the Earned Leave sanctioned to him from 1-5-1975 to 30-7-1975, Shri S. N. Verma appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi vide this Directorate Order No. 1041/3/71(Confi) dated the 29th January. 1974, assumed charge of the post of Assistant Chief Accounts Officer in this Directorate with effect from 1st August, 1975.

IC. No. 1041/28/73]
H. S. MEHTA,
Director of Inspection
Customs and Central Excise

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 2nd December 1975

No. A.32012/4/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32012/4/70-Adm.V. dated the 4th June, 1975, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water Commission, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 4-11-75 to 31-12-75 or till such time as the posts in this grade are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri R. S. Anand,
- 2. Shri S. S. Sachar.
- 3 Shri K. N. Nair.

KK, K. P. B. MENON, Under Secretary for Chairman, C.W. Commission

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF New Delhi, the 1st December 1975

N). 27-S/G(1)/69-ECII.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of super-

annuation have retired from Govt, service on 10-11-75 (A.N.)

Name and Present Designation.

- Shri C. P. Govil—On leave preparatory to retirement and formerly Superintending Engineer, Food Storage Circle, New Delhi.
- 2. Shri S. N. Mullick-Executive Engineer, Valuation Unit No. 2, Income Tax Deptt., Calcutta-16.
- Shri N. G. K. Murty—Executive Engineer on deputation to Central Vigilance Commission as Technical Examiner, New Delhi.
- S. Vishwanathan—Executive Engineer, Food Storage Division, Madras.
- R. S. Jain—Executive Engineer (Training) CPWD, New Delhi,

P. S. PARWAN, Deputy Director of Administration

## I)EPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Venadu Agricultural Grain Company Limited

Ernakulam, the 24th November 1975

No. 1300/Liq/560/R-6103/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Venadu Agricultural Grain Company I imited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and said company will be dissolved.

P. S. ANWAR, Registrar of Companies, Kerala

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hotel Palace Ajanta Private Limited Bombay-2, the 2nd December 1975

No 14573/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that on the expiration of three months from the date hereof the name of the Hotel Palace Ajanta Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kotharl Knitting Industries Private Limited

Bombay-2, the 3rd December 1975

No. 14961/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kothari Knitting Industries Private Limited has this day been struck off the Registrar and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Eastern Distillery Private Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No 25225/560(5).—Notice is hereby given pursuant in sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Eastern Distillery Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Deshbandhu Cotton Mills Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No. 3868/560(5).—Notice in hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Deshbandhu Cotton Mills Limited has the day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Banerjee Engineers Private Limited Calcutta, the 2nd December 1975

No. 23723/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Banerjee Engineers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rose Minerals & Ice Co. Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No. 14669/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the Name of the Rose Minerals & Ice Co. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bengal Bifurcated Rivets Private Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No. 24996/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Bifurcated Rivets Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bengal Real Paint & Hardware Stores Private Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No. 18746/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Real Paint & Hardware Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Everest Cine Corporation Private Limited

Calcutta, the 2nd December 1975

No. 21820/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Everest Cine Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

The 3rd December 1975

No. 2681/liqn/5.560/75.—Whereas "THE SHANMUGA VILAS THEATRES LIMITED having its registered office at 329/14. Ambalapuri Bazar, Rajapalayam is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of Accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956, notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P ANNAPURNA, Addl. Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Colorantes Private Ltd.

Ahmedabad, the 4th December 1975

No. 328/560—Notice hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Colorantes Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat.

#### DIRECTORATE OF ORGANISATION AND MANAGE-MENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 14th November 1975

F. No. 9/808/74/DOMS/41-42.—In pursuance of the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax), New Delhi's Office Order No. 9/808/74 DOMS dated 14-11-1975. Shti N. D. Berry assumed the charge of the office of the Programmer in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax), New Delhi on the forenoon of 14th November, 1975.

H. D. BAHL,
Director of Organisation &
Management Services (I. Tax),
New Delhi

٠ :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Rcf. No. AP-1408.—Whereas, I. RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Baling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/
  or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-396 GI/75

- Shri Teja Singh s/o Piara Singh, Vill. Baling, Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Pb. Iron & Steel Cop. (P) Ltd. Vill. Baling Teh. Jullundur through Major Kirpal Singh. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 203 of April 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliandur.

Date: 17-12-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No AP-1409.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Chachowal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred u nder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lilawati w/o Inder Singh G.A. To Inder Singh s/o Lal Singh 1/o Chachowal, Teh Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Makhan Singh s/o Jarnail Singh r/o Raipur, Teh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Sald Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as menitoued in Regd. Deed No. 944 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-1975.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1410.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situtated at Chachowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or i.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurdit Singh s/o Kehar Singh s/o Shamsher Singh, Chachowal.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Singh s/o Jarnail Singh s/o Banta Singh, Raipur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and as mentioned in Regd. Deed No. 945 of April, 1975 of S.R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 17-12-1975, **Seal:** 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1411.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Raipur Rasulpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jullandur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Indira Golak Nath d/o H. Golak Nath, Mission Compound, Jullundur, (Transferor)
- (2) Shri Harnek Singh s/o Shri Piara Singh s/o Lachbman Singh R/o Raipur Rasulpur, Teh. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the persons, whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 864 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

Scal:

- (1) Shri Indira Golak Nath d/o H. Golak Nath, Mission Compound, Jullundur.

  (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Shri Inderjit Singh s/o Shri Piara Singh s/o Lachhman Singh, r/o Vill. Raipur Rasulpur, Teh. Jullundur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 17th December 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AP-1412.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at Raipur Rasulpui, (and more fully described in the

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jullundur in April 1975,

FARLMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

l and as mentioned in Regd. Deed No. 927 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 17-12-1975.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1413.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Raipur Rasulpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shii Piara Singh s/o Lachhman Singh s/o village Raipur Rasulpur, Teh. Jullundur,

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land,
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 444 of April, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

(1) Shri Birinder Singh s/o Charanit Singh s/o Naraiu Singh r/o Basti Baba Khel, Jullundur.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1414.--Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Basti Bawa Khel, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registation Act, 1908 (16 of 1908) the Office of the Registering Officer at Jullandar in April 1975.

for an apparent

the object of :-

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (2) M/s Mahey Lands, Chowk Adda Hoshiai pur. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 377 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

> RAVINDER KUMAR Competen Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullandur.

Date: 17-12-1975. Seal:

- (1) Shri Sarbjit Singh s/o Mohinder Singh s/o Prem Singh R O Basti Danishmand i Jullundur (Transferor)
- (2) M/s Balwant Brothers, Basti Nau, Jullundin (fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, JULI UNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref No AP 1415 Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Basti Danishmanda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration

which I less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

- said instrument of transfer with the object of :--
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely .—

- (3) As per Sr No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd Deed No 789 of April, 1975 of SR Jullundur

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 17-12-1975.

137

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1416.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nakodar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar in April 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--18--395GI/76

(1) Shri Chanan Singh s/o Batna, Vill. Sohal Khurd. (Transferor)

- (2) Shri Gurpal Chand s/o Sadhu Ram, Vill. Aulak. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 5 of April 1975 of S.R. Jullundur,

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Re' No. AP-1391.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarlok Chand s/o Dewan Chand c/o Wadhawamal. W.G. 249, Islamabad, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Tarlochan Singh s/o Partap Singh s/o Prem Singh of Kapurthala through Shri Charanjit Singh G.A. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing o the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 982 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1392.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Mohalla Prem Garh Hoshiar-pur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hoshiarpur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, '1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ranjit Singh, 2 Gurbakhsh Singh ss/o Darshan Singh Saini, r/o Premgarh, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Smt. Shila Wati w/o Charan Singh and Santokh Singh s/o Chanan Singh r/o Bamoel, Thana Mahilpur, Distt. Hoshiarpur.

  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 138 of April 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Juilundur,

Date: 17-12-1975.

Seal .

(1) S/Shri Krishan Lal 2, Madan Mohan Dhawan, 3. Hans Raj, 4. Harbans Lal ss/o Shri Mahla Ram, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1393.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at Adarsh Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975, consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) Shri Sudershan Kumar 2. Santosh Kumar ss/o Shri Des Raj Jain and 3. Mrs. Chanchal Jain w/o Shri Sudershan Kumar 4. Mrs. Durga Devi wd/o Shri Des Raj, 223-Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. April 1975 of S.R. Jullundur.
(1) 650×771 of April 1975.

οf

(2) 653×678 of April 1975. (3) 654×770 of April 1975. (4) 652×769 of April 1975.

RAVINDER KUMAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No AP-1394 -- Whereas I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Mahla Ram 1/o New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shii Santokh Kumar s/o Des Raj, Adatsh Nagar, Inllundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the hard (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd Sale Deed No 654 of April 1975 of the SR Jullundur

> RAVINDER LUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

17-12-1975. Date

Soul

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1395.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 265B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

- (1) Shri Madan Mohan Dhawan s/o Shri Mahla Ram 1/o New Jawahar Nagar, Juliundur.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Chanchal Kaur w/o Sudershan Kumar Kothi No. 223-Adarsha Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd, Sale Deed No. 653 of April 1975 of S.R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Data: 17-12-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1396.--Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) c. the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Harbans Lal s/o Shri Mahla Ram, New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Durga Devi wd/o Shri Des Raj Jain, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed. No. 652 of April 1975 of S.R. Jullundur.

> RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1397.-Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Adarsh Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Lal s/o Mahla Ram Dhawan, New Jawahar Nagar, Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Sudershan Kumar Jain s/o Shri Des Raj, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd, Sale Deed No. 650 of April 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1398.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

19---396GI/75

(1) Shii Hans Raj Dhawan s/o Mahla Ram, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transeferor)

(2) Shri Santosh Kumar s/o Des Raj, 1/o Adarsh Nagar, Jullundur,

(Transfree)

(3) As per Sr No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 770 of April 1975 of the SR Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date 17-12-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1399.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in April 1975,

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value, of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbans Lal s/o Mahala Rama r/o Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Durga Wd/o Shri Des Raj r/o Adarsh Nagar, Juliundur.

  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in property,
  (Person whom the undersigned knows to be
  interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 769 of April 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 17-12-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1400.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Lal s/o Mahala Ram Jain of New Jawahar Nagar, Juliundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Sudershan Kumar s/o Des Raj r/o Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 771 of April 1975 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
nspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 17-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1401.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Adarsh Nagar,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullandur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Lal, Hans Raj, Madan Mohan Dhawan and Harbans Lal ss/o Shri Mahla Ram, New Jawahar Nagar, Juljundur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sudershan Kumar Jain, Santokh Kumar ss/o Shri Des Raj and Mrs. Chanchal Jain w/o Shri Sudershan Kumar, 223-Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property,
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 678 of April 1975 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

Seal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1402.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Shakti Nagat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh, s/o Shri Amar Singh, K. No. 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Kishan Chand 2. Ramesh Chander 3. Subhash Chander ss/o Shri Shivan Ditt. Mal, 126-Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Decd No. (i) 905, (ii) 948 of 4/75 and 1220, 1258 of 5/75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-1975.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1403.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Shakti Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh s/o Shri Amer Singh, 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Shivandittamal 21, Ali Mohalla, Juliundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 905 of April 1975 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1404.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Acı, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ali Mohalla, Juliundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Rajinder Singh s/o Amar Singh, 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

 Shri Rumesh Chander s/o Shivandutamal 21, Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 948 of April, 1975 of the S.R. Juliundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 17-12-1975.

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1405.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Shakti Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in May 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shti Rajinder Singh s/o Amar Singh, 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Subash Chander s/o Shri Shivanditta Mal of Jullundur, 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed. No. 1220 of May 1975 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-1975,

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1406.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Shakti Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—
20—396G1/75

(1) Shri 'Rajinder Singh s/o S. Amai Singh, 196, Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal s/o Shivdittamal, 196, Shaktı Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or 'a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 1258 of May, 1975 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1975

Ref. No. AP-1407.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kapoor Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Shri Deva Singh village Kapoor Pind.

(Transferor)

(2) Shri malkit Singh s/o Shri Balwant Singh, vill. Kapoor Pind.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupaion of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act / shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 1903 of May 1975 of S.R. Juliundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 17-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1975

Ref. No. ASR/AP-621/73-74.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Chamrang Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfetred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in July 1973, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paries has not been truly stated in the said instrument of transer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

(1) Shri Rattan Singh, Sohan Singh, Harnam Singh s/o Shri Kehar Singh and Basant Kaur w/o S. Gulzar Singh, Bakshish Singh s/o Shri Teja Singh s/o Narain Singh r/o Tung Pai.

(Transferor)

(2) Shri Jagir Singh \$/o S. Burtt Singh, Gurbachan Singh, Hardyal Singh ss/o Shri Harbhajan Singh Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above and as per annexure 'A' (Parties impleaded).

(Person in occupation of the property)

#### ANNEXURE 'A'

- Jai Deep Singh s/o Rajinder Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
- Shri Manmohan Singh s/o Shri Sunder Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
- Shri Jasbir Singh 8/0 Shri Sunder Singh, Shaheed Bhagat Singh Rod, Amritsar.
- Shri Surbir Singh s/o Shri Sunder Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.
- Kaushalya Wanti w/o Shri Sunder Singh, Shahced Bhagat Singh Road, Amritsar.
- Manjit Singh 8/0 Bhajan Singh, 130 Green Avenue, Amritsar.
- Shri Parveen Singh s/o Shri Bhajan Singh through his guardian Shri Bhajan Singh, 130 Green Avenue, Amritsar.
- Shri Arvind Singh s/o Shri Bhajan Singh through his guardian Shri Bhajan Singh, 130 Green Avenue, Amritsar.
- M/s Nilgiri Tea Co. through Shri Hardial Singh r/o of above firm, Kabrastan Road, Outside Ghee Mandi, Amritsar.
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1373 of July, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF, INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411 004

Poona-411 004, the 19th December 1975

Ref. No. C.A.5/Nasik[July '75/257/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gat No. 103, situated at Govardhan, Dist. Nasik, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nasik on 5-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following namely :---

(1) Shri S. K. Usman Abdul Rahiman, House No. 2500, Pinjarghat, Nasik.

(Transferor)

(2) (1) Shri Dilip Shashikant Thakkar, (2) Mrs. Bhanumati Haridas Thakkar, wadi, Near Central Bank, Bhiwa Bhiwandi, Dist. Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Bagayat Land Gat No. 103, at iVllage Govardhan, Tal. and Dist. Nasik. Area: H.—2 R.—65

(as described in the sale deed registered under No. 1306 dated 5-7-75 in the office of the Sub-Registrar,

> H. S. AULAKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 19-12-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th December 1975

Ref. No. LDH/C/1331/75-76.—Whereas, I, V, P, MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Chhaprì, No. B-V/825 (Old No. B-IV/1258). Ganji situated at Ludhiana,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomé-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jaswant Kumar Ahuja, s/o Dr. Ram Lal Ahuja, Flat No. 3, 1st Floor, Highway Rose, Society Pvt. Ltd; Dikshit Road, Ville Parle East, Ram Lal Bombay157.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal Malhotra, C/o M/s. K. L. Malhotra Hosiery, Wait Ganj, Ludhiana. (Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd portion of Property bearing No. B-V/825, (Old No. B-IV/1258), Ganji Chapri, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. of April, 1975 of the Registring Officer, Ludhiana (C).

> V. P. MINOCHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Chandigarh

Date: 15-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE. CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th December 1975

Ref. No. LDH/C/1332/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-V/825 (Old No. B-IV/1258). Ganji Chhapri, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bisham Kumar Ahuja, s/o Dr. Ram Lal Ahuja, 5/1, Mission Compound, Jhansi Road, I udhiana. (Transferor)
- (2) Shii Kasturi Lal Malhotra, C/o M/s, K. L. Malhotra Hosiery, Wait Ganj, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd portion of Property bearing No. B-V/825, (Old, No. B-IV/1258), Ganji Chhapri, Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 139 of April, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana (C).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-12-1975.

Ahuja, 5/1, Mission Compound, Begum Bridge Road, Meerut. (U.P.) (1) Shri Harish Chander

(2) Shri K. L. Malhotra, C/o M/s, K. L. Malhotra Hoslery, Wait Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th December 1975

Ref. No. LDH/C/1333/75-76.-Whereas, I, V. P. MINOCHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-V/825, (Old No. B-IV/1258), Ganji Chhapti, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd portion of Property bearing No. B-V/825, (Old No. B-IV/1258), Ganji Chhapti, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 140 of April, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana, (C).

V. P. MINOCHA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Chandigarh

Date: 15-12-1975

# FORM ITNS———

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th December 1975

Ref. No. 207/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATA-RAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. vide schedule situated at Buchireddypalem & Duvvuru, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registratering Officer at

at Buchireddypalem on April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Kumari Ponnaluru Ushamma D/o P. Kodandaramı Reddy, Buchireddypalem. (Transferor)
- (2) Shimati K. Shyamalamma W/o Purushottam Reddy, Satyanarayana Avenue, Madras-28, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as 'given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural lands-Buchireddypalem Village in Nellore District in

Survey Number 80 0.74 acre classified as Dry.
Survey Number 80 2.00 acres classified as wet
Survey Number 761B 1.01 acres classified as Dry
Survey Number 761B 1.08 acre classified as Wet T.J.
Survey Number 82 2.48 acres classified as Dry
Survey Number 82 0.25 acre classified as wet T.J.
Survey Number 392 2.98 acres classified as wet
Agricultural lands in Duvvuru Village in Nellore District in
Survey No. 83/1, 86, extent of 1 acre classified as dry lands.

K. S. VENKAŢARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-12-1975

(1) Shri Puishottamdas Vallabhram Patel, 13, Braham Khashtriya Society, Paldi, Ahmedabad (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) (1) Jayaben Vallabhbhai of Dhoran (11) Jayaben Sayibhai, Hathi Colony Jamnagai, (111) Hansraj Ambabhai, Jamnagar

#### (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th December 1975

Ref No Acq 23-1 612(246)/10 1/75-76 -- Whereas, I, J KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Survey No 224, Plot No 100, situated at Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jamnagar on 9-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabllity of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

21-396G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that property bearing Survey No 224, Plot No 100, admeasuring 6240 sq feet and situated at Jamnagar

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Ahmedabad

Date 18 12 1975 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECIONG ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-11

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. 1AC/Acq.11/2152(951)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2—1026 Gali Teliyan situated at Phatak Habash Khan, Khari Baoli Delhi-6.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal S/o Shri Ram Dev R/o 114-D, Kamla Nagar, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Smt. Sushila Gagrana, w/o Shri Suresh Chander Gagrana, 1026, Gali Teliyan, Phatak Habash Khan, Delhi.

(Transferee)

- (3) (1) M/s, Avarsh Trading Co.
  - (2) Shri Shiv Ram
  - (3) Shri Manmohan Satoop Vijay Kumari
  - (4) M/s. Himalayas Dies Corporation,

all R/o 1026 Phatak Habash Khan, Khari Baoli, Delhi.

[Person(s) in occupation of the property],

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

1½ storyed house constructed on a plot of land measuring 103 sq. yds. situated at No. 1026 (Private No. 12) at Gali Teliyan Phatak Habash Khan Khari Baoli, Ward No. III. Delhi and bounded as under :—

North: Wall & other's property

East: Road

South: Property of Shri Suresh Chand

West: Gali.

S. N. L. AGARWALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1975

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2163(950)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 2659 Ward No. XII situated at Basti Punjabian Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration  $\Lambda$ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 31-5-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jodh Singh Kohli s/o Ch. Jai Singh r/o 2659. Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Salek Chand Jain s/o Shri Baioo Mal, r/o 2659, Basti Punjabian, Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 220 sq. yds. situated at 2659 in Ward No. XII, Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under:

North: remaining portion of property No. 2659.

South: Property No. 2657.

East; Property No. 2660 and Gali.

West : Property No. 2658.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Income-Tax, Acquisition Range-II
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-12-1975

(1) Shri Mulkh Raj s/o Shri Roop Chand, 3285, Delhi Gate, Delhi.

(Transferor)

3. Hajiudin,

(Transferce)

of 1562

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Dolhi, the 9th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2066(949)/75-76,--Whereas, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heréinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. No. X/1562 situated at Sui Walar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 31-5-75, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the

transfer; and/or

said Act, in respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

4. Rehisudin and Raizudin all residents

(2) S/Shri 1. Nasirudin, 2. Zahirudin,

Suiwalan, Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 60 sq. yds. situated at No. X/1562, Suiwalan, Delhi.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:-

Date: 9-12-1975

Sent -

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1962 (945)/75-76.—Whereas. I. S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

y of No. 17 situated at Motia Khan Dump Scheme, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-4-75.

# for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri P.R. Luthra s/o Shri Hakim Rai r/o 3994, Regharpura, Karol Bagh New Delhi, as General Attorney of Shri P. C. Khanna s/o Shri Rai Bahadur Devi Chand Khanna of No. 17, Motin Khan, Dump Scheme, New Delhi. (Transferor)
- (2) (1) M/s. Lachman Singh Harnam Singh through Shri Harnam Singh, Partner.
  (2) M/s. Jagat Singh Gurcharan Singh through Shri Jagat Singh, partner.
  R/o 17, Motia Khan, Dump Scheme, New States. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

4 share of 23 storeyed building constructed on a plot of measuring 256.22 sq. yds. (Total 512.44 sq. yds) land measuring 256.22 sq. yds. (Total 512.44 sq. yds) situated at No. 17 Motia Khan Dump Scheme, New Delhi and bounded as under :—

North: Plot No. 18, South: Road 30' East: Plot No. 16A. West: Road 20'

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-12-1975

# FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4-A/I4, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DEJ (II

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1962 (944)/75-76.—Whereas. 1, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. ½ of No. 17, situated at Motia Khan Dump Scheme, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 26-4-75,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such namefer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri P. R. Luthura s/o Shri Hakim Rai r/o 3994 Regharpura, Karol Bagh, New Delhi, as General Attorney of Shri P. C. Khanna s/o Shri Rai Bahadur Devi Chand Khanna No. 17, Motia Khan, Dump Scheme, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh s/o Shri Sadhu Singh r/o T-5151, Guiu Teg Bahadur Nagar, Motia Khan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

! share of 2! storyed building constructed on a plot of land 256.22 sq. yds. (Total 512.44 sq. yds.) situated at No. 17, Motia Khan Dump Scheme, New Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 18, South: Road 30', East: Plot No. 16A, West: Road 20'.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-12-1975

### \_\_\_\_ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. 1AC/Acq. 11/1970 (943)/75-76.—Whoreas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 857 & 858 (New) situated at Shish Mahal Bahadurgarh Road, Delhi,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

(1) Shri Khem Chand s/o Shri Topan Dass Batla, r/o 857, Gali Shish Mahal, Bahadurgarh, Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vaish Barahsaini Sabha, Delhi 7/6, Singh Sabha Road, S/Mandi Delhi through Shri Sunerhu Lal Gupta s/o Shri Jai Shanker r/o 7/6, Singh Sabha Road, S/Mandi, Delhi (President)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A double storey building bearing old No. 955, 956 and present No. 857 and 858 with land measuring about 117 sq. yds. situated at Culi Shish Mahal, Bahadurgarh Road ward No. 13 Delhi and bounded as under :-

Fast: House No. 855 & 856. South: Gali Shish Mahal, West: House No. 859,

North: Property No. 851 & 853.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-12-1975

(1) Shri Chaman Lal s/o Shri Chattu Mal. r/o 757, Shecsh Mahal, Bahadurgarh Road, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Shatwan Kumar Ajmani, s/o Shti Pishore Lal Ajmani R/o 8/28, Ramesh Nagar, New Delhi-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3 shops bearing No. 1203 to 1205 constructed on ground floor on a plot of land measuring 55 sq. yds, and situated at Sheesh Mahal, Bahadur Garh Road, Delhi and bounded as under:-

North: Property No. 757 to 759,

East: Property No. 1202. South : Bahadurgarh Road, West: Property No. 1206.

may be made in writing to the undersigned-

- whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

at Delhi on 5/4/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(I) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

4-Λ/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Dolhi, the 9th December 1975

Ref. No. 1AC/Acq. 1I/1881 (942)/75-76.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shops No. 1203 to 1205 situated at Sheesh Mahal Bahadur-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ment of transfer with the object of :--

S. N. L. AGARWALA,

and bearing

garh Road, Delhi,

Or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ACQUISITION RANGE I
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/April-I/705 (29)/75-76.—Whereas, I. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-33, situated at Nizamuddin (East) New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-396GI/75

 Shri Sat Parkash Sud s/o Shri Rup Lal Sud r/o No. 11, Lower flat College Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. J. I. Harkin Crafts through its managing partner Shrimati Rajinder S. Singh w/o Shri Shamsher Singh r/o C-33, Nizamuddin, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

# THE SCHEDULE

All the Vendor's rights, title and interest in the plot of land bearing No. C-33, East Nizamuddin, New Delhi, measuring 200 sq. yds. together with a single storeyed building constructed thereon with all the fittings and fixtures, attachments, installations with all rights and interests pertaining there to and appurtenances, easements, rights and priviliges whatsoever free from all encumbrances.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 17-12-1975

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2007/970/75-76.--Whereas, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaf er referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No 64 situated at Ghokhle Market Opp. Tis Hazari Courts, Delhi,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) (1) Shri Satnam Singh s/o Shri Harnam Singh, t/o House No. 300-A, M. C. Delhi, Alwar Road, Gurgoan Canntt.

(2) Shri Harnam Singh s/o Shri Hari Singh, r/o 300-A, M. C. Delhi-Alwar Road, C goan Cantt.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sadhu Ram.
(2) Shri Puran Singh s/o Shri Hazura Singh,
r/o 596/35, Subhash Nagar, Gandhi Nagar,
Delhi-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 64, situated in Gokhle Market, Opposite New Courts, Tis Hazari, Delhi constructed on a land measuring 563 Sq. ft. charged 2/3rd to GF, and 1/3rd to First floor and bounded as under:—

East: Shop No. 63.

West: Open land of MCD

North: Road

South: Open land of M.C.D.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-12-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHII

New Delhi, the 15th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II./969/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T/907-8, situated at Arya Nagar, Kishan Ganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 31/5/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Gian Devi w/o Shri Ram Chand, r/o T-907-8, Arya Nagar, Kishan Ganj, Bagh Raoji, Delhi.
   (Transferor)
- (2) Smt. Ram Piari, w/o Shri Nand Lal, r/o 8952/14, Shidi Pura, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A single storeyed house constructioned on a plot of land measuring 101 sq. yds. situated at No. T/907-8, Arya Nagar, Kishan Ganj, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: Passage,

East: Property No. T/905-6. South: Wall of DCM, West: Property No. T/909.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1976 (968)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 5. situated at Bela Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Delhi on 14-5-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri S. K. Barman s/o Shri Jagan Nath Dass Barman, as General Attorney of Smt. Govindi Devi w/o Late Jagan Nath Dass Barman, r/o 27/80 Mateshwari Dham, Durga Kund, Varanasi (U.P.)

  (Transferor)
- (2) Shri Chunni Lal s/o Shri Mukandi Lal, r/o 460-461, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Kothi No. 5 Bela Road, Civil Lines, Delhi with the land measuring approximately 1760 sq. yds. under the said Kothi and bounded as under:—

Noth: Kothi No. 3
South: Kothi No. 7
East: Temple and Ashram
West: Sevice Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-12-1975

TART 111-SEC. 11

# FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1947 (967)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1546 Ward No. 10, situated at Suiwalan, Bazar Chitli Qabar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 25-4-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:-

- (1) Shri Manohar Lal s/o L. Ram Lal, r/o 1546, Ward No. 10, Mohalla Suiwalan Bazar Chitli Qabar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sunil Kumar Bhand, s/o Shri Som Nath Bhand, r/o 1546, Ward No. 10, Mohalla Suiwalan, Bazar Chitli Qabar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1 share of house double storeyed house constructed on a plot of land measuring 195 sq. yds. bearing Municipal No. 1546 Ward No. 10 situated in Gali Kotana, Mohalla Suiwalan, Bazar Chitli Qabar, Delhi and bounded as under :-

North: Property No. 1545—1560 South: Property No. 1548—1555 West: Property No. 1558—1559. East: Property No. 1545.

S. N. L. AGARWALA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-12-1975

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1975

Ref. No. 1AC/Acq. II/322/966/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khasra No. 424 situated at Village Gharoli, Illaga Shahdara, Delhi

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on April, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sald Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Sv/Shri Chet Ram,
 Pillo Ram 3. Likhi Ram,
 Shri Bhikan r/o Village Gharoli, Illaqa
 Delhi-32.

(Transferor)

(2) Shri Kanwar Anil Kumar Khurana s/o Shri Anant Ram Khurana, 36, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A piece of land measuring 9 bighas and 18 biswas Khara No. 424 situated in the area of Village Gharoli, Illaga Shabdara, Delbi-32,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II
Delhl/New Delhi

Date: 15-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. JAC/Acq. II/1975 (965)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bering No.

No. 1/4th share of 4125 and 4149 situated at Buru Bastion Road, (Sharhdhanand Marg) Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Delhi on 30/4/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Shri Sohan Singh Jolly, s/o Late L. Malik Ram Jolly, r/o | Malka Ganj, Delhi-7.

(Transferor)

(2) M/s New Suraj Transport Co. (P) Ltd., 4126, Buru Bastion Road, (Shardhanand Marg, Naya Bazar), Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share in a 21 storeyed building constructed on a plot of land measuring 176 sq. yds. bearing No. III/4125 and 4149 (New) Buru Bastlon Road, Shardhanand Marg, Delhi and bounded as under:—

North: Property No. III/4126 South: Property. East: Bazar.

West: Road

S. N. L. AGARWALA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-12-1975

### FORM TINS-

(1) Shri Chaman Lal s/o Shri Dargahi Dass, r/o 1/13, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1884 (964)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. i share of Plot No. 6 Road 52, situated at Punjabi Bagh Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3/4/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Late Shri Sujan Singh Virdi, r/o c/o 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One half undivided share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 6 on Road No. 52 Class-B measuring total 1054.7 sq. yds. (half portion 527.35 sq. yds.) situated at Punjabi Bagh, Delhi area of Village Bassaidarapur, Delhi State, and bounded as under:—

North: Road No. 52
East: Plot No. 49A
South: Service Lane
West: Property No. 8.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1975

Rei. No. 1AC/Acq. II/1887/963/75-76.-Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. # share of Plot No. 6 Road 52 situated at Punjabi Bagh, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-23-396G1/75

(1) Shii Ram Parkash s/o Shri Daigahi Dass, r/o Shop No. 185 (3rd floor) Kochi Market. (Mandi) Kabul—Afganishatan through his General power of Attorney Shri Chaman Lal s/o Shri Dargahi Dass r/o 1/13, Old Rajinder Nagar, New (Transferor)

(2) Smt, Sutjit Kaur w/o Late Shri Sujan Singh Virdhi r/o c/o 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One half undivided share in a free-hold plot of land bearing plot No. 6 on Road No. 52 Class-B measuring total 1054,7 sq. yds. (half portion 527.37 sq. yds.) situated at Punjabi Bagh, Delhi area of Village Bassaidarapur, Delhi state, Delhi and bounded as under :-

North: Road No. East: Plot No. 49A South: Service Lanc West: Property No. 8.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th December 1975

Ref. No. IΛC/Acq. II/2000 (954)/75-76.—Whereas, J S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under-Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ½ of 30-B/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madan Lal Khanna s/o Shri Lal Chand Khanna r/o 7-/2, Janpath, New Delhi Karta of HUF.

  (Transferor)
- S/Shri Manna Singh s/o Shri Jawahar Singh
   S. Sunder Singh,
   S. Gurbax Singh s/o S. Manna Singh all residents of Λ-7/5. Rana Partap Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

il undivided share in plot No. 30-B/78 Punjabi Bagh, New Delhi measuring ½ of 2255.55 sq. yds. in the area of Village Bassaidara Pur, Delhi State, Delhi and bounded as under:

North: Main Road No. 78 South: Service Lane East: Plot No. 30-A West: Plot No. 30-C.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 15-12-1975

# FORM ITNS-

(1) Shri Shanker Dass s/o Shri Kirori Ram r/o M-40, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Mohan Kapoor, s/o Shri Dault Ram, r/o B-56, Double Storey, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 15th December 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Gazette.

Ref. No. IAC/Acq, 11/2121/961/75/76,—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

date of the publication of this notice in the Official

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter,

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 of F-27 situated at Bali Nagar, Delhi,

1908) in the office of the Registering Officer

transfer with the object of --

at Delhi on 12/6/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

# THE SCHBDULE

Westernhalf portion of house constructed on plot No. 27 in Block F situated in the colony known as Bali Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi out of the entire property constructed on plot of land measuring 200 sq yds, and bounded as under:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

North : Road South : Service

Service Lane East: Remaining portion of F-27 West: Plot No. F-28.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ought to be disclosed by the been or which the purposes of the Indian transferee for income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (ii) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-12-1975

Scal 1

(1) Shri Shanker Dass 5/0 Shri Kirori Ram, r/o M-40, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961.)

(2) Shri Jagdish Mohan Kapoor s/o Shri Dault Ram, r/o B-56, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 15th December 1975

Explanation:—The terms and expressions used

Ref., No. IAC/Acq. II/2093/960/75-76,-Whereas, S. N. I. AGARWALA,

> herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

# THE SCHEDULE

No. 2 of F-27 situated at Bali Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Delhi on 10/6/1975,

> Castern half portion of house constructed plot No. 27 in Block I situated in the colony known as Bali Nag area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi out area of Vinige Bassai Darduri, Deini State, Deini out of the entire property constructed on plot of land measuring 200 kg. yds. and bounded as under:
>
> North: Road
> East: Plot No. F-26
> South: Service Lane
> West: Plot No. F-27

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Date: 15-12-1975

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2105 (957)/75-76,—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/5th share of 42-A/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 1/13, Rajinder Nagar, New Delhi himself and General Power of Attorney on behalf of his real brother Shri Suresh Kumar Kakkar s/o Shri Darguhi Dass r/o 185/3, Kothi Market, Kabul (Afganishtan).

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o Shri Sant Singh, r/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 42A Road No. 78 in Class-A measuring 2072.22 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 78
East: Plot No. 42
South: Service Lane
West: Plot No. 44.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, A\$AF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. 11/2100/958/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share of 42-A/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 10-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 1/13, Rajinder Nagar, New Delhi himself and General Power of Attorney on behalf of his real brother Shri Suresh Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 185/3; Kochi Market, Kabul (Afganishtan).

(Transferor)

(2) Shii Hari Singh s/o Shri Sant Singh, r/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 42A Road No. 78 in Class-A measuring 2072.22 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 78
Fast: Plot No. 42
South: Service Lane
West: Plot No. 44.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-12-1975

Seal,

#### FORM 11NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI<sup>2</sup> OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref No 1AC/Acq 11/2099/959/75-76.—Whereas, 1 N L AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub> 25,000/- and bering No.

1/5th share of 42-\/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10/6/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass 1/0 1/13. Rajinder Nagar, New Delhi himself and General Power of Altorney on behalf of his real brother Shii Suresh Kumai Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 185/3, Kochi Market, Kabul (Afganishtan).

(Transferor)

(2) Shii Hari Singh 2 S. Kaitar Singh, 3. S. Amarjit Singh 4 S. Balbir Singh s/o Shri Sant Singh r/o H-67, Rajouri Garden, New Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official trazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 42A Road No 78 in Class-A measuring 2072.22 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 78
East: Plot No. 42
West: Plot No. 44.
South: Service Lane

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 16 12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4-Λ/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 16th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2098 (955)/75-76,—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share of 42-A/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10/6/1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 1/13, Rajinder Nagar, New Delhi himself and General Power of Attorney on behalt of his real brother Shri Suresh Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 185/3, Kochi Market, Kabul (Afganishtan).

(Transferor)

(2) Shri Balbır Singh s/o Shri Sant Singh, r/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 42A Road No. 78, in Class-A measuring 2072.22 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 78
East: Plot No. 42
South: Service Lane
West: Plot No. 44.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 1/13, Rajinder Nagar, New Delhi himself and General Power of Attorney on behalf of his real brother Shri Suresh Kumar Kakkar s/o Shri Dargahi Dass r/o 185/3, Kochi Market, Kabul (Afghanistan).

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Amarjit Singh 9/0 Shri Sant Singh.
1/0 H-67, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, 3RD FLOOR
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned--

New Delhi, the 16th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Acf. No. IAC/Acq. II/2098/956/75-76.—Whereas, IS. N. L. AGARWALA,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said

No. 1/5th share of 42-A/78 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

## Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe

that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

#### THE SCHEDULE

at Delhi on 10/6/1975.

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/5th share in a No. 42A Road No. yds, situated in the of village Bassai Da as under:—
North: Road No. Yds, situated in the of village Bassai Da as under:—
North: Road No.

1/5th share in a free-hold plot of land bearing Plot No. 42A Road No. 78 in Class-A measuring 2072,22 sq. yds, situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 78
East: Plot No. 42
South: Service Lane
West: Plot No. 44.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
24—396 GI/75

Date: 16-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27,

Bangalore-27, the 10th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3984/75-76/ACQ/B.-Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

The property being revenue land measuring 7 acres and 4 guntas in S. No. 156/2, situated at Doddathoguru V:llage, Begar Hobli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk, on 4-4-1975, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of eection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri

1. Shri B. I. Ramaswamy, S/o late Lakshmaiah,

Shri B. R. Vasudev
 Shri B. R. Sampath Kumai,
 Shri B. R. Sampath Kumai,
 Shri B. R. Venugopal,
 Shri B. R. Vasudev, represented by the natural guardian next friend,
 Shri B. R. Vasudev, all residing at No. 61, 111
 Block, Jayanagar, Bangalore 11.

(Transferor)

(2) Shri R. Vengama Raju, S/o late Ranga Raju, Marenahalli. V Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 91/75-76 dated 4-4-1975]

The property being Revenue land measuring 7 acres and guntas in S. No. 156/2, at Doddathoguru village, Begur Hobli, Bangalore South Taluk

Boundaries:

E: S. No. 101. W: S. No. 100. N: S. No. 90.

S: Remaining portion of S No. 156, denoted as S. No. 156/1.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Bangalore.

Date: 10-11-1975

Seal;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 19th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3986/75-76/ACQ/B.—Whereas, 1, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being agricultural land measuring 6 acres 16 guntas and 4 acres 18 guntas in S. Nos. 102/3 and 151 respectively. Doddathogruru Village, Begur Hobli, Bangalore South Taluk situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore, South Taluk, Document No. 93/75-76 on 4-4-75, for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of he properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- income the concealment of anv (b) facilitating or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsec ion (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

(1) Shri

(i) B. L. Ramaswamy s/o late Lakshmaiah, (ii) B. R. Vasudev.

(iii) B. R. Sampathkumar.(iv) B. R. Venugopal. Sons of Shri B. L. Ramaswamy.

(v) V. Sunil (Minor). represented by the natural guardian next friend Shii B. R. Vasudev, all are residing at No. 61, III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri K. Damodara Raju, s/o Shri V. Keshava Raju, No. 29/8, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 93/75-76, dated 4-4-75]

The property being agricultural land measuring 6 acres 16 guntas and 4 acres 18 guntas in S. Nos. 102/3 and 151 respectively situated at Doddathoguru Village, Begur Hobli, Bangatore South Talunk.

Boundaries S. No. 102/3. East: S No. 102/2. West: S No. 103.

North: S. No. 151. South: S. No. Hulimangala Village.

Boundaries S. No. 151. Fast: S No. 100. West: S. No. 152. North: S. No. 150. South: S. No. 102/3.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 19-11-1975

#### FORM ITNS ...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4095/75-76/ACQ/B.-Whereas, 1, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafterreferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

No. 49, situated at Sowrashtrapet Road, Bangalore City. Bangalore-53,

Raja Mahal Vilas Extension Bellary Road, Banagolic (Corporation Division No. 45)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore-Doc. No. 145/75-76 on 9-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) Shrimati M. J. Ranganayaki, D/o, Shri V. V. Gopala Iyengar, 49, Sourashtrapet Road, Bangalore-53. (Transferor)

(2) The Electrical Merchants' Association, represented by President Shri H. G. Mehta, "Shankara" Buildings, Chickpet, Bangalore-53. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 145/75-76 dated 9-4-75] Building No. 49, Sourashtrapet Road, Bangalore-53

Measurement: E-W: 66ft. Site area 21

N-S: 31½ft. with storeyed Site area 2111 sq ft. with storeyed building.

Boundaries:

Fast: Sourashtrapet Road, West: Road

North: Premises No. 50 and 50/1 belonging to Shri M.

J. Ramaprasad

South: House belonging to Shri M. G. Nagendreah &

Brothers.

R. KRISHNAMOORIHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 27-11-1975

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

#### **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 10th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4111/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORIHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beging

No. Vacant Site 50/A-2, situated at Palace Road, Bangaloic-1 (Corporation Division No 44).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore-1 on 30-4-75,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act,' to the following persons namely:---

(1) Shn 1. M/s Associated Trading Corporation, represented by its Managing Partner, Sri Strauddin S/o Gulam Dastagir Khan, No. 14, Ebrahim Saheb

St., Bangalore.

2. Shri Zackrin Hashim, S/o Sri Hashim Sattar, No. 11, Edward Road, Bangalore-1. (Transferor)

Shri Babai Pasha, S/o Sii A. H Habibulla, Coffee Planter, Hosamane, Chickmagalur.

(Transferee)

(4) Shri

Partners in 1 Shu Suajuddin M/s Associated Trading Corporation No. 14, Ebrahim Saheb St, Bangalore. 2. Shri Sadat Ali Khan 3. Shii Mohammed Hussain [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 495/75-76 dated 30-4-1975] Vacant site No. 50/A-2, Palace Road, Bangalore-1 (Corporation Division No. 44) (Formed out of premises which was known as 'Greater Hall' bearing No. 14/56, subsequently changed to No. 50, then to No. 50/A, Palace Road, Bangalora) lore)

Site area:

E-92ft. W--106ft

N:-60ft S-60ft.=5,940 Sq ft.

Boundaries :-

E-Vacant site No. 50/A-1. W-Vacant site No. 50/A-3

-Vacant site No. 50/A-3,

-Sri R. N. Mandre's property, and

S-Private passage.

R KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-11-1975

### FORM ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 13th November 1975

Rel. No. C.R. No. 62/4178/75-76/Acq.(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 71/27, (on site No. 6, out of survey No. 70/8, Doddabylakhana) Lalbagh East lane, Bangalore, situated at (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferied under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore, Document No. 65/75-76 on 3-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to befreve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N iw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) Smt. Zamiu Unisa w/o Shaik Abdulla, No. 42, Sudhamanager, Bangalore city.
  - (Transferor)
    (2) Smt Makbuljan w/o Shri Nazeer Khan at 71/27,
    Lalbagh Eastlane, Sudamanagar, Bangalore 27.
    (Transferee)
  - (3) 1. Shrı Mohd. Zairulla.

Nazeerkhan.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPI ANATION:—The terms and express one used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 65/75-76 dated 3-4-75.)
House No. 71/27, (on site No. 6, out of S. No. 70/8, Doddabylakhana). Lalbagh East lane, Sudamanagar, Bangalore 27. Site area:

East to West = 35ttNorth to South = 30tt.

1050 sft

Plinth:

Ground floor  $\pm 6$  squares. First floor  $\pm 6$  squares.

Boundaries:

F Site of Nagaraja Gowda, W. Road. N. Site No. 5. S. Site No. 7.

#### R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 13-11-75. Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 10th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4182/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a residential house bearing old Municipal Nos. 42 to 45 situated at Surveyor Street, Basavanagudi, Bangdore-4, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore—Doc. No. 159/75-76 on 14-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jamuna Bai, W/o Shii Naiayana Nikkam, V., "Alandi", 62-A, Palace Upper Orchards Bangalore-6. (Transferor)
- (2) Kumari B. Superna Manay (Minor), D/o Shri N. Bhomanand Manay, represented by natural guardian and father Shri N. Bhoomanand Manay, No. 69, Surveyor Street, Basavanagudi, Bangalore-4. (Transferce)
- (3) 1. Shri S. M. Muniswamy.
  - 2 Lakshminarayana,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 159/75-76 dated 14-4-1975)
The property being a residential house bearing old Municipal Nos. 42 to 45 situated at Surveyor's Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

Site area:

E—W: 55ft. N—S: 110ft } 6,050 sft. Plinth=9\( \text{p squares}. \)

Boundaries:

East: Property allotted to Smt. Mannabai, under the partition deed dated 30-6-71 and gifted to Smt. Shakuntala Manay under the deed of gift dated 8-7-71.

West: Property belonging to Bhaktavatsala Gupta

North: Surveyor Street, South: Conservancy Lane.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalor

Date: 10-11-1975,

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore 27, the 19th November 1975

Ref No C R No 62/4184/75 76/ACQ/B—Whereas, I, R KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Premises Old No 89/2 and New No 17 IInd Cross, IInd Plock Jayanagar Bangalore-11 (Corporation Division No 35) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bangalore, Document No 183/75-76 on 16 4-75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely —

(1) Shii G Doiaiswamy s/o Sri Gurappa, No 89/2, Hnd cross Hnd Block, Jayanagar Bangalote-11,

(Transferor)

(2) Shit N Rajagopalachar, s/o Sti C M Nanjundachar, No 208, IVth Cross, IInd Block, Jayanagar, Bangalore-11

(Transferee)

(3) 1 P N Satyanarayana

2 D S Shankaranarayana Rao

3 Ganesh Bhat

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered document No 183/75-76 dated 16 4-1975)

Premises old No 89/2, and new No 17, Hnd cross, Hnd Block Jayanagar, Bangalore-II (Corporation Division No 35) Site are 1

F W 25ft x NS 33ft = 825 sft

Boundaries

East Site No 89/1, and house West Site No 89/3, and house North Corporation road South Site No 92/2 and house

R KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 19 11-1975 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 11th November 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4370/75-76/ACQ/B.—Whoreas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition

Range, Bangalore

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site with building in Old No. 12 and New No 14/6, Ratnavilas Road, Basavanagudi, situated at Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Basavanagudi, Bangalore-4, on 9-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

25-396 GI/75

- (1) 1. Shri A. Krishna Murthy (Retd. General Manager, State Bank of Mysore), S/o late A. Adisesha Iyer, 'Poorna' No. 19, 9th Main Road, III Block, Jayanagar, Bangalore-11.
  - 2. Sri K. Subramaniam (Secretary, Agricultural Department) 100, 4th Main Road, Shanthinagar, Hyderabad (A.P).
  - 3. Shri K. Swaminathan (Deputy Commissioner of Commercial Taxes, Nellore (A.P.). (Power of Attorney Holder for 2 and 3: Shri A. Krishnamurthy) (Transferor)
- (2) Shri (i) Shri B. S. Vijaya Murthy (ii) Shri B. S. Krishna Murthy Sons of B. H. Subbiah, both residing at :---No. 15, 10th Cross, Cubbonnet, Bangalore-2.

(Transferce)

(3) (i) Costal and Telegraphs Department, (ii) Shri T. S. Kannapiran. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 550/75-76 dated 9-5-1975) Vacant site with building in Old No. 12 and New No. 14/6, Ratna Vilas Road, Basavangudi, Bangalore-4).

Site area:— E—W: 96ft.

N-S: 227ft. = 19.581 Sq. ft.

Plinth :---

Ground floor = 20 Squares
1 floor = 15 Squares

As per the pro-forma reply filed by the transferees.

Boundaries:

East: House belonging to Shri Sheshagiri Rayar. West: Property belonging to others. North: Ratna Vilas Road.

South: Conservancy Road.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-11-1975.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 16th December 1975

Ref. No. C.R. 62/4309/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mill Building consisting of one acre and twenty guntas, bearing Survey Nos. 125/2 and 183 and bearing Municipal No. 2008/1618, along with all fixtures and fittings and also all Machineries i.e., Huller, Sheller, Decorticator Motor etc., complete situated at Bangarpet, Kolar District

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangarpet Doc. No. 396/75-76 on 26-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) 5hri

(i) K. Muniswamy Chetty, (ii) K. Narayana Chetty, and banna Chetty (iii) K. Ramachandra Chetty

Land-lords, residing at Kongarapally Village Kuppam Taluk Chittoor District. Andhra-Pradesh.

(Transferor)

Shri
 D. A. Lakshmi Narayana Chetty, B.E. (Mech.),
 D. A. Muralikrishna (minor), Guardian, the brother of Shri D. A. Lakshmi Narayana Chetty, Sons of Shri D. K. Aswathanarayana Chetty, Merchants, Ramakuppam, Palamaner Taluk, Chittor District. (A.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered document No. 396/75-76 dated 26-4-1975)

Milt building consisting of One acre and twenty guntas bearing Survey Nos. 125/2 and 183 and bearing Municipal No. 2008/1618, situated at Bangarapet Town, along with all fixtures and fittings and also all Machineries, i.e., Huller, Sheller, Decorticator Motor etc., complete.

Boundaries :-

East: Railway track leading from Bangalore to Kolar.

West: Gangamma Palya Panchayat Well and land acquir-

ed by the Government

North: Kumbara Appaiah's land.

South: Road leading to Gangamma Palya.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 16-12-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th December 1975

Ref. No. 1604/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38-B, situated at Whites Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 351/75) on 19-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons. namely:—

 Mrs. A. Shyamala Devi Patro & Mr. A. Ramnarayan Patro, No. 35, Chowdry Colony, Madras-34.

(Transferor)

 Shri M. Shantimull Nabar, 1/46, Erullappan Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) Tamil Nadu Electricity Board.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds & 780 S. ft. (with building) situated at No. 38-B, Whites Road, Madras.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 18-12-75

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F.2459/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-apd bearing. No. TS 631/1 & 633, situated at Tea Estates Compound, Race Course Road, Coimbatore

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR I, Coimbatore (Doc. No. 1507/75) on 10-4-1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Jayaraman, S/o Dr. N. Velappan, 5/51 Grey Town, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Shri J. Balagopal; S/o Dr. N. Jagannathan, Palaniswami Naidu Street, Avanashi Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing of the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and measuring 7711 Sq. ft. (with buildings) situated at 'Tea Estates Compound', Race Course Road, Coimbatore (Part of Plot No. 23; Old T.S. Nos. 631/1 and 633).

G. V. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-12-75.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F.2459/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old TS No. 631/1, & 633 situated at 'Tea Estates Compound'; Race Course Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at

JSR I, Coimbatore (Doc. No. 1508/75) on 10-4-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Jayaraman, S/o Dr. N. Velappan, 5/51 Grey Town, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Shri J. Balagopal, S/o Dr. N. Jagannathan Palaniswami Naidu Street, Avanashi Road, Coimbatore-18 (in the capacity as Manager and head of Joint Family)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 15620 Sq. ft. (with buildings) situated at 'Tea Estates' Compound Race Course Road, Coimbatore (Part of Plot No. 23—Old T S. No. 631/1 and 633).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 15-12-75.

 (1) 1. Shri T. V. N. Viswanatha Mudaliar, No. 14, Gandhi Road, Salem; and
 2. Shri S. Krishnasami Mudaliar, 20-B, Boag Road, T. Nagar, Madras-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F. No. 3309/75-76.—Whereas, I, G. V. JHA-BAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. — situated at Reddiarpalayam village—Kadastar No. 1; Resurvey No. 175/3; Paimash Nos. 5984 to 5987 (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ozhavarkarai (Doc. No. 441/75) on April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prpoerty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Smt. N. Sundari W/o Shri P. Narayanasami Padayachi No. 7A, Wanderlane Street. Cuddalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 35 Kuzhis (with buildings) situated at Reddiarapalayam village (Kadastar No. 1; Resurvey No 175/3, paimash Nos. 5984 to 5987).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date . 15-12-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **MADRAS-6** 

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F.3309/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Reddiarpalayam village—Kadastar No. 1; Re-survey Nos. 175; Paimash Nos. 5984 to 5987

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at Ozhavarkarai (Doc. No. 442/75) on April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:-

1. Shri T. V. N. Viswanatha Mudalian, No 14, Gandhi Road, Salem; and
 2. Shri S. Krishnasami Mudalian,

20-B, Boag Road, T. Nagar, Madras,

(Transferor)

(2) (Minor) Venkatesan by his grandmother Smt. P. Amirtham Ammal. No. 7A, Wander lane St., Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Sald Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 35 Kuzhis (with building) situated at Reddiarpalayam village (Kadastar No. 1, Resurvey No. 175/3; Paimash Nos. 5984 to 5987).

G. V. JHABAKH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-12-75.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F No. 3309/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Reddiarpalayam village—Kadastar No. 1; Resurvey No. 175/3; Paimash Nos. 5984 to 5987 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908; (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhavarkarai (Doc. No. 443/75) on April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri T. V. N. Viswanatha Mudaliar, No. 14, Gandhi Road, Salem; and 2. Shri S. Krishnasami Mudaliar,

20-B, Boag Road, T. Nagar, Madras.

(Transferor)

 Shri P. Arumugham, No. 6-A, Guruwappa Naidu Street, Cuddalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 4½ Ruzhis (with building) situated at Reddiarpalayam village (Kadastar No. 1; Resurvey No. 175/3; Paimash Nos. 5984 to 5987).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 15-12-75.

 Shri T. V. N Viswanatha Mudaliar, No. 14, Gandhi Road, Salem; and
 Shri S. Krishnasami Mudaliar,
 Boag Road, T Nagar, Madras
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Shri P. Narayanaswami,
 Guruvappa Naidu Street,
 Cuddalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref No F 3309/75-76—Whereas, J, G. V JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Reddiarpalayam village-Kadastar No 1, Resurvey No 175/3; Paimash Nos. 5984 to 5987 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registartoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ozhavarkari (Doc No 444/75) on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subs-ection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—396GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 41 Kuzhis situated at Reddiarpalayam village (with building) (Kadaster No 1 Resurvey No. 175/3, Paimash No 5984 to 5987)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Madras-6

Date 15-12-75,

Shri S. K. Sreedhar,
 S/o Shri S. V. Krishnaswami Mudaliar,
 No. 54, Nandanam Extension, Madras.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. K. M. Z Fawsia Beevi, Mrs. K. M. Z Meherunnissa; and Mrs. K. M. Z. Salamath Nachiya; No. 4, Showkat Ali Street, Koothanallur Thanjavur District,

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. 1589/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Door No. 27, situated at Shamiers Road, Adayar, Madras-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Mylapore, Madras (Doc. No. 568/75) on 10-4-1975 for an apparent consideration,

which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds (with building) bearing Door No. 27, Chamiers Road, Adayar, Madras-35 (R. S. No. 3879/Part).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-75.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F.1643/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, 3rd Street, situated at C.I.T. Nagar Extension, Madras-35 (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

JSRO, Madras (Doc. No. 2820/75) on 18-4-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Roland Minerals Export, Govindappa Naichen St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri M. Damodara Reddy, C/o M/s. Roland Minerals Export Co., Gudur. Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring one ground and 1905 S. ft. (with building) bearing Door No. 14, 3rd Street, C.I.T. Nagar Extension, Madras-35.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Madras-6

Date: 15-12-75,

Shri M. V. Pratap
 S/o Shii M. Venkataswamy Naidu,
 No, 17, Cenataph Road,
 Teynampet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. 1650/75-76.—Whereas, 1, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 189 & 190, situated at Triplicane High Road, Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3174/75) on 30-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Basheer Mohamed, No. 5, Azudi Khan Bahadur Street, Triplicane, Madras-5. Dr (Mrs.) Dilara Regum, W/o Mr. Basheer Mohamed, No. 33, Khana Bagh Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 189 and land bearing Door No. 190 (Part), Triplicane High Road, Triplicane, Madras bearing Re-Survey No. 2770/1 (part) of extent three grounds and 2200 Sq. ft.

G. V. JHABAKH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Madras-6

Date: 15-12-75.

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1975

Ref. No. F. No. 1790/75-76,—Whereas, I, G. V. JHA-BAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No R. S. No. 567/9 Part, situated at Nungambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer J.S.R., Madras (Doc. No. 2913/75) on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Kothari (Madras) Ltd.
   (Waterfall Division)
   No. 20, Nungambakkam High Road, Madras-34.
   (Transferor)
- (2) Mis. Prema Scetharam, W/o Shri M. Seetharam, 1-A, Rutland Gate 4th St., Madras-6, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 750 Sft. (Plot No. 'G') and bearing R.S. No. 567/9 Part situated at Nungambakkam, Madras (with the right to enjoy the common passage of 1296 Sft.)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-12-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/1/6/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 75, situated at Mayor Sathyamurthy Road, Chetpet. Madras (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J S.R.O. I, Madras on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. N. Hari Dwarkanath, son of N. Pandarang,
  - 2. N. Gopichand (Minor)
    Represented by Guardian N. Pandarang,

4, Venkataswamy Naidu Street, Panchavati, Egmore, Madras.

(Transferor)

(2) Minors (1) S. Varadharajan and (2) S. Kirthi Represented by Guardian Smt. Rajalakshmi Ammal, Wife of Sowrirajulu, Enangudy Village, Nannilam Tq., Tanjore District,

(Transferce)

(3) 1. Indian Coffee Board.
 2. Madhavan Nair,
 75, Mayor Sathyamurthi Road,
 Chetpet, Madras.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

An undivided half share in the entire house, ground and premises bearing Corporation Door No. 75, Mayor Sathyamurthy Road, Chetpet, Madras measuring 2 grounds and 100 sq. ft.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-197

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGI-I MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref No IX/1/7/75-76—Whereas, I, G RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 75, situated at Mayor Sathyamoorthy Road, Chetpet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madras on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt Kusumakumarı Daughter of N Bhaskara Rao,
  - 2 N Sainatha Rao,
  - 3. N Kannan and
  - 4 N. Balaji sons of N. Bhaskara Rao, 4, Venkatasami Naidu Street, Panchavati Fgmore, Madras.

(Transferor)

(2) (1) Minor S Varadharajan and (2) Minor S. Kirthi Represented by Guardian Smt Rajalakshmi Ammal, Wife of Sowrirajulu, Enangudy Village Nannilam Tq Tanjore District

(Transferee)

(3) 1 Indian Coffee Board,
 2 Madhavan Nair,
 75, Mayor Sathyamuithi Road,
 Chetpet, Madras
 [Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THÉ SCHEDULE

An undivided half share in the entire house, ground and premises bearing Corporation Door No 75 Mayor Sathyamurthy Road, Chelpet, Madias measuring 2 grounds and 100 sq ft

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisiton Range-I, Madias 6

Date 12-12-1975. Seal •

 Sri V. V. Mani, Son of Virghese, 145, Gowdia Mutt Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/6/15/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring No. Survey No. 5/1B (Part) 6 (Part) and 4 (Part), situated at Sembiam Village No. 67, Madras (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Sembiam, Madras on 5-4-1975 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) The Orthodox Service Centre, Represented by Rev. Fr. P. M. Thomas, 21/22, Stringers Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshle property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at S. Nos. 5/1B (Part), 6 (Part) 4 (Part) measuring 3 grounds and 2372 sq. ft. in Sembium Village No. 67, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range V.
Acquisiton Range-I, Madias-6.

Date: 12-12-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. 1X/6/16/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 5/1B (Part), 6 (Part) and 4 (Part), situated at Sembiam Village No. 67, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S R.O. Sembiam Madias on 5-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisi ion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

27--396G1/75

 Sri V. V. Mani, Son of Virghese, 145, Gowdia Mutt Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) The Orthodox Service Centre, Represented by Rev. Fr. P. M Thomas, 21/22, Stringers Street, Madros-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of tse said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at S. Nos. 5/1B (Part), 6 (Part) 4 (Part) measuring 7 grounds and 1194 sq. ft. in Sembium Village No. 67, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I, Madras-6.

Date: 12-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th December 1975

Rcf. No. 382/Acq/D. Dun/75-76/2263.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25.000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dehradun on 19-3-75,

with the object of :-

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) J. Smt. Anai Devi widow Babu Singh,
  - 2. Devendra Singh,
  - 3. Bharat Singh,
  - 4 Raghubir Singh, All sons of Ch. Babu Singh, and
  - Narendra Kumar Alias Narendra Singh, S/o Sultan Singh, R/o Jassiwala, Pargana-Pachwa, Distt. Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Vicendia Singh Visth, S/o Rudra Singh Visth, R/o 10-A, Convent Road, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that double storeyed property bearing No. 19,1 and 19-B situated at fakhibagh, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 58,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kaupur.

Date: 15-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Nain Singh,
 S/o Thakur Shanker Singh,
 R/o 15/271, Civil Lines, Kampur.

(Transferor)

(2) Shii Puishottam Lal Bhagat, S/o Late Kedar Nath Bhagat, R/o 26/50, Birhana Road, Kanpur,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanput, the 16th Desember 1975

Ref. No. 369/Acq/Kanpur/75-76/2264—Whereas, 1, VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, on 8-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other perso ninterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No 31, Block East, Scheme 269 measuring 1242 sy, yds, situated at Vishnupuri. Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 96,876/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-12-1975

(1) Shri Pyare Lal Bhartiya (HUF), C/o Surajmal Pyare Lai, 56/57, Kahoo Kothi, Kanpur.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Vimla Rani Singhal, W/o J. P. Singhal, Hindustan Commercial Bank. Birhana Road, Kanpur,

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th December 1975

361/Acq/Kanpur/75-76/2265.—Whereas. Ref. No. VIJAY BHARGΛVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable house property No. 3/36 with plot measuring 847 sq. yds. situated at Vishnupuri Kanpui, transferred for an apparent consideration of Rs 1,17,800/-.

> VIJAY BHARGAVA Competent Authority, Inspec ing Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur,

Date: 15-12-1975

Shri Dinesh Kumar Jain,
 Narendra Kumar Jain,
 R/o Gandhi Road, Dehiadun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OE 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Prem Shankei Khandelwal, S/o Shyam Sunder Lal, R/o Sudhir Sadan Kalagarh, Pargana, Pachwadun, Dehradun,
 Shri Devendra Kumar S/o Shri Murari Lal R/o 9-B, Nai Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanput, the 15th December 1975

Rcf. No. 77/Acq/Dehtadun/75-76/2261.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 16-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', o the following persons, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 12.5 Acrs comprised in Khasra No. 88/71, situated at Vill. Central Hope Town, Pachwadun, Distt. Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-12-1975

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1975

Ref. No 259/Acq./Aligarh/75-76/2191.—Whereas, I. F.J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Aligarh on 14-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer  $a_b$  agreed to between the parties has not been truly sta'ed in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Smt. Shyam Rani Singh, Widow Sri Kunwar Ravindia Singh, Advocate, and Shiri Pradeep Kumar alias Shimlu So Late Kunwai Ravindra Singh, R/o 10, Stranchi Road, Kothi B N. Asthana, Advocate, Allahabad

(Transferor)

 Shri Prayag Naram Agrawal, S/o Shri Udit Naram Agrawal, R/o Sadabad, Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet'e.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Gazette.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of one kothi measuring 550 sq. yds. (approx.) situated at Bharti Nagar, Aligarh, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

F. J. BAHADUR Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2nd December 1975

Seal ·

#### FORM ITNS ---

(1) Suresh Behari Misia. R/o Betia Hata, Gorakhpur,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Prem Piakash Bhatia, N. Block, Kakadeo Kanpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th December 1975

Ref No. 92/Acq/Knp/75-76/2191—Whereas, I, F. J. BAHADUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and baring No. As per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders gned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 117/99 (0-9), situated at Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 98 000/-

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5th December 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 5th December 1975

Ref. No 107/Acq/G Bad/75-76/2193.—Whereas, I. F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-5-1975,

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Anand Prakash
 S/o Shri Madan Gopal,
 R/o 19, G. T. Road
 Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Satwent Kaur W/o Sardar Gurbuksh Singh, R/o 520, Arun Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the da e of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 5. measuring 800 sq. yds. situated at Gandhi Nagar Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 60.000/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5th December 1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1975

Ref. No. 235/Acq/M. Nagar/74-75/2194.—Whereas. I, F. J BAHADUR, being the Competent Authority, under Section 259B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—396GI/75

- (1) The Grain Chamber Limited, Nai Mandi, Muzaffarnagar, Through Sri Virendra Gopal Singhal, Advocate. (Transferor)
- (2) Smt. Tribeni Devi
   W/o Sri Bichcha Ram,
   R/o 21-A. Nai Mandi, Muzaffarnagar.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot measuring 548 sq. yds, alongwith house constructed thereon bearing numbers 18, 18/1 and 18/2 situated at Nai Mandi Muzaffar Nagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 47,500/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6th Dec. 1975

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1975

Ref. No. 381/Acq./D. Dun)75-76/2195.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2-5-1975,

Dehradun on 2-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Amar Singh S/o Shri Ganda Singh, R/o 15/2 Dilaram Bazar, Dehradun.

(Transferor)

(2) 1. Pran Nath Khosla
S/o Kishore Chand Khosla,
2. Smt. Kamla Rani
W/o Sri Madan Gopal Khosla
R/o 15/2 Dilaram Bazar, Dehradun.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house No. 15/2, situated at Dilaram Bazar, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 58,000/-.

F. J. BAHADUR Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date; 6th December 1975

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

#### **KANPUR**

Kanpur, the 6th December 1975

Ref No 451/Acq/Kanpur/75-76/2196.—Whereas, I, F. J BAHADUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annex-

ed heieto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (i) M/s P C Bhandarı & Company (P) L d 45, Galf Links, New Delhi
- (2) 1 S<sub>11</sub> Lal Chand S/o Tillu Singh R/o 105/206, Chimangani, Kanpur. 2 Sri Shival Das S/o Wadhumal R/o 104A/232, Rambagh, Kanpur, 3 Sri Ashok Kumar S/o Madhav Das R/o 105206, Chimangani, Kanpur Sri Hira Nand S/o Choith Ram R/o 85/148, Chimangani, Kanpur. S Sri Hassanand S/o Sadhu Singh R/o 108/107, Gandhi Nagar, Kanpur. Sri Nandi Ram S/o Jodha Ram R/o 105/216, Chamanganj, Kanpur 7 Sri Parasram S/o Choohaimal R/o 109/125A, Jawahar Nagar, Kanpur 8 Sri Gurmukh Das S/o Manghumal R/o, 142 B1 13, Govind Nagar, Kanpur. Sri Virumal S/o Varandmal R/o 88/525, Prem Nagar, Kanpur 10 Sri Sundar Das S/o Wadhumal R/o 104A/232, Rambagh, Kanpur Sri Bal Chand S/o Wadhumal R/o 104/232, Rambagh, Kanpur. 12 Arbatmal S/o Wadhumal R/o 88/525, Prem Nagar, Kanpur. 13. Sri Devi Chand S/o Jiwatmal R/o 88/525, Prem Nagar, Kanpur 14 Sr<sub>1</sub> Murlidhar S/o Narain Das R/o 105/268, Sri Nagar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property No 84/104 and 84/104A area meaduring 6417 sq. yds Plot 33 Block W, situated at Factory Area, G T. Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 3,00,000/-

F J BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Kanpur

Date 6th Dec 1975. Seal.

#### FORM ITNS----

 Shri Krishan Kumar S/o Lala Parshadi Lal R/O Dadawadi, Garh Delhi Road, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### -,

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1975

Ref. No. 151/Acq/Hapur/75-76/2201.—Whereas, J. BAHADUR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully scribed in the Schedule anneyed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hapur on 7-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said tion (1) of section 269D of the said Act to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secpersons, namely:—

(2) Smt. Kamla Devi W/o Kripa Shanker, R/o Bhola Ganj, Delhi Garh Road, Hapur, Distt. Meerut. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/6th share of entire property having 14 shops, godowns, mill & machinery shed and residential portion at first floor (Land area 1575 sq. yds.) situated at Bholagani, Garh Road, Hapur, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 30000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Kanpur

Date . 6th Dec. 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1975

Ref. No. 152/Acq/Hapur/75-76/2202.—Wherease, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per shedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-Hapur on 5-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Krishan Kumar S/o Lala Parshadi Lal, R/o Dadawadi, Garh Delhi Road, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt Meena Devi W/o Lala Trilok Chand, R/o Bholaganj, Delhi Garh Road, Hapur, Distt. Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/6th share of entire property (land area 1575 sq. yds.) having 14 shops, godowns, mill & machinery shed and residential portion at first floor, situated at Bholaganj, Garh Road, Hapur, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Date . 6th Dec. 1975.

 Shri Nathoo S/o Nawal. 2, Smt. Maya Devi W/o Nathoo Saini, R/o Moh. Kalyan Nagarnauchandi ground, Distt. Meerut.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1975

Ref. No. 358/Acq/Meeiut/75-76/2199,—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(2) Shri Thakar Das S/o Lala Hira Lal, R/o Gola Kuan, Shaurabgate, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house No. 64/38 alongwith five shops No. 65/38-A, B, C, D, and, E, situated at Azad Road, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Kanpur

Date . 6th Dec. 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, KANPUR

Kanjur, the 5th December 1975

Ref. No. 357/Acq/Mcerut/75-76/2200.—Whereas, I, F. I. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 31-5-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o' Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:

- (1) Shri Nathoo S/o Nawal. 2. Smt. Maya Devi W/o Nathoo Saini, R/o Moh. Kalyan Nagarnauchandi ground, Distt. Meerut. (Transferor)
- (2) Shri Tilak Raj S/o Lala Thakar Das R/o Gola Kuan, Shaurabgate, Meerut.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of House No. 65/38 alongwith five shops No. 65/38-A, B, C. D and E situated at Azad Road, Mecrut transferred for an apparent consideration of Rs. 20,000/-.

F. J. BAHADUR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Date . 6th Dec. 1975.

Raipur,

#### FORM ITNS

(1) Lala Raja Ram s/o Lala Sarnimal, R/o 7. Raja Road, Dehradun.

Parwadun Distt, Dehradun.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th December 1975

Ref. No. 117/Acq./D. Dun/75-76/2287.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 21-4-75,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) Jai Kishore Minor s/o Shri Jayanti Prasad under Guardianship of his father Srl Jayanti Prasad s/o Shri Devi Ram R/o Vill. Raipur, Parchana-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property comprised in Khasra Nos. 485, 1, 490, 491, 492 and 488 measuring 3.31 acre alongwith buildings, Ugar, Tinshed, Gate and from etc. and its land measuring 0.57 acrs. situated at Village Raipur, Pargana-Parwadun, Dist. Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs, 45,000/-.

> VIJAY BHARGAVA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Kanpur

Date: 20-12-1975

(1) Shri Lala Ram S/o Lala Sarnimal R/o 7, Raja Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th December 1975

Ref. No. 117/Acq./D. Dun/75-76/2284.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being he Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable problety, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed)

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dehradun on 21-4-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilita ing the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, by:—

 hri Jai Kishore 7/o Sri Jayanti Prasad, and
 Shri Payanti Prasad, R/o Vill. Raipur, Parwadun, Distt. Dehradun, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land in Khie No. 485 and 490 etc. situated in Village Raipur wit Katcha houses. Parwadun, Distt. Dehradun, transferred to an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VI BHARGAVA, apetent Authority
Commissioner of Range, Kanpur

Dated: 19-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1975

Ref. No. 383/Acq./Knp./75-76/2286.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No.  $A_{\rm S}$  per schedule situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11/7/75.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - news or other assets which have not been or which to be disclosed by the transferee for the pur
    19' of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19' or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 1957);

Now, therefore, in Act, I hereby initiate nance of Section 269C of the said aforesaid property by trdings for the acquisition of the section (1) of Section 26sue of the notice under subsection (1) of Section 26sue of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Badri Narain Srivastava, 8/113. Arya Nagar, Kanpur. (Transferar)
- (2) Sri Ram Kumar Agrawal 2. Radha Kiishan Agrawal, 112/243, Swaroop Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of oublication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:— The terms and expressions used her? as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 115 (Part) Block 'A', Scheme VII, Gutaya situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 77,750/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-12-1975

JTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. II/July/943(22)/75-A Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under ection 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. C-10, situated at Krishna Park, <sup>1</sup>ew Delhi.

'id more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred und the Registration Act 1998

New the Registration Act 1006
New in the officer of the Registering Officer at for warket value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair mirket value of the property as afore said exceeds the exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the parties has hofor such thanker as agreed to between transfer with the object of

mraung the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any tacome or any wineys or other assets which have not been or the purpose to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1922 or the Wealth tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following

- (1) M/s. Delhi Housing & Finance Corporation, 2, Park View, Karol Bagh, New Delhi through G. A. Shri Krishan Kumar, s/o Shri Uma Charan. (Transferor)
- (2) Smt. Kanta Khosla w/o Shri S. P. Khosla r/o J-3/140, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. 10, Block-C, Krishna Park, number :— measuring 506.3 sq. yds. and bounded as Plot No. C-11 Service Lone South : Service Lane
East : Service Lane
West : Road 45' wide.

> S. C. PARIJA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 17-12-1975 Seal:

L 2T III—SEC. 1

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/June/313(9)/75-76.— Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing No. 3V/2550, similared at Chuna Mandı Rajgru Road, Paharganı, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19/8) in the office of the Registering officer at New Delhi op 6-1975 for an apparent consider, on which is less than the fair market value of the afores! d property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid has been transferred under the exceeds the apparent considered therefor by more than fifteen per sunt of such appoint consideration and that the consideration for such treaser as agreed to between the in the said instrument of

parties has not been transfer with object

sons, namely

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section acquisition of the Act'. I hereby initiate proceedings to notice under sub-section aforesaid property by the issue Said Act' to the following per(1) of Sect on 269D

Shri Ram Nath Anand s/o Shri T...
r/o No. 17, Babar Road, New Delhi: Dass
(Peror) (1) Shri Ram Nath Anand s/o Shri T.

- (2) Shri Mohinder Singh S/o Shri Nank Singh, r/o 2208, Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi. (Transferee)
- (3) Bata Shoe Co.

  (11) S/Shri Mohinder Singh and Surinder Singh
  (111) M/s Polson Dry Cleaners, all r/o XV/2358,
  Chuna Mandi, Panarganj, New Delhi

  Werson in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this not a Gazett<sup>-</sup>

Explanation:—The terms and expression are defined in Chapte Act, shall have the sme meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half share of property No. XV/2530, built on lease-hold plot of land measuring total area 417 sq. yds. situated at Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi and bounded as under :-

East: House of Sh. Paras Ram and Sh. Sukha.
West: Rayguru Road, Chuna Mandt.
North: Remaining half portion of property No. XV.
2358.
South: House of Smt Dharam Kaur w/o Sh.

S. C. PARIJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III New Delh

Date: 17-12-1975

Singh

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF FINDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS. DELHI, 1976

Seal '